राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय राज्य स्तरीय मान्यता देने के खिलाफ दायर याचिका रद्द - 12

संयुक्त राष्ट्र ने कहा-भारत की वृद्धि दर रहेगा 6.6 प्रतिशत - 12

रणनीतिक स्वायत्तता बढ़ाने में फ्रांस भारत की साझेदारी का विशेष महत्व - 13

प्रो कुश्ती लीग की चुनौती के लिए तैयारी में जुटीं अंतिम पंघाल - 14

आज का मौसम

17.0° अधिकतम तापमान

9.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.58

सूर्यास्त 05.34

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष सप्तमी 8:24 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 10 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 141, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

लखनऊ : नवनिर्मित अशोक लेलैंड ईवी प्लांट के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी, रक्षा मंत्री राजनाथ व केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी।

यूपी संभावनाओं को परिणाम में बदलने वाला राज्य : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी, राजनाथ और कुमारस्वामी ने किया अशोक लेलैंड ईवी प्लांट का उद्घाटन

अमृत विचार: लखनऊ में शुक्रवार को डबल इंजन सरकार की निवेश, नवाचार व हरित भविष्य की नई उड़ान शुरू हुई। मुख्यमंत्री योगी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व भारी उद्योग व इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से लखनऊ में अशोक लेलैंड के इलेक्ट्रिक व्हीकल विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया।

योगी ने कहा कि यूपी अब संभावनाओं को परिणाम में बदलने वाला राज्य है। उन्होंने घोषणा की कि हिंदुजा समूह के साथ एमओयू कर हर साल 10 हजार युवाओं स्किल्ड करेंगे।

योगी ने सरोजनी नगर प्लांट पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि 2017 से पहले जिस यूपी को अराजकता और निवेश पलायन के लिए जाना जाता था, वही आज उत्सव का प्रदेश है। डबल इंजन सरकार की फास्ट-ट्रैक अप्रूवल प्रणाली, सुशासन और निवेशक-अनुकूल नीतियों के चलते मात्र 18 महीने में यह विश्वस्तरीय प्लांट तैयार हुआ। उन्होंने बताया कि इकाई की क्षमता अभी 2500 यूनिट/वर्ष है, जिसे चरणबद्ध ढंग से 5000 यूनिट तक बढ़ाया जाएगा। यह परियोजना हरित परिवहन, पर्यावरण संरक्षण और युवाओं के रोजगार, तीनों मोर्चों पर निर्णायक साबित होगी। योगी ने कहा कि यूपी में अब 34 सेक्टरियल पॉलिसी हैं। आज 75 जिलों में निवेश हो रहा है। देश के 55 प्रतिशत एक्सप्रेसवे, सबसे बड़ा रेल नेटवर्क, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, रैपिड रेल और वाटरवे, सब यूपी की लॉजिस्टिक ताकत हैं। ईवी इकोसिस्टम में यूपी की राष्ट्रीय हिस्सेदारी 19 प्रतिशत (वर्ष 2024) रही। 700 ई-बसें संचालित हैं। अगले लक्ष्य-यूपी को 2029-30 तक वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाना।

विकसित भारत का रास्ता यूपी से : सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह ईवी यूनिट स्वच्छ, हरित परिवहन के साथ भविष्य की तकनीक में देश को अग्रणी बनाएगी। उन्होंने रिकॉर्ड 18 महीनों में संयंत्र पूरा होने को मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की सफलता बताया। डिफेंस कॉरिडोर, सड़क-इन्फ्रा और औद्योगिक नीतियों ने रोजगार-सृजन को नई गति दी है। ईवी भविष्य है—पेट्रोलियम निर्भरता घटेगी और युवाओं को नई स्किल्स मिलेंगी।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को नई उड़ान

भारी उद्योग व इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में नेट-जीरो लक्ष्य की ओर ठोस रोडमैप तैयार है। फेम-2, पीएलआई ऑटो, एसीसी बैटरी और पीएम ई-ड्राइव जैसी योजनाओं से ईवी अपनाने में तेजी आई है। उन्होंने बताया कि 70,000 चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। लखनऊ का यह संयंत्र उन्नत विनिर्माण, घरेलू वैल्यू एडिशन और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा।

ब्रीफ न्यूज

केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान के संयुक्त निदेशक गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने शुक्रवार को केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान के संयुक्त निदेशक राजाराम मोहनराव चेन्नू को बेंगलुरु से 9 .5 लाख रुपये की रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि चेन्नू के आवास पर तलाशी के दौरान, सीबीआई ने चार लाख रुपये से अधिक मूल्य की विदेशी मुद्रा सहित करीब 3 .59 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की। विदेशी मुद्रा में अमेरिकी डॉलर, हांगकांग डॉलर, सिंगापुर डॉलर, इंडोनेशियाई रुपिया, मलेशियाई रिंगिट, यूरो, युआन (रेनमिन), स्वीडिश क्रोन और यूएई दिरहम शामिल है।

बजट सत्र 28 से केंद्रीय बजट एक फरवरी को होगा पेश

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होने की संभावना है और केंद्रीय बजट एक फरवरी, रविवार को पेश किया जाएगा। संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा तय किए गए संभावित कार्यक्रम का हवाला देते हुए अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 28 जनवरी को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। वर्ष के प्रथम सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति का पारंपरिक अभिभाषण होता है। बीटिंग रिट्रीट समारोह के कारण 29 जनवरी को दोनों सदनों की बैठक नहीं होगी।

ईडी ने याचिका में कहा- मुख्यमंत्री ममता, शीर्ष पुलिस अधिकारियों की सीबीआई करे जांच

छापेमारी के दौरान राज्य सरकार द्वारा बाधा डालने पर हाईकोर्ट से जांच एजेंसी ने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

ईडी ने कोलकाता में राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक व उसके निदेशक के खिलाफ छापेमारी के दौरान बाधा डालने को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और अन्य के खिलाफ सीबीआई जांच का अनुरोध करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया है। याचिका में दावा किया गया है कि इन कार्रवाइयों के कारण उसके तलाशी अभियान पर सरकारी तंत्र का पूर्ण नियंत्रण हो गया।

ईडी ने आरोप लगाया कि इसमें सर्वोच्च राजनीतिक कार्यपालिका की प्रत्यक्ष संलिप्तता और पुलिस बल का दुरुपयोग हुआ है और मामले की सीबीआई जांच का अनुरोध किया है। इसमें हाईकोर्ट से आग्रह किया गया कि वह सीबीआई को प्राथमिकी दर्ज करने और पूरी घटना की जांच करने का निर्देश दे, जिसमें मुख्यमंत्री, पुलिस अधिकारी और इस मामले में मिलीभगत करने वाले सभी व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच शामिल हो। एजेंसी ने कहा कि सीबीआई द्वारा जांच आवश्यक है, क्योंकि कलकत्ता हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों ने लगातार यह माना है कि जहां राज्य में उच्च व प्रभावशाली लोग संज्ञेय अपराधों को अंजाम देने में शामिल होते हैं, वहां जांच सीबीआई को सौंप दी जानी चाहिए। याचिका में उसने यह भी अनुरोध किया है कि तलाशी के दौरान जिन सभी डिजिटल उपकरणों, रिकॉर्ड व दस्तावेजों को 'अवैध व जबरन' तरीके से हटा लिया गया था, इन्हें तुरंत जब्तकर सील किया जाए।

प्रदर्शन कर रहे टीएमसी सांसदों को हटाती पुलिस।

गृह मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे टीएमसी के कई सांसद हिरासत में

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए दिल्ली में गृह मंत्रालय कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे टीएमसी के कई सांसदों को शुक्रवार को हिरासत में ले लिया गया। टीएमसी नेताओं ने दावा किया कि उन्हें जबरन मौके से हटा दिया और घसीटकर ले जाया गया। एक अधिकारी ने बताया कि टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन और महुआ मोइत्रा के साथ पार्टी के अन्य नेताओं को हिरासत में लेकर संसद मार्ग थाने ले जाया गया। पुलिस ने कहा कि निषेधाज्ञा और सुरक्षा चिंताओं के चलते गृह मंत्रालय कार्यालय के बाहर प्रदर्शन की अनुमति नहीं है।

टीएमसी ने याचिका में दस्तावेजों के दुरुपयोग पर रोक का किया अनुरोध

कोलकाता। टीएमसी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में ईडी द्वारा की गई छापेमारी के खिलाफ याचिका दायर कर जब्त किए गए दस्तावेजों के 'दुरुपयोग और प्रसार' पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। याचिका में आरोप लगाया है कि ईडी ने आगामी विधानसभा चुनाव में टीएमसी के उपयोग के लिए रखे गए संवेदनशील और गोपनीय राजनीतिक डाटा को जब्त कर लिया और इससे मनमाने और दुर्भावनापूर्ण तरीके से सत्ता के दुरुपयोग का पता चलता है। टीएमसी ने कहा, जब्त की गई सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक डाटा में गोपनीय राजनीतिक डाटा/जानकारी/दस्तावेज शामिल हैं।

ईडी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

कोलकाता। सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को ईडी की छापेमारी के संबंध में संघीय एजेंसी के खिलाफ दो शिकायत दर्ज कराई है। इस आधार पर कोलकाता और बिधाननगर पुलिस ने औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के साथ ईडी के खिलाफ हाईकोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया है।

अदालत कक्ष में अराजकता पर हाईकोर्ट ने सुनवाई 14 तक टाली

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने छापेमारी से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई शुक्रवार को अदालत कक्ष में अनियंत्रित भीड़ के कारण स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति शुभ्रा घोष ने अदालत कक्ष में मौजूद उन लोगों से बार-बार बाहर जाने का आग्रह किया, जो इन याचिकाओं से जुड़े नहीं थे। हालांकि, भीड़ में शामिल लोगों पर उनके आग्रह का कोई असर नहीं हुआ। इसके बाद याचिकाओं पर सुनवाई 14 जनवरी तक टाल दी गई। एजेंसी ने उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजय पॉल के समक्ष शुक्रवार को ही शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया, लेकिन उस पर विचार नहीं किया गया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति घोष द्वारा पारित न्यायिक आदेश में हस्तक्षेप न करना उचित समझा।

अल्पसंख्यकों पर हमले चिंताजनक, दोषियों को न बचाए बांग्लादेश सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारतीय विदेश मंत्रालय की हिंसा पर दो टूक
- कहा- सांप्रदायिक घटनाओं से सख्ती से निपटना होगा

भारत ने शुक्रवार को बांग्लादेश से कहा कि वह अपने यहां हो रहीं सांप्रदायिक घटनाओं पर सख्ती से अंकुश लगाए। बांग्लादेश में पिछले कुछ हफ्तों में कम से कम पांच हिंदू पुरुषों की हत्या किए जाने की पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार की ओर से की यह टिप्पणी आई है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम अल्पसंख्यकों के साथ-साथ उनके घरों और व्यवसायों पर चरमपंथियों द्वारा बार-बार किए जा रहे हमलों का चिंताजनक सिलसिला देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की सांप्रदायिक घटनाओं से तुरंत और सख्ती से निपटना जरूरी है। जायसवाल ने कहा कि हमने इस तरह की घटनाओं को व्यक्तिगत दुश्मनी, राजनीतिक मतभेदों या बाहरी कारणों से जोड़ने की एक चिंताजनक प्रवृत्ति देखी है। दोषियों को सरकार न बचाए। उन्होंने कहा कि इस तरह की अनदेखी से अपराधियों का हौसला बढ़ता है और अल्पसंख्यकों के बीच भय व असुरक्षा की भावना और गहरी हो जाती है।

18 दिन में 6 हिंदुओं की हत्या की गई

हाल ही में मालदीव के मीडिया आउटलेट काफू न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश में जब भी सरकार की पकड़ कमजोर होती है, तब हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा बढ़ जाती है। बढ़ते अत्याचारों की ओर इशारा करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा परिस्थितियां केवल हिंसक अपराधों का ही संकेत नहीं देतीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा करने में राज्य की विफलता को भी उजागर करती हैं। बांग्लादेश 18 दिनों में छह हिंदू पुरुषों की हत्या हो चुकी है।

अंकिता प्रकरण : सीबीआई जांच कराएगी सरकार

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- सीएम धामी ने कहा- सरकार का उद्देश्य निष्पक्ष, पारदर्शी व संवेदनशील तरीके से न्याय सुनिश्चित करना

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वर्गीय अंकिता भंडारी के माता-पिता के अनुरोध और उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए शुक्रवार को अंकिता भंडारी प्रकरण की सीबीआई से जांच कराए जाने की संस्तुति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य शुरू से अंत तक निष्पक्ष, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से न्याय सुनिश्चित करना रहा है और आगे भी रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय बहन अंकिता भंडारी के साथ हुई इस अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक घटना की जानकारी मिलते ही राज्य सरकार ने बिना किसी विलंब के पूर्ण संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ कार्रवाई की। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक महिला आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रकरण से जुड़े सभी अभियुक्तों को शीघ्र गिरफ्तार किया गया तथा राज्य सरकार की ओर से प्रभावी एवं सशक्त पैरवी सुनिश्चित की गई, जिसका परिणाम यह रहा कि विवेचना और ट्रायल के दौरान किसी भी अभियुक्त को जमानत नहीं मिल सकी।

दो टूक : सरकार की मंशा पूरी तरह स्पष्ट

मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि सरकार की मंशा पूरी तरह स्पष्ट है और किसी भी तथ्य या साक्ष्य की अनदेखी नहीं की जाएगी। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि अंकिता केवल एक पीड़िता नहीं थी, बल्कि वह हमारी भी बहन और बेटी थी। सीएम ने जानकारी दी कि हाल ही में उन्होंने स्वयं स्वर्गीय अंकिता भंडारी के माता-पिता से मुलाकात की, जिसमें बातचीत के दौरान उन्होंने मामले की सीबीआई जांच कराए जाने का अनुरोध किया। अंकिता के माता-पिता के इस अनुरोध व उनकी भावनाओं का पूर्ण सम्मान करते हुए सरकार ने इस प्रकरण की सीबीआई से जांच कराने का निर्णय लिया है।

50 हजार का इनामी डॉक्टर रमीज गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: केजीएमयू की महिला रेजिडेंट डाक्टर से यौन शोषण, गर्भपात और मतांतरण के लिए उकसाने वाले आरोपी डॉक्टर रमीज उर्फ रमीजउद्दीन नायक को चौक पुलिस ने शुक्रवार को सिटी रेलवे स्टेशन गेट के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रमीज की गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी रमीज हुसैनाबाद स्थित मुमताज कोर्ट अपार्टमेंट में अपने किराए के फ्लैट से अहम दस्तावेज निकालकर उन्हें ठिकाने लगाकर कोर्ट में समर्पण करने की फिराक में था। आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन और कुछ रुपये मिले हैं। मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने के बाद पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है।

लापरवाही पर कार्रवाई : हरदोई के जिला समाज कल्याण अधिकारी निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों, इलेक्ट्रीशियन व प्लंबर की नियुक्ति के लिए सेवा प्रदाता फर्म के चयन में शिथिलता तथा विभागीय कार्यों में लापरवाही बरतने पर हरदोई के जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाकांत को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण के निर्देश पर की गई। निलंबन आदेश अपर मुख्य सचिव वेंकटेश्वर लू ने जारी किए हैं। मामले की जांच उप निदेशक जे राम करेंगे।

राज्य मंत्री ने बताया कि हरदोई के चठिया और कछौना में संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में 14 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों और दो इलेक्ट्रीशियन/प्लंबर की श्रम संविदा पर तैनाती प्रस्तावित थी। इन पदों के लिए जेम पोर्टल के माध्यम से सेवा प्रदाता फर्म का चयन किया जाना था। जांच में सामने आया कि चयन प्रक्रिया में अनावश्यक देरी की गई। आमंत्रित निविदा की फाइल लगभग दो महीने बाद तैयार की गई और उसमें पात्र तथा अपात्र फर्मों के संबंध में गलत जानकारी दर्ज कर उच्च अधिकारियों को भेजी गई। इसके अतिरिक्त, गरीबी उन्मूलन के लिए संचालित जीरो पावर्टी योजना के तहत वृद्धावस्था पेंशन के लिए पात्र पाए गए 1,219 परिवारों के मुकाबले मात्र 116 परिवारों के आवेदन ही पोर्टल पर दर्ज पाए गए। सभी मामलों में प्रथमदृष्टया लापरवाही सिद्ध होने पर जिला समाज कल्याण अधिकारी को निलंबित करते हुए विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

हिमाचल : 500 फुट गहरी खाई में गिरी बस, 12 की मौत, 35 घायल

- सिरमौर जिले के हरिपुरधार में हुई बस दुर्घटनाग्रस्त

नाहन, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में शुक्रवार दोपहर एक निजी बस के 500 फुट गहरी खाई में गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई और लगभग 35 अन्य यात्री घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई, जब शिमला से राजगढ़ होते हुए कुपवी जा रही बस हरिपुरधार गांव के पास सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी।

पुलिस के मुताबिक, निजी बस में बैठने की क्षमता 39 लोगों की थी लेकिन वाहन में जरूरत से ज्यादा यात्री सवार थे। मौके पर बचाव अभियान की निगरानी कर रहे संगराह के एसडीएम सुनील कायथ ने बताया कि बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है और सभी घायलों व मृतकों को पास के संगड़ाह और ददाहू के अस्पतालों में ले जाया जा रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दुर्घटना में हुई जन हानि पर दुख व्यक्त किया।

खाई में गिरी निजी बस के आसपास जमा लोग।

कश्मकश

अमेरिकी वाणिज्य मंत्री बोले-ट्रंप का ईगो हर्ट हुआ, भारत का जवाब-टिप्पणी गलत, 2025 में 8 बार बात हुई

मोदी ने ट्रंप को फोन नहीं किया, इसलिए रुकी ट्रेड-डील

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि भारत के साथ व्यापार समझौता इसलिए नहीं हो पाया क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को फोन नहीं किया। इससे ट्रंप का ईगो हर्ट हुआ। इस बीच, भारत ने जवाब दिया कि व्यापार समझौते के लिए वर्ष 2025 में आठ बार बात हुई, अमेरिकी मंत्री की टिप्पणी गलत है।

लुटनिक ने पॉडकास्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप समझौते चरणबद्ध तरीके से करते हैं। जो देश पहले चरण यानी पहली सीढ़ी पर सौदा करता है, उसे सबसे बेहतरीन शर्तें मिलती हैं। ट्रंप इस तरह से इसलिए काम करते हैं क्योंकि इस तरह से बातचीत में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन के साथ हुए समझौते के बाद हर किसी ने ट्रंप से पूछा कि अगला देश कौन सा होगा और राष्ट्रपति ने कई देशों के बारे में बात की। लुटनिक ने कहा कि हम भारत से बात कर रहे थे और भारत से कहा गया था कि उनके पास तीन शुक्रवार हैं। उन्हें यह काम पूरा करना ही होगा। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री ने कहा कि वह उन देशों के साथ समझौतों पर बातचीत करेंगे और पूरा सौदा तय करेंगे, लेकिन यह स्पष्ट होना चाहिए कि यह उनका (ट्रंप का) समझौता है। वही अंतिम निर्णय लेते हैं। वही समझौता करते हैं। उन्होंने कहा कि उनका कहना था कि व्यापार में मोदी को शामिल करने में सब कुछ तय रहा, पर कहा गया था कि मोदी से राष्ट्रपति को फोन करवाना होगा। भारत को ऐसा करने में असहजता महसूस हुई, इसलिए मोदी ने फोन नहीं किया।

भारत ने कहा है कि दोनों देश व्यापार समझौते को लेकर कई बार काफी करीब पहुंचे हैं और इस संबंध में अमेरिकी मंत्री की मीडिया में आई टिप्पणी सही नहीं है। भारत ने स्पष्ट किया है कि दोनों देशों के बीच परस्पर लाभकारी समझौते में उसकी अभी भी रूचि है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री मोदी व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच अच्छे संबंध हैं और दोनों नेता आठ बार टेलीफोन पर बात कर चुके हैं।

रूस से तेल खरीद और 500 प्रतिशत शुल्क वाले अमेरिकी विधेयक पर भारत की नजर

भारत ने कहा कि वह रूस से कच्चे तेल की खरीद पर 500 प्रतिशत शुल्क (टैरिफ) लगाने संबंधी प्रस्तावित अमेरिकी विधेयक से संबंधित घटनाक्रम पर करीब से नजर रखे हुए है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत और चीन उन चुनिंदा देशों में शामिल हैं जो रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदते हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित विधेयक की जानकारी है।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 10 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

कौशांबी में 22.93 करोड़ से विकसित हो रहा बुद्ध थीम पार्क

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. में बौद्ध पर्यटन को सशक्त बनाने की दिशा में कौशांबी में विकसित हो रहा बुद्ध थीम पार्क एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। पर्यटन विभाग द्वारा कोसम इनाम गांव में 11 हेक्टेयर क्षेत्र में 22.93 करोड़ रुपये की लागत से इस महत्वाकांक्षी परियोजना को आकार दिया जा रहा है, जिसे वर्ष के अंत तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। पर्यटन मंत्री ने शुक्रवार को बताया कि यह थीम पार्क तेलंगाना के नागार्जुन सागर स्थित 'बुद्धवनम' की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है, जिसका मुख्य आकर्षण 'बुद्धचरित वनम' होगा। यहां भगवान बुद्ध के जन्म से लेकर महापरिनिर्वाण तक की जीवन यात्रा को कलात्मक मूर्तियों के माध्यम से दर्शाया जाएगा। विशेष रूप से स्तूप गैलरी में श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमार, दक्षिण कोरिया, नेपाल, तिब्बत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान सहित विभिन्न देशों के 13 प्रतिष्ठित स्तूपों की प्रतिकृतियां स्थापित की जाएंगी। साथ ही महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उप्र. के प्रमुख बौद्ध स्थलों का भी प्रतिनिधित्व किया जाएगा। प्रमुख सचिव पर्यटन अमृत अभिजात ने कहा कि यह परियोजना विरासत संरक्षण और आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का उत्कृष्ट उदाहरण बनेगी।

योजना बनाकर किसान करें भंडारण

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश प्रमुख आलू उत्पादक राज्यों में अग्रणी बना हुआ है। इस वर्ष भी अच्छी उपज होने की संभावना जताई जा रही है। उद्यान विभाग के अनुसार, प्रदेश में नये आलू की आवक मंडियों में मध्य दिसंबर से शुरू हो जाती है। मंडियों में नये आलू की अधिक आवक के चलते मांग-आपूर्ति के सिद्धांत के अनुसार, बाजार भाव पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। निदेशक उद्यान विभाग. भानु प्रकाश राम ने कहा कि आलू उत्पादक कृषक अपनी उपज की खुदाई, विपणन एवं भंडारण की योजना पहले से बनाएं। किसान बाजार भाव की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आलू का विक्रय या भंडारण करें, जिससे उन्हें अपनी उपज का अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके। बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 2243 निजी शीतगृह संचालित हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता लगभग 192 लाख मीट्रिक टन है। वर्ष 2025 में करीब 159 लाख मीट्रिक टन आलू का भंडारण किया गया था, जबकि लगभग 33 लाख मीट्रिक टन क्षमता खाली रही।

सपा ने बूथ पुनर्गठन पर उठाए सवाल

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत सामने आए "नो-मैपिंग" मतदाताओं और बूथ पुनर्गठन पर सवाल उठाए हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायत की। सपा का कहना है कि प्रदेश में एक करोड़ चार लाख से अधिक नो-मैपिंग मतदाताओं को नोटिस भेजे जा रहे हैं, जिनसे पहचान के लिए 2003 की मतदाता सूची या 12 निर्धारित दस्तावेजों में से एक मांगा जा रहा है। पार्टी ने मांग की है कि नो-मैपिंग मतदाताओं की सूची राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को भी दी जाए, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे।

यूपी दिवस की तैयारी ने पकड़ी रफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. की सांस्कृतिक गरिमा, विकास यात्रा और वैश्विक पहचान को सशक्त रूप से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले 'उत्तर प्रदेश दिवस-2026' की तैयारियों को गति मिल गयी है। इसी क्रम में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को राष्ट्र प्रेरणा स्थल पहुंचकर आयोजन की तैयारी का स्थलीय निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष यूपी दिवस की गूंज देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक पहुंचाने की योजना है, जिसके तहत प्रवासी उत्तर प्रदेश वासियों वाले देशों में भी आयोजन किए जाएंगे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि 24 से 26 जनवरी तक प्रस्तावित कार्यक्रमों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस वर्ष यूपी दिवस को पूर्व वर्षों की तुलना में अधिक भव्य, दिव्य और नव्य स्वरूप में आयोजित किया जाएगा, जिससे प्रदेश की गौरवशाली पहचान देश और विदेश तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश के गृह मंत्री अमित शाह को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

घर बैठे सुलझेंगे एसजीएसटी से जुड़े विवाद, मिलेगी राहत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ई-ऑफिस प्रणाली से शिकायतों का होगा निस्तारण

अमृत विचार: राज्य कर विभाग ने व्यापारियों और विभागीय कर्मचारियों की शिकायतों के तेज, पारदर्शी और ट्रैक योग्य निस्तारण के लिए ई-ऑफिस प्रणाली लागू कर दी है। इस नई व्यवस्था के तहत टैक्स से जुड़े विवाद अब घर बैठे ऑनलाइन सुलझाए जा सकेंगे। विभाग की प्रमुख सचिव कामिनी रतन चौहान ने बताया कि ई-ऑफिस से शिकायतों की पेंडेंसी खत्म होगी और शिकायतकर्ता को हर चरण की स्वचालित सूचना मिलती रहेगी।

उन्होंने कहा कि शिकायतों से जुड़ी समस्त पत्रावलियां शासन की निरंतर निगरानी में रहें, इसके लिए निस्तारण की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन किया जा रहा है। शासन के ई-ऑफिस से राज्य कर आयुक्त कार्यालय को जोड़ा जाएगा, जिससे विभागीय कार्यों के साथ-साथ शिकायतों का निस्तारण भी एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हो सकेगा।

नई प्रणाली के तहत जो भी शिकायतें प्राप्त होंगी, उन्हें ई-पर्ची में परिवर्तित कर ई-ऑफिस पर दर्ज किया जाएगा। इससे शिकायतों की ऑनलाइन ट्रैकिंग संभव होगी। व्यापारियों और कर्मचारियों को सीधे संवाद का अवसर देने के लिए प्रमुख सचिव ने हर बुधवार नियमित जनसुनवाई का निर्णय लिया है। समय सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक।

राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर मदरसा अशरफिया की मान्यता रद्द

आजमगढ़ के मुबारकपुर में है मदरसा, मिली भारी अनियमितता, देश के तीन बड़े मदरसों में शामिल

इंद्रभूषण दुबे, लखनऊ

अमृत विचार: राष्ट्रविरोध गतिविधियों संलिप्त आजमगढ़ मुबारकपुर स्थित मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशरफिया मिस्बाहुल उलूम की मान्यता रद्द कर दी गई है। यह आदेश उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद ने शुक्रवार को जारी किया। मदरसा बोर्ड ने मदरसा प्रबंधन द्वारा की गई गंभीर, सुनियोजित और निरंतर अनियमितताएं, वित्तीय गड़बड़ियां और राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियों को आधार बताते हुए कार्रवाई की है।

परिषद के अभिलेखों के अनुसार, आजमगढ़ मुबारकपुर स्थित मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशरफिया मिस्बाहुल उलूम को मान्यता करीब 78 वर्ष पूर्व 28 सितंबर, 1948 को उच्च आलिया स्तर की स्थायी मान्यता प्रदान की गई थी। लेकिन उपलब्ध दस्तावेजों, विभागीय जांच, पंजीकृत एफआईआर और एटीएस की जांच रिपोर्ट के सम्यक परीक्षण में यह तथ्य निर्विवाद रूप से सामने आया कि मदरसा प्रबंधन ने मान्यता की शर्तों और मदरसा सेवा विनियमावली का घोर उल्लंघन किया। आजमगढ़ मुबारकपुर स्थित मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशरफिया मिस्बाहुल उलूम का नाम देश के तीन बड़े मदरसों में शामिल है। टॉप श्री में मदरसा अशरफिया के अलावा नदवा और देवबंद का नाम शामिल है।

आजमगढ़ का मदरसा अशरफिया

एटीएस रिपोर्ट ने बढ़ाई चिंता

एटीएस की जांच रिपोर्ट में शमसुल हुदा की गतिविधियों को अत्यंत गंभीर और संदिग्ध बताया गया है। साथ ही मदरसा प्रबंधन की समस्त गतिविधियों को राज्य की आंतरिक सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और शासन की पारदर्शी अनुदान प्रणाली के प्रतिकूल माना गया है। इससे संस्था की विश्वसनीयता, उद्देश्य और वैधानिक चरित्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं।

विदेश में इमाम, यहां से लेता रहा वेतन और पेंशन : जांच में सामने आया कि ब्रिटेन नागरिकता हासिल करने के बाद मौलाना शमसुल हुदा खान को अवैतनिक अवकाश के नाम पर पांच वर्ष सात माह तीन दिन तक मदरसे से अनियमित रूप से अनुपस्थित रखा गया। इतना ही नहीं, 502 दिनों का चिकित्सीय अवकाश मनमाने ढंग से स्वीकृत किया गया। गंभीर आरोप यह भी है कि भारत की नागरिकता का परित्याग कर ब्रिटेन की एक मस्जिद में इमाम के रूप में नियुक्त होकर विदेश में निवास करने के बावजूद मदरसे से वेतन आहरित कराया गया। सेवाओं के संतोषजनक सत्यापन के बिना स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्वीकृत कर पेंशन, जीपीएफ और अन्य सेवानिवृत्त देयकों का अवैध व कपटपूर्ण भुगतान किया गया। परिषद का स्पष्ट कहना है कि यह केवल सेवा नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि राजकोष को वित्तीय क्षति पहुंचाने वाला संगठित आपराधिक कृत्य है।

प्रबंधन की भूमिका संदिग्ध, एफआईआर में बढ़ा नाम : इन अनियमितताओं में मदरसा प्रबंधक सरफराज अहमद, प्रधानाचार्य मोहम्मद अहमद मिस्बाही और निजामुद्दीन की भूमिका प्रथम दृष्टया आपराधिक पाई गई है। इसी के कारण थाना मुबारकपुर, आजमगढ़ में 9 जून 2025 को दर्ज की गई एफआईआर में इनके नाम बढ़ाए गए हैं। मामले की जांच पुलिस कर रही है।

मुख्यमंत्री की घोषणा : 6 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग अगले माह

कहा- यूपी में इंडस्ट्री फर्स्ट, इन्वेस्टर्स फर्स्ट का मंत्र, निवेशक किसी भी सेक्टर में दे सकते हैं योगदान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी ने राजनाथ समेत अन्य मंत्रियों के साथ अशोक लेलैंड के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण प्लांट का भ्रमण भी किया

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि "इंडस्ट्री फर्स्ट, इन्वेस्टर्स फर्स्ट" के दृष्टिकोण से निवेशकों का पसंदीदा स्थल यूपी बन चुका है। उन्होंने घोषणा की कि अगले महीने 6 लाख करोड़ रुपये के अन्य निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग की जाएगी। जबकि पांच लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव अभी पाइपलाइन में और हैं, जिनकी ग्राउंड ब्रेकिंग भी जल्द कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी ने शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारी उद्योग व इस्पात मंत्री एचडी कुमार स्वामी और अपने मंत्रियों के साथ अशोक लेलैंड के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण प्लांट का भ्रमण भी किया। कार्यक्रम में योगी ने पीएम मोदी के विजन-2047 का जिक्र करते हुए कहा कि हर देशवासी ने भारत को विकसित-आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है। पिछले 8-9 वर्ष में यूपी में 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए। इसमें से 15 लाख करोड़ के प्रस्ताव की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। अगले महीने छह लाख करोड़ के अन्य निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग की जाएगी। पांच लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव अभी पाइपलाइन में और हैं, जिनकी यूपी में ग्राउंड ब्रेकिंग कराई जाएगी।

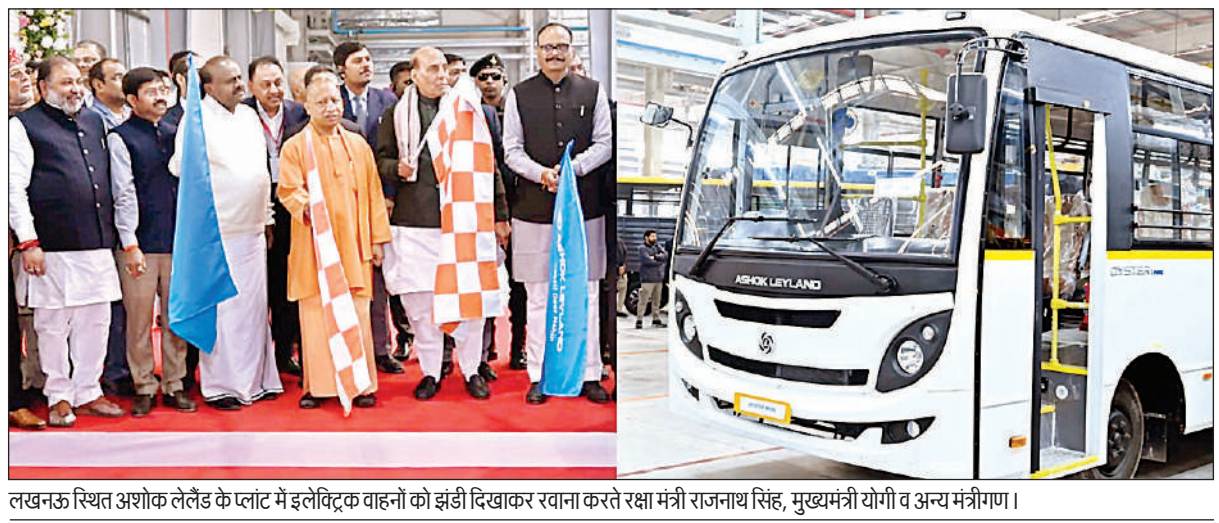

लखनऊ स्थित अशोक लेलैंड के प्लांट में इलेक्ट्रिक वाहनों को झंडी दिखाकर रवाना करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी व अन्य मंत्रीगण।

उत्पादन क्षमता बढ़ानी है 5000 यूनिट प्रतिवर्ष

योगी ने कहा कि अशोक लेलैंड की इस इकाई की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता अभी 2500 यूनिट प्रति वर्ष है। इसे चरणबद्ध ढंग से 5000 यूनिट प्रतिवर्ष तक बढ़ाना है। इसमें प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रदेश के हजारों युवाओं के लिए नौकरी व रोजगार की संभावनाएं भी विकसित हुई हैं।

देश की जीडीपी में 9.5 प्रतिशत का योगदान कर रहा यूपी

सीएम योगी ने कहा कि यूपी देश की जीडीपी में 9.5 प्रतिशत का योगदान कर रहा है। यूपी की जीएसडीपी इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 36 लाख करोड़ की हो जाएगी। प्रधानमंत्री ने 2027 में भारत की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के रूप में बदलने को कहा है तो हमने भी लक्ष्य तय किया है कि 2029-30 में यूपी वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनेगा।

इस अवसर पर अशोक लेलैंड के चेयरमैन धीरज हिंदुजा ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि एमडी-सीईओ शेनू अग्रवाल ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, विधायक राजेश्वर सिंह, स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज सिंह आदि मौजूद रहे।

गुंडों की जगह यूपी की पहचान बना उद्योग

अशोक लेलैंड कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण की नई यूनिट के उद्घाटन अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश कभी बीमारू राज्य और गुंडों-अपराधियों के नाम से पहचाना जाता था, आज वहां सीएम योगी की वजह से उद्योग की बड़ी-बड़ी इकाइयां स्थापित हो रही हैं। उन्होंने जिस तरह से प्रदेश की कानून-व्यवस्था और औद्योगिक निवेश के लिए सकारात्मक माहौल तैयार किया है, वह प्रशंसनीय है।

निवेश की कहानी एक परियोजना तक सीमित नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ग्राउंड ब्रेकिंग से लेकर उत्पादन तक ठोस प्रगति
- यूपी की निवेश यात्रा लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही

अमृत विचार: प्रदेश अब देश के प्रमुख निवेश और औद्योगिक विकास केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। बीते कुछ वर्षों में राज्य सरकार द्वारा किए गए व्यापक नीतिगत सुधार, सिंगल विंडो सिस्टम और तेज अनुमतियों का असर अब जमीन पर साफ दिखने लगा है। इसका ताजा और सशक्त उदाहरण अशोक लेलैंड का नया प्लांट है, जो यह साबित करता है कि प्रदेश में निवेश अब केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि तेजी से उत्पादन और रोजगार में बदल रहा है।

निवेश की कहानी सिर्फ एक परियोजना तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश की निवेश यात्रा लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। 2018 के उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट में राज्य को 4.28 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले। 2023 के यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में यह आंकड़ा बढ़कर करीब 35 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। अगले साल 45 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। ब्रेकिंग समारोहों के माध्यम से धरातल पर उतारने की ठोस शुरुआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने यह साबित किया है कि यहां निवेश के लिए केवल आकर्षक नीतियां ही नहीं, बल्कि मजबूत क्रियान्वयन व्यवस्था भी मौजूद है।

तेज अनुमतियां, उद्योग-अनुकूल माहौल, बेहतर बुनियादी ढांचा और प्रभावी प्रशासनिक सहयोग ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। अशोक लीलैंड के प्लांट में करीब 252 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। परियोजना की ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 20 फरवरी 2024 को हुई थी और दो वर्षों से भी कम समय में प्लांट का धरातल पर उतर आना प्रदेश की बदली हुई कार्यसंस्कृति और मजबूत क्रियान्वयन क्षमता को दर्शाता है।

16,000 से ज्यादा परियोजनाओं का ग्राउंड ब्रेकिंग

योगी सरकार में अबतक 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश वाली 16,000 से ज्यादा परियोजनाओं का ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुका है। इनमें से 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की 8,300 से ज्यादा परियोजनाएं वाणिज्यिक संचालन में आ चुकी हैं। वहीं 10 लाख करोड़ रुपये मूल्य की 8,100 से अधिक परियोजनाएं क्रियान्वयनाधीन हैं। प्रदेश की औद्योगिक प्रगति औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में भी परिलक्षित हो रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मार्च 2025 के दौरान विनिर्माण सूचकांक 167.97 और सामान्य सूचकांक 157.73 है।

पेंशनर्स को कैशलेस चिकित्सा सुविधा जल्द, दूर होंगी दिक्कतें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने आश्वासन दिया कि पं. दीन दयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के क्रियान्वयन में आ रही दिक्कतों के समाधान के लिए गठित समिति की संस्तुतियों को शीघ्र लागू किया जाएगा। साथ ही पेंशनर्स के आश्रितों की आय सीमा बढ़ाने, तकनीकी परीक्षण के लिए निर्धारित 50 हजार रुपये की सीमा में वृद्धि करने की भी सहमति दी गयी है।

अपर मुख्य सचिव, विधानभवन स्थित सभागार में शुक्रवार को संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति, उप्र. के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक में प्रदेश के पेंशनर्स एवं उनके आश्रितों से जुड़ी चिकित्सा सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई और कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनी। बैठक में पेंशनर्स को हर बार अपरिहार्यता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की बाध्यता पर पुनर्विचार तथा एनपीएस के अंतर्गत नियुक्त कार्मिकों को सेवानिवृत्ति के बाद भी चिकित्सा सुविधा देने पर सहमति व्यक्त की गई। इसके अलावा सेवानिवृत्त शिक्षकों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करने और विधवा पुत्रवधू को परिवार की श्रेणी में शामिल करने जैसे विषयों पर भी सकारात्मक निर्णय लिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि इन सभी मामलों में की गई कार्रवाई की समीक्षा 25 जनवरी 2025 से पहले की जाए, जिसमें संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

जीसीसी इकाइयों को भूमि पर मिलेगी फ्रंट-एंड सब्सिडी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक की मंजूरी के बाद ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) इकाइयों के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी की गई है। इसके तहत पात्र इकाइयों को भूमि क्रय पर फ्रंट-एंड लैंड सब्सिडी दी जाएगी, जिससे प्रदेश में आईटी और सेवा आधारित उद्योगों को नई गति मिलने की उम्मीद है। नई एसओपी के अनुसार, प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में निवेश को संतुलित करने के उद्देश्य से भूमि सब्सिडी की दरें निर्धारित की गई हैं। पूर्वांचल और बुंदेलखंडः अधिकतम 50 प्रतिशत भूमि सब्सिडी मिलेगी, जबकि पश्चिमांचल (गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद को छोड़कर) एवं मध्यांचल को 40 प्रतिशत और गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद को 30 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। सरकार का उद्देश्य यह है कि विकसित क्षेत्रों के साथ-साथ पूर्वांचल और बुंदेलखंड जैसे अपेक्षाकृत पिछड़े क्षेत्रों में भी निवेश और रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ें।

डिजिटल मंडियों से बढ़ा कारोबार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 162 मंडियों में ई-नैम से खरीद व बिक्री में हुआ फायदा
- किसान ऑनलाइन सीधे बेच रहे वाजिब दामों पर उपज

अमृत विचार : नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट (ई-नैम) से आपस में जुड़ी प्रदेश की 162 मंडियों में किसानों और व्यापारियों के लिए कारोबार आसान हो गया है। इस डिजिटल प्रणाली से दिन पर दिन किसान और व्यापारी जुड़ रहे हैं तो मंडी परिषद भी इनकी सुविधाओं को देखते हुए शेष मंडियों को ई-नैम से जोड़ने की तैयारी में है।

प्रदेश में कुल 251 मंडियां हैं। इनमें वर्ष 2016-17 में 66 मंडियां ई-नैम प्रणाली से जोड़ी गईं थी। इस प्रक्रिया में आपस में जुड़ी जिलों की मंडियों से किसान ऑनलाइन अपनी उपज प्रदर्शित करके वहां के व्यापारियों से सीधे संपर्क में आकर बिक्री करते हैं। व्यापारी स्वयं उपज भी मंगाते हैं। इसके अलावा मंडियों में बनी लैब में उपज का परीक्षण किया जाता है और उसी आधार पर ग्रेडिंग और दाम तय होते हैं। इससे किसानों को उनकी उपज के पूरे दाम मिलते हैं और भुगतान भी 24 घंटे के अंदर उनके खातों में आता है। इस प्रणाली से किसान और व्यापारियों को फायदा हुआ तो वर्ष 2017-18 में 34 मंडी, वर्ष 2020-21 में 25 मंडी, वर्ष 2024-25 में 37 मंडी ई-नैम से आपस में जोड़ी गई। इससे कारोबार की राह आसान होने पर मंडी परिषद ने शेष मंडियों को ई-नैम से जोड़ने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है।

40,935 कारोबारी व 33 लाख किसान जुड़े

करीब 10 वर्ष में ई-नैम से जुड़ी 162 मंडियों में 40,935 व्यापारी और 33,05,600 किसान डिजिटल कारोबार कर रहे हैं। कागजी प्रक्रिया के साथ समय की बचत हुई है और औने-पौने दामों में उपज की बिक्री रुकी है। वहीं, ऑनलाइन प्रणाली से मंडी समितियों के कार्यों में पारदर्शिता आई है और कार्य भी आसान हो गए हैं। इन वर्षों में कारोबार में भी तेजी से इजाफा हुआ है। अब तक 814.86 लाख मीट्रिक टन उपज किसानों ने बेची है।

पुनर्गठन | राज्य उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिवों में 30 फीसदी बदलाव की तैयारी

मंत्रिमंडल विस्तार के साथ भाजपा संगठन में होगा बदलाव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, ओबीसी-एससी-एसटी मोर्चा में शामिल हो सकते नए चेहरे

अमृत विचार: प्रदेश में खरमास बाद मंत्रिमंडल विस्तार के तुरंत बाद भारतीय जनता पार्टी संगठनात्मक ढांचे को पुनर्गठित करेगी। पार्टी के भीतर चल रही तैयारियों के अनुसार, राज्य इकाई में लगभग 30 फीसदी संगठनात्मक बदलाव किए जाने की योजना है। इसमें राज्य उपाध्यक्ष, महामंत्री सचिव स्तर के पद भी शामिल बताए जा रहे हैं। गंभीर, सधे हुए शब्दों पर विपक्ष पर धारदार हमला करने वाले प्रवक्ताओं समेत मीडिया टीम में भी युवा चेहरे शामिल हो सकते हैं।

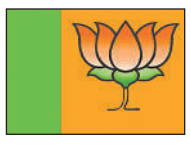

भाजपा में नए प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी संभालने के बाद पंकज चौधरी अपने गृह व कार्य क्षेत्र वाले जिलों महाराजगंज और गोरखपुर के बाद मऊ और वाराणसी में स्वागत समारोह के जरिए नई भरोसेमंद टीम में कौन-कौन शामिल होगा, इसका खाका खींचते दिखे। राजधानी लखनऊ में उनकी नाम मात्र पहले सक्रियता नहीं थी, ऐसे में संगठन क्षमताओं के साथ अपनी बातें आमजन तक पहुंचाने के लिए पंचायत चुनाव और अगले साल विधानसभा चुनावों में उनकी अग्निपरीक्षा होनी है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित सूची को अंतिम रूप देने से पहले केंद्रीय नेतृत्व की सहमति ली जाएगी। माना जा रहा है कि अगले कुछ हफ्तों में यह प्रक्रिया पूरी कर संगठनात्मक बदलावों की औपचारिक घोषणा कर दी जाएगी।

जातीय-सामाजिक संतुलन और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व पर जोर

सूत्रों के मुताबिक, संगठनात्मक फेरबदल में क्षेत्रीय संतुलन, सामाजिक प्रतिनिधित्व और प्रदर्शन को प्रमुख मानक बनाया गया है। कुछ पुराने पदाधिकारियों की भूमिका बदली जा सकती है, जबकि कई जिलों और मंडलों से उभरकर आए नेताओं को प्रदेश स्तर पर मौका मिल सकता है। सिर्फ मुख्य संगठन ही नहीं, बल्कि पार्टी के सभी प्रमुख मोर्चों में भी बदलाव की तैयारी है। युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, ओबीसी मोर्चा और एससी-एसटी मोर्चा के नेतृत्व में नए चेहरों को जिम्मेदारी देने पर गंभीर मंथन चल रहा है।

सरकार-संगठन समन्वय रहेगा केंद्रीय मुद्दा

संगठन में प्रस्तावित बदलावों के पीछे सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की रणनीति भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही सरकार की नीतियों और योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए संगठन को मजबूत करना प्राथमिकता मानी जा रही है। यही कारण है कि संगठन सचिवों की भूमिका पर विशेष फोकस है।

जीएसटी चोरी करने वाले गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विभिन्न राज्यों और उत्तर प्रदेश में जीएसटी चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा एसटीएफ ने शुक्रवार को किया। इस गिरोह ने कई राज्यों व उत्तर प्रदेश के ज्यादातर जिलों में बोगस फर्मों का पंजीकरण कर फर्जी इनवॉइस और ई-वे बिल के जरिए जीएसटी चोरी की।

एसटीएफ ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरोह ने फर्जी तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) बेचकर 100 करोड़ रुपये से अधिक की राजस्व क्षति पहुंचाई। एसटीएफ के डिप्टीएसपी प्रमेश कुमार शुक्ला के मुताबिक शुक्रवार को नोएडा कार्यालय में पूछताछ के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में नई दिल्ली के टैगोर गार्डेन के हरदीप सिंह उर्फ प्रिंस, कुतुब बिहार गोयला डेयरी भाई-भाई रोड ई-ब्लॉक निवासी जितेंद्र झा, पश्चिम बिहार प्राचीन अपार्टमेंट निवासी पुनीत अग्रवाल और विजय इन्क्लेव गली नंबर-7 नियर पालम सर डावरी रोड निवासी शिवम शामिल है।

एसटीएफ ने आरोपियों के पास से दो लैपटॉप, नौ मोबाइल फोन, तीन आधार कार्ड और 55,840 रुपये नकद बरामद किया है।

न्यूज ब्रीफ

20 हजार से अधिक फीस अब कैश नहीं

शिवली। रजिस्ट्री कराने पर अभी तक सरकारी रजिस्ट्रेशन रसीद का पैसा उपनिबंधक कार्यालय में ही जमा हो जाता था। अब 20 हजार रुपये से ज्यादा पैसे होने पर आनलाइन भुगतान जमा रखना पड़ेगा। मैथा तहसील के उपनिबंधक आनंद श्रीवास्तव ने शुक्रवार को बताया कि 12 जनवरी से अनिवार्य से रजिस्ट्री रजिस्ट्रेशन रसीद का पैसा 20 हजार से ज्यादा होने पर आनलाइन माध्यम से जमा करना होगा। 20 हजार से कम होने पर पूर्व की तरह उपनिबंधक कार्यालय में जमा किया जा सकेगा।

जलभराव पर डीएम को सौंपा ज्ञापन

कानपुर देहात। फतेहपुर रोशनाई एवं लोदीपुर में नेशनल हाईवे के नाले को क्षतिग्रस्त किए जाने से जलभराव के कारण खरीफ की लगभग 1000 बीघा फसल नष्ट हो गई, जबकि रबी की लगभग 300 बीघा बुआई नहीं हो सकी। इसको लेकर सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान के नेतृत्व में किसानों ने डीएम को ज्ञापन सौंपा और फसल क्षति का आकलन, क्षतिपूर्ति और जलभराव रोकने के लिए स्थायी व्यवस्था की मांग रखी। राघवेन्द्र सिंह सेंगर, अनिल कुमार, कृष्ण कुमार, नवनीत सिंह, कुलदीप प्रकाश, अमित गुप्ता, अवधेश कुमार पाण्डेय विशाल सिंह आदि रहे।

स्टेट रैंकिंग में कानपुर देहात पुलिस अव्वल

कानपुर देहात। आईजीआरएस की स्टेट रेटिंग और रैंकिंग में कानपुर देहात ने बड़ी छलांग लगाई है। जिले के सभी 17 थानों ने आईजीआरएस संबंधी शिकायतों का सौ फीसदी निस्तारण सुनिश्चित कराया है। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने अच्छा प्रदर्शन करने वाले थाना प्रभारियों की पीठ थपथपाई। उन्होंने थानाध्यक्षों से कहा कि इसी तरह आगे भी शासन के निर्देशों का पालन करते हुए शिकायत कर्ताओं की समस्याओं का समय रहते गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण कराना जारी रखें।

पूर्व में हुई बैठकों की कार्यवाही की समीक्षा

कानपुर देहात। नोडल अधिकारी जीएस प्रियदर्शी ने डीएम कपिल सिंह के साथ विकास कार्यों, निर्माणाधीन परियोजनाओं, कानून व्यवस्था को लेकर पूर्व में हुई बैठकों के अनुपालन की समीक्षा की। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि सभी थानों में एक ही मालखाना स्थापित किया जाए। थानों में खड़े जब्त वाहनों की नीलामी कराई जाए और एक सेंट्रल यार्ड विकसित किया जाए। ग्राम पंचायतों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। नोडल अधिकारी ने डीसी एनआरएलएम को अभियान चलाकर अधिक से अधिक परिवारों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने तथा उनकी आजीविका सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नए समूहों को बैंक से क्रेडिट लिंकेज उपलब्ध कराया जाए तथा कॉमन सर्विस सेंटर संचालन के लिए समूह की सखियों को लाइसेंस एवं अन्य औपचारिकताएं पूर्ण कराई जाएं।

जिले में संचालित ईंट भट्ठों की सूची तैयार

कानपुर देहात। खनन अधिकारी ने बताया कि भौतिक सत्यापन के बाद जिले में संचालित ईट भट्ठों की सूची तैयार की गई है। सूची के अनुसार विभाग द्वारा अपनी देयता ईट भट्ठा स्वामियों से जमा कराया जाएगा। जनपद मे 253 ईट भट्ठा स्थापित पाए गए हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि पूर्व मे खनिज विभाग व अन्य मे 228 ईट भट्ठा पंजीकृत थे अर्थात 25 ईट भट्ठा ऐसे पाए गए हैं कि जिनके द्वारा विगत वर्षो मे ईट भट्ठा के संचालन के सापेक्ष विनियमन शुल्क जमा नही किए गए है। भट्ठों को चिन्हित कर लिया गया है एवं यथाशीघ्र संचालन के वर्ष से वर्तमान समय तक विनियमन शुल्क की वसूली हेतु कार्रवाई प्रचलित की जायेगी जिससे राजस्व वृद्धि होना संभावित है।

शाखा प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण 12 को होगा

कानपुर देहात। सहकारी विकास बैंक लिमिटेड लखनऊ की 323 शाखाओं के प्रतिनिधि के निर्वाचन के लिए कार्यक्रम घोषित किया गया है। जिला सहकारी निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्टेट ने शाखा प्रतिनिधियों के निर्वाचन के लिए तय तिथियों में संपन्न कराने हेतु निर्वाचन अधिकारी नियुक्ति की गई है। निर्वाचन अधिकारी सहकारी ग्राम्य विकास बैंक लिमिटेड में निर्वाचन अधिकारी बैंक के शाखा प्रबंधक नियुक्त किए गए हैं। निर्वाचन संबन्धी प्रशिक्षण 12 जनवरी को विकास भवन कमरा नंबर 307 में प्रदान किया जाएगा।

सड़कों पर गोवंश

राजपुर और अमरौधा ब्लॉक क्षेत्र में आवारा गोवंश सड़क से लेकर खेतों तक उत्पात मचाए हैं। सड़कों पर झुंड में घूमते पशु जहां हादसों को दावत दे रहे हैं, वहीं खेतों में घुसकर फसलों को चौपट कर किसानों की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं। किसान खेतों में जाने से डर रहे हैं। लोग लाठी-डंडा लेकर समूह में निकलने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सांड का आतंक इतना बढ़ गया है कि खेती-किसानी करना मुश्किल हो गया है। शाहजहांपुर क्षेत्र में सड़कों पर छुट्टा पशु घूम रहे हैं। अचानक वाहनों के सामने आ जाने से लोग गिरकर घायल हो रहे हैं। यमुना नदी की बीहड़ पट्टी के बेहमई, अनवा, दमनपुर, बिजहरा, गौरीकरनपुर, इंदपुर्वा, जमालपुर, घटापारा समेत कई इलाकों में यही हाल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पशु विभाग, ब्लॉक स्तरीय अफसर और नगर पंचायत के अधिकारी इस समस्या को लेकर गंभीर नहीं हैं। आवारा गोवंश यमुना पट्टी के किसानों के लिए गंभीर चुनौती बने हैं। रात में पशुपालक अपने मवेशियों को छोड़ देते हैं, जो गेहूं, सरसों, चना, मटर सहित रबी की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। किसान पूरी रात खेतों की रखवाली कर रहे हैं, फिर भी झुंड में घुसकर पशु फसलें रौंद रहे हैं। किसानों का कहना है कि उन्होंने अपनी गाढ़ी कमाई फसलों में लगाई है, लेकिन आवारा गोवंश सब नष्ट कर रहे हैं। राजपुर बीडीओ हरगोविन्द गुप्ता कहते हैं, गोवंशों को पकड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। ● अमृत विचार

1454 आवेदन, सिर्फ 442 को मिला लोन

समीक्षा

● प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना में 7वीं रैंक

● सीडीओ ने बैंकर्स, स्टेक होल्डर एवं डीआरपी के साथ की बैठक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना को लेकर शुक्रवार को विकास भवन सभागार में बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल ने की। बैंकर्स, स्टेक होल्डर एवं डीआरपी उपस्थित रहे। योजना की विस्तृत समीक्षा हुई।

जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि जनपद की रैंक अभी सातवें नंबर पर है। अब तक 1454 आवेदन आए हैं। इसके सापेक्ष 442 बैंक लोन स्वीकृत किए जा चुके हैं। 406 आवेदन विभिन्न बैंकों द्वारा अस्वीकृत किए गए। इसमें स्टेट बैंक द्वारा 218 प्रस्ताव के सापेक्ष 117, बडौदा यूपी बैंक द्वारा 362 के सापेक्ष 105 तथा बैंक ऑफ बडौदा द्वारा 179 के सापेक्ष 82 प्रस्ताव अस्वीकृत किए गए। यह संतोष जनक नहीं है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अस्वीकृत आवेदनों से संबन्धित अभ्यर्थियों की कांउसिलिंग करते हुए एक सप्ताह के अंदर तिथि निर्धारित कर विभिन्न बैंकों की आमने-सामने वार्ता कर स्वीकृति या अस्वीकृति का निर्णय लिए जाने के निर्देश दिए जाएं।

विकास भवन सभागार में पीएफएमई योजना को लेकर बैठक हुई। अमृत विचार

इकाइयों की स्थापना के बारे में जिला उद्यान अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि 1030 लक्ष्य के सापेक्ष 442 आवेदन स्वीकृत करते हुए 374 इकाई स्थापित कराई गई हैं। 65 इकाइयों की स्थापना का कार्य प्रगति पर है। मुख्य विकास अधिकारी ने योजनाओं की डीआरपी वार समीक्षा की। अंकित यादव, नेहा देवी एवं राकेश कुमार गुप्ता द्वारा कोई कार्य न किए जाने के फलस्वरूप इनकी सेवा समाप्ति कराये जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में राकेश कुमार, अग्रणी जिला प्रबन्धक, उमेश गुप्ता, जिला कृषि अधिकारी, प्रदीप कुमार, जिला समन्वयक बडौदा यूपी बैंक, अनूप कुमार, भारतीय स्टेट बैंक प्रबंधक, अखिलेश कुमार अग्निहोत्री जिला ग्रामोद्योग अधिकारी आदि रहे।

दो अवर अभियंताओं और सहयोगी पर एफआईआर

इलेक्ट्रीशियन विजय पाल पर 15 क्विंटल तार चोरी का आरोप लगा उत्पीड़न कर रहे थे

अमृत विचार Follow UP

● रेलवे इलेक्ट्रीशियन की आत्महत्या के मामले में पत्नी ने लिखाई रिपोर्ट

● निलंबन की कार्रवाई होने के बाद से तनाव में रहता था विजय पाल

संवाददाता, रनियां

विजय पाल।

अमृत विचारः विभागीय कर्मियों की ओर से तार चोरी का आरोप लगाने और प्रताड़ना से तंग होकर रेलवे के सहायक इलेक्ट्रीशियन के गुरुवार को फांसी लगाकर जान देने के मामले में पत्नी की तहरीर पर आरोपी दो अभियंताओं और एक सहकर्मी के खिलाफ शुक्रवार को गजनेर थाने में हत्या के लिए उकसाने और एससी-एसटी का मुकदमा दर्ज किया गया है। रिपोर्ट दर्ज होने के साथ ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गजनेर थाना क्षेत्र के हृदयपुर पामा गांव का रहने वाला विजयपाल (45) उत्तर मध्य रेलवे झांसी मंडल के पुखरायां स्टेशन में सहायक इलेक्ट्रीशियन के पद पर कार्यरत था। कुछ दिनों से सस्पेंड रहने के कारण वह तनाम में रहता था। गुरुवार को वह घर से पुखरायां के लिए निकला था, तभी फांसी लगाकर जान दे दी थी।

शुक्रवार को विजय पाल की पत्नी रानी देवी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने विभागीय जूनियर इंजीनियर अवध किशोर, अखिलेश पांडेय और सहकर्मी रोहित के खिलाफ बीएनएस की धारा 108 और एससी-एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की है। तीनों पर प्रताड़ित करने का आरोप है।

तार चोरी के आरोप में कराया था निलंबित

■ कुछ दिन पहले वहीं तैनात जेई अवध किशोर, अखिलेश पांडेय और रोहित ने विजय पाल पर 15 क्विंटल कापर का तार चोरी करने का आरोप लगाया था। मरने से पहले विजय पाल ने 67 किलो तार उसके पास होने और बाकी तीनों लोगों द्वारा चोरी किए जाने की बात कही थी। वीडियो बयान में कहा कि तीनों ने चोरी स्वीकार न करने पर उसे सस्पेंड करा दिया और धमकी दे रहे थे कि तार की रकम उससे वसूली जाएगी और कुर्की तक होगी।

इंस्पेक्टर बोले, जांच के आधार पर होगी कार्रवाई

■ इस संबंध में गजनेर थाने के इंस्पेक्टर जनार्दन प्रताप सिंह का कहना है कि पत्नी रानी देवी की तहरीर के आधार पर एफआईआर मुकदमा दर्ज कर ली गई है। पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। विवेचना और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

दिव्यांग महिला ने की रोजगार की मांग

कानपुर देहात। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में डीएम कपिल सिंह ने जनसुनवाई की। एक दिव्यांग महिला ने बताया कि वह बेरोजगार है और उसके पति भी दिव्यांग है। उसने रोजगार की मांग की।

इस पर जिलाधिकारी ने तत्काल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला सेवायोजना अधिकारी से वार्ता कर महिला को रोजगार उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनशिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का त्वरित, प्रभावी एवं स्थायी समाधान किया जाए तथा शिकायतकर्ता को निस्तारण की जानकारी समय से उपलब्ध कराई जाए। जनसुनवाई में समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

जमीन के सौदे के नाम पर 22 लाख की ठगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः शुक्रवार को जिले की साइबर क्राइम पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने जमीन के सौदे के नाम पर साइबर क्रिमिनल द्वारा ठगे गए 22 लाख रूपए की रिकवरी कराई है। पीड़ित को नुकसान की रकम वापस करा दी गई है। ठगी की घटना करीब तीन माह पुरानी है।

रनियां थाना क्षेत्र के रनियां कस्बा निवासी दिनेश सिंह चौहान पुत्र जयचंद सिंह ने घटना के संबन्ध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया कि बीते साल तीन अक्टूबर को एक जमीन के सिलसिले में बात हुई थी। इसके बाद सौदा फाइनल हुआ। ठग ने बातों में फंसा कर दिनेश सिंह से 22 लाख रूपए अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। तय सुदा तारीख को जमीन के बैनामे की बात आई तो ठग ने आना कानी शुरू कर दी।

तफ्तीश करने के बाद दिनेश सिंह को ठगे जाने का एहसास हुआ। तब जन सेवा केंद्र के माध्यम से साइबर थाने का दरवाजा खटखटाया। थाना साइबर क्राइम पुलिस द्वारा मामले में त्वरित कार्रवाई की गई। ठगी करने वाले पता लगा उसके वॉलेट और बैंक अकाउंट को डेबिट फ्रीज कराया गया। इसके बाद धनराशि वापसी की प्रक्रिया प्रारंभ कराई। बताया गया कि छह जनवरी को दिनेश सिंह के बैंक खाते में 21,90,482 की धनराशि वापस कराई गई। साइबर क्राइम पुलिस ने लोगों को सावधान रहने को कहा। यदि खाते से धोखाधड़ी से पैसा निकल जाए तुरंत 1930 पर कॉल करें।

पुलिस ने वापस कराई रकम।

सत्संग से मानव को मिलता मोक्ष

संवाददाता, रसूलाबाद

कथा सुनाते उपेंद्र शुक्ल।

अमृत विचारः भक्ति का मार्ग अत्यंत कठिन है। हानि लाभ, जीवन मरण में भी जो ईश्वर का आश्रय नहीं छोड़ता है वही भक्त प्रहलाद जैसी स्थिति को प्राप्त होता है। उसी को ईश्वर के साक्षात दर्शन होते हैं। पृथ्वी पर मनुष्य को सत्संग से मोक्ष अर्थात जन्म मृत्यु के बंधन से मुक्ति मिल जाती है।

यह बात खेड़ा कुर्सी मां काली मंदिर परिसर में हो रही श्रीमद् भागवत कथा में कथावाचक उपेंद्र शुक्ला ने प्रहलाद की कथा के प्रसंग में कही। उन्होंने बताया कि हिरण्यकश्यप अपने भाई की मौत का बदला भगवान विष्णु से लेने के लिए ब्रह्मा जी की तपस्या करने के लिए एक वट के नीचे बैठ गया। जहां देव गुरु वृहस्पति तोता का रूप धारण कर वृक्ष पर बैठ गए। वह नारायण नाम की रट लगाने लगे। आजिज हिरण्यकश्यप तपस्या छोड़ कर घर आ गया। पत्नी ने पूछा कि आप तपस्या छोड़कर क्यों चले आए तो तोता की बात बताई। पत्नी ने भी भगवान के नाम का जप किया और गर्भ ठहर गया और भक्त प्रहलाद के रूप में बालक का जन्म हुआ। दैत्य कुल में जन्म लेने के बावजूद भी प्रहलाद बचपन से ही भक्ति में लीन हो गए।

प्रहलाद को भक्त बनता देख पिता हिरण कश्यप ने अपने पुत्र को गुरु शुक्राचार्य आश्रम में शिक्षा के लिए भेजा किंतु परम भक्त प्रहलाद वहां पर भी भगवान का गुणगान करते रहे। जब घर वापस आए तो पिता ने पूछा कि आश्रम में क्या शिक्षा ग्रहण की। इस पर प्रहलाद भगवान का गुणगान करने लगे। इससे हिरण्यकशिपु क्रोधित होकर कहने लगा कि तुम मेरे शत्रु का गुणगान कर रहे हो लेकिन प्रह्लाद ने भगवान की आराधना नहीं छोड़ी और भगवान प्रहलाद को बचाते रहे। एक दिन हिरण्यकश्यप ने पूछा कि भगवान कहां है, प्रह्लाद ने बताया कि भगवान तो कण-कण में व्याप्त हैं। इस खंभे में भी है। इतना सुनते ही हिरण्यकश्यप ने खंभे पर घूंसे का प्रहार कर दिया तब भगवान उस खंभे से नरसिंह का अवतार लेकर खंभे से प्रकट हो गए और हिरण्यकशिपु का वध किया। परीक्षित सूरज प्रसाद पुजारी जसवंत सिंह आयोजक संतोष राजपूत, विशाल राजपूत ,राजू सिंह ,गुड्डन बाबा ,अहिबरन सिंह ,फूल सिंह, गुड्डी देवी , नन्ही देवी,सावित्री देवी ,बबली देवी, रोहित वर्मा, निहाल वर्मा, बहादुर वर्मा ,हरनाम सिंह, सुनील प्रधान, छोटू वर्मा राजा सिंह, अभिषेक सिंह, रामू गुप्ता ,प्रांशु वर्मा, सुधीर तिवारी, मनोज पाठक आदि मौजूद रहे।

रोजगार मेले में 70 युवाओं को ऑफर

कानपुर देहात। मिशन रोजगार अभियान के अंतर्गत जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा विकास खंड अकबरपुर के परिसर में रोजगार मेला एवं कॅरियर काउन्सिलिंग कार्यकम का आयोजन किया गया।

काउंसिलिंग में जिला सेवायोजन अधिकारी शशि तिवारी की ओर से निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी गई। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की 6 कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मेले में लगभग 105 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें 70 अभ्यर्थियो का प्राइवेट कम्पनियों द्वारा प्रारंभिक चयन किया गया। रोजगार मेले को सफल बनाने हेतु खंड विकास अधिकारी अकबरपुर, प्रदीप कुमार, एडीओ कृषि अकबरपुर, प्रवीन सिंह एवं जिला सेवायोजन अधिकारी, शशि तिवारी, सेवायोजन कार्यालय के तेज प्रताप सत्यर्थी, अनुज यादव, पुनीत आदि मौजूद रहे।

पंचायतों को आय बढ़ाने के टिप्स

संवाददाता, रसूलाबाद

आत्म निर्भर बनाने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। अमृत विचार

अमृत विचार: ब्लॉक सभागार में ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय ओएसआर कार्यशाला में राजस्व वसूली, वित्तीय प्रबंधन, संसाधन विकास और स्वयं के स्रोतों से आय बढ़ाने के तरीकों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

मास्टर ट्रेनर विकास यादव और विनय कुमार ने पंचायत सहायकों, प्रतिनिधियों, सचिवों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की विस्तृत जानकारी दी। स्थानीय संसाधनों का प्रभावी उपयोग कर पंचायतों की आय बढ़ाने और सरकारी अनुदान पर निर्भरता कम करने के उपाय बताए गए। मास्टर ट्रेनर विकास यादव ने ओएसआर से संबंधित नियमों और दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। विनय कुमार ने डिजिटल पोर्टल के माध्यम से राजस्व संग्रह और पारदर्शी वित्तीय प्रबंधन के महत्व पर विशेष बल दिया। यह कार्यशाला सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) के सहयोग से संपन्न हुई। बीडीओ विपुल विक्रम सिंह ने बताया कि ओएसआर प्रशिक्षण पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इससे ग्राम पंचायतें अपने विकास कार्यों के लिए स्वयं संसाधन जुटाने में सक्षम होंगी। सहायक विकास अधिकारी जे. पी. शुक्ला ने ओएसआर की अवधारणा और इसके व्यावहारिक क्रियान्वयन पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में ग्राम प्रधान और प्रतिनिधि मानवेंद्र सिंह, पिंकी शर्मा, कमल नारायण मिश्रा, मानवेंद्र सिंह पाल, जयवीर सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त, पंचायत सचिव उत्कर्ष सिंह, अभय यादव, सौरभ तिवारी, अभिषेक, दिग्विजय सिंह, सत्येंद्र शर्मा, राहुल भारती समेत सभी पंचायत सचिव और पंचायत सहायक भी मौजूद थे।

निरीक्षण | जैनपुर मार्ग के चौड़ीकरण के साथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित हो रहे डॉयट का देखा हाल

नोडल अधिकारी ने विकास कार्यों की गुणवत्ता जांची

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

नोडल अधिकारी जीएस प्रियदर्शी ने निर्माण सामग्री की जांच कराई। अमृत विचार

अमृत विचारः ग्राम्य विकास विभाग के आयुक्त और जिले के नोडल अधिकारी जीएस प्रियदर्शी ने शुक्रवार को जैनपुर ग्रोथ सेंटर में जैनपुर मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने मानक और गुणवत्ता का पालन करते हुए लंबित कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किए जाने बनाए जा रहे भवनों का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी द्वारा सड़क की चौड़ाई, गहराई, लंबाई, बेस एवं सतह की गुणवत्ता सहित निर्माण कार्य के प्रत्येक तकनीकी पहलू का परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी ने संबंधित विभागों एवं कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप तथा तय समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता पाई जाती है अथवा किसी विभाग की उदासीनता के कारण परियोजना में अनावश्यक विलंब होता है, तो संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। नोडल अधिकारी द्वारा विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि लाइन शिफ्टिंग एवं अन्य आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि सड़क निर्माण कार्य निर्बाध रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं में विलंब होने से आम जनता को मिलने वाली सुविधाओं में देरी होती है, जो शासन की मंशा के विपरीत है। अतः सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

ग्राम्य विकास आयुक्त जीएस प्रियदर्शी ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किए जाने हेतु निर्माणाधीन भवनों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि भवन निर्माण कार्य मानक गुणवत्ता के अनुरूप एवं निर्धारित समय अवधि में पूर्ण किया जाए। उन्होंने निर्माण में प्रयुक्त सरिया की गुणवत्ता की जांच कराए जाने के निर्देश भी दिए, ताकि भवन की मजबूती एवं दीर्घकालिक उपयोगिता सुनिश्चित की जा सके।

नोडल अधिकारी ने कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किए जा रहे संस्थान को सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए। साथ ही निर्माणाधीन हॉस्टल में विद्यार्थियों की सुविधा के अनुरूप आवास, स्वच्छता, विद्युत, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को विकसित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने परिसर में स्थापित आईसीटी कंप्यूटर लैब का भी निरीक्षण किया तथा आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए।

हादसे में घायल की 27 दिन बाद थम गई सांस

संवाददाता, रसूलाबाद

● 12 दिसंबर की रात यादव नगर के पास वाहन ने मारी थी टक्कर

अमृत विचारः 12 दिसंबर की रात रसूलाबाद में एक विवाह समारोह से अपने गांव पाल नगर बाइक से लौट रहे तीन लोगों को लहरापुर रोड पर यादव नगर के पास सामने से वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिसमें तीनों घायल हो गए थे। दो को हैलट कानपुर रेफर किया गया था। एक व्यक्ति की 8 जनवरी को मौत हो गई। रसूलाबाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

12 दिसंबर को पाल नगर निवासी वीरू (30) अपने पिता रमेश चंद्र व गांव के मुकेश (40) के साथ रसूलाबाद एक विवाह समारोह में आए थे। यहां से वापस अपने गांव पालनगर जाते समय रसूलाबाद लहरापुर रोड पर यादव नगर के समीप किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी थी, इससे तीनों लोग गिरकर घायल हो गए थे।

ग्रामीणों की सूचना पर एंबुलेंस से उन्हें सीएचसी रसूलाबाद लाई थी, जहां डॉक्टर बृजेश कुमार ने तीनों का प्राथमिक उपचार कर वीरू और मुकेश की गंभीर दशा के चलते उन्हें हैलट कानपुर रेफर किया था। डॉक्टर बृजेश कुमार ने बताया कि वीरू का पेट फट गया था। उसकी आंतें बाहर निकल आई थीं। उप निरीक्षक उदयभान सिंह ने बताया कि वीरू की उपचार के दौरान 8 जनवरी रात मौत हो गई। परिजनों के प्रार्थना पत्र पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 10 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

दो बाइकों की भिड़ंत में चार लोग घायल

राठ (हमीरपुर)। बरुआ गांव निवासी कालका प्रसाद और शिवसहाय बाइक पर राठ से वापस अपने गांव बरुआ जा रहे थे। जराखर मार्ग पर तेज रफ्तार दूसरी बाइक से भिड़ंत हो गई, जिससे शिवसहाय और कालका प्रसाद सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दूसरी बाइक पर सवार दो युवक भी मामूली रूप से गिरकर घायल हो गए हैं।

रास्ते में मवेशी बांधने के विरोध पर पीटा

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के दीवानपुरा निवासी यादराम सोनी ने बताया कि गली में उसका पड़ोसी अपने जानवर बांधता है। जानवरों को बांधने से निकलने में परेशानी होती है। जानवरों का गोबर और कीचड़ सड़क पर फैला रहता है। जब उसने जानवर बांधने का विरोध किया तो पड़ोसी ने गालीगलौज कर उसका कलर पकड़कर पीटा। कोतवाल राजेश कुमार ने बताया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

वारंटी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया

कुरारा (हमीरपुर)। थानाक्षेत्र के ककरऊ गांव से वारंट के तहत पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। क्षेत्र के ककरऊ गांव निवासी गुलबदन यादव पुत्र सुरेंद्र यादव के विरुद्ध थाना कुरारा में पूर्व से एक मुकदमा पंजीकृत था। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय द्वारा उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था। वारंट जारी होने के बाद आरोपी लंबे समय से न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा था, जिसके चलते पुलिस को उसकी गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए थे। बेरी चौकी प्रभारी रिंकू तिवारी एवं कांस्टेबल गुलशन शर्मा ने ककरऊ गांव में दबिश दी। पुलिस टीम ने आरोपी गुलबदन यादव को गांव से गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के निधन पर शोकसभा

मौदहा (हमीरपुर)। ऑल इंडिया शेख मसऊदी एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निधन को लेकर संगठन के सदस्यों और पदाधिकारियों ने दुख जताते हुए एक शोक सभा का आयोजन किया। कस्बे के मोहल्ला हैदरिया में नूरुद्दीन के मकान पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमें ऑल इंडिया शेख मसऊदी एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मध्य प्रदेश के नीमच निवासी हाजी मुबारक हुसैन के निधन पर नईम अहमद मसऊदी की अध्यक्षता में एक शोक सभा आयोजित कर मृत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया और आत्मा की शांति के लिए दुआएं कीं।

लकड़ी खरीद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट

दिबियापुर (औरैया)। गुरुवार देर शाम रामकृष्ण नगर मोहाल में रेलवे क्रासिंग के पास दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गयी। थाना पुलिस ने दोनों पक्षों के तीन लोगों को पकड़कर शांतिभंग में कार्रवाई की है। घटनाक्रम के अनुसार आजाद नगर निवासी असित पाण्डेय पुत्र राघवेन्द्र कुमार अपने भाई मोहित के साथ लकड़ी लेने राजीव गुप्ता पुत्र मूलचन्द्र की दुकान पर गये थे। बताया जाता है कि लकड़ी खरीदने के दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया जिस पर राजीव गुप्ता एवं उनके भाई अंकित गुप्ता और असित पाण्डेय एवं उनके भाई मोहित के बीच हुये झगड़े में दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हो गयी।

सुबह रहा घना कोहरा, दोपहर को हल्की धूप से मिली राहत

कोहरे के चलते लाइट जलाकर रेंगते रहे वाहन, अलाव जलाकर लोगों ने ली राहत

संवाददाता, घाटमपुर

सुबह दस बजे लाइट जलाकर चलते वाहन। अमृत विचार

अमृत विचार। क्षेत्र में कड़ाके की सर्दी और घने कोहरे का प्रकोप लगातार बना हुआ है। शुक्रवार सुबह घना कोहरा छाए रहने से दृश्यता कम रही, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सड़कों पर हालात ऐसे रहे कि दोपहिया, चारपहिया और भारी वाहन हेडलाइट व फॉग लाइट जलाकर बेहद धीमी गति से चलते नजर आए। कई प्रमुख मार्गों पर वाहन रेंगते रहे, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि दोपहर को हल्की धूप निकलने से लोगों ने राहत की सांस ली।

सुबह के समय स्कूल जाने वाले बच्चों, दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों और ग्रामीण इलाकों से बाजार पहुंचने वाले लोगों को सबसे अधिक दिक्कत हुई। कोहरे के कारण वाहन चालकों को दूरी का सही अनुमान नहीं लग सका, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रही। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से सतर्कता बरतने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की।

बीते करीब एक महीने से सर्दी का सितम जारी है। ठंड से बचाव के लिए चौराहों, बस स्टैंडों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर जगह-जगह अलाव जलते नजर आए। लोग अलाव के पास खड़े होकर हाथ सेकते दिखे। सुबह और शाम ठिठुरन बढ़ने से बुजुर्गों, बच्चों और बीमारों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत पड़ रही है।

शाम को बढ़ी ठिठुरन, अलाव बना सहारा

शुक्रवार शाम साढ़े चार बजे के बाद जैसे ही धूप का असर मंद हुआ वैसे ही सर्दी का प्रकोप बढ़ गया। शाम को सर्द हवाओं से ठिठुरन इतनी बढ़ गई कि हाथ, पैरों की उंगलियां ठिठुरती रहीं। शाम से ही लोगों ने ठिठुरन भरी सर्दी से राहत पाने के लिए अलाव का सहारा लिया। कुछ लोग घरों में हीटर में हाथ-पैर सेकते नजर आए। वहीं बुजुर्ग शाम से ही बिस्तरों में दुबक गए।

दोपहर बाद हल्की धूप निकलने से लोगों को कुछ समय के लिए राहत मिली, लेकिन ठंडी हवाओं के चलते ठंड का असर बना रहा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में कोहरा और सर्दी से अभी पूरी राहत मिलने की संभावना कम है।

करणी सेना युवा विंग के राष्ट्रीय महामंत्री का स्वागत करते हुए।

शिवांश चंदेल करणी सेना युवा विंग के राष्ट्रीय महामंत्री बने

बिल्हौर। देश के प्रमुख सामाजिक संगठनों में शुमार 'करणी सेना' ने अपनी युवा शाखा को और अधिक गतिशील और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बड़ा बदलाव किया है। संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने कानपुर के जुझारू युवा नेता शिवांश चंदेल को राष्ट्रीय महामंत्री युवा शक्ति के पद पर नियुक्त किया है। यह निर्णय हाल ही में हरियाणा के गुरुग्राम में आयोजित करणी सेना की राष्ट्रीय कोर कमेटी की बैठक में लिया गया। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा शक्ति) नीलमाधव देव सिंह ने आधिकारिक नियुक्ति पत्र जारी करते हुए कहा शिवांश चंदेल ने बीते समय में राष्ट्र हित और सामाजिक सरोकारों के लिए सराहनीय कार्य किए हैं। शिवांश को उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में संगठन के विस्तार का जिम्मा दिया गया है।

गड़ाथा गांव में चल रहा है बालू का अवैध खनन

घाटमपुर। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत रेउना थाना के अंतर्गत गड़ाथा गांव से यमुना नदी की तलहटी की जमीनों से भारी मात्रा बालू का अवैध खनन हो रहा है। वहीं रेउना थाना क्षेत्र के अंतर्गत ईंट भट्ठों में कानपुर देहात से भी बालू खनन कर खनन माफिया स्थानीय पुलिस की मिली भगत से बालू सप्लाई कर रहे हैं। सरकार को लाखों रुपये के राजस्व का चूना लगाया जा रहा है। घाटमपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत गड़ाथा गांव में यमुना पट्टी तिलहर जमीन पर भारी मात्रा में बालू खनन किया जा रहा है। क्षेत्र में बालू खनन माफिया सक्रिय होकर कार्य कर रहे हैं। बताते चलें कि रेउना थाना क्षेत्र में शाम होते ही बालू खनन माफिया सक्रिय हो जाते हैं जो सारी रात बालू खनन करते हैं। ईंट भट्ठों में बालू सप्लाई करते हैं। घाटमपुर क्षेत्र के ईंट भट्ठों में डंप बालू इसका प्रमाण है। ईंट भट्ठों में इतनी भारी मात्रा में डंप है। जिम्मेदारों की अनदेखी से सुबह शाम होते ही डंपर व ट्रैक्टर एवं जेसीबी लगाकर तैयार हो जाते हैं। सारी रात बालू का अवैध खनन चलता है।

कानपुर ने घाटमपुर को हराया

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर मे चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में कानपुर ने घाटमपुर को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टॉस जीत कर कानपुर ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 211 रन बनाए। कानपुर की तरफ़ से बल्ले बाज़ी करते हुए मृदुल ने 71, वंशुल ने 41 और आदित्या ने 25 रन बनाए। अन्य खिलाड़ी कम रनो पर सिमट गए। घाटमपुर की तरफ से गेंद बाजी करते हुए विशेष अभिनव और कबीर ने 1-1 विकेट

विजेता टीम के साथ अतिथि।

लिया। घाटमपुर टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 157 रन बनाए। घाटमपुर की तरफ से बल्लेबाज़ी करते हुए सिद्धार्थ ने 50, विषेक ने 34 रन, अभिनव ने 27 और सक्षम ने 13 रन बनाए।

स्कूल को निकली किशोरी लापता

संवाददाता, घाटमपुर

- परिजनों ने अनहोनी की आशंका जता पुलिस से लगाई गुहार

अमृत विचार। साढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव से दो दिन पूर्व साइकिल से स्कूल जाने को कहकर निकली किशोरी रहस्यमय तरीके से लापता हो गई। तीसरे दिन भी घर न पहुंचने से चिंतित परिजनों ने साढ़ थाना पुलिस से मामले की शिकायत की। जांच के दौरान किशोरी का बैग नजदीकी गांव की सहेली के घर मिलने से मामला संदिग्ध देख पुलिस ने उच्चाधिकारियों को मामले की जानकारी दी और पड़ताल तेज कर दी। साढ़ थाना क्षेत्र की किशोरी भीतरगांव स्थित सरकारी स्कूल में कक्षा 11 की छात्रा है। सात जनवरी को सुबह स्कूल जाने को निकली थी, देर शाम तक वापस न लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। पड़ोसी गांव कोरथा की साथ पढ़ने वाली सहेली ने बताया कि वह दोनों निबिया निवासी एक सहेली के घर रात में रुकी थीं। अगले दिन वह दोनों साथ कोरथा पहुंचीं जिसके बाद दूसरी किशोरी घर जाने की बात कह वहां से निकल गई लेकिन तब से वह घर नहीं पहुंची।तीसरे दिन भी किशोरी का पता न चलने पर परिजनों ने किसी अनहोनी की आशंका जताई। उन्होने उच्चाधिकारियों को मामले की जानकारी दी। देर शाम पहुंचे एसीपी घाटमपुर ने पीड़ित के परिजनों से मामले की जानकारी ली और कुछ लोगों से पूछताछ की। साढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही किशोरी को बरामद किया जाएगा।

युवक का शव फांसी के फंदे से लटकता मिला

शिवराजपुर। कस्बे में लगभग एक वर्ष से महिला मित्र के साथ रह रहे युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे के अंदर कुंडे में रस्सी के सहारे लटकता मिला। क्षेत्र के अजीत राय नेवादा गांव निवासी राघवेंद्र शुक्ला (26 वर्ष) पुत्र स्व देवेंद्र कुमार शुक्ला खेती-बाड़ी का काम करता था । कानपुर देहात जनपद के राजपुर गांव निवासी एक युवती से उसकी दोस्ती थी। लगभग २ वर्ष पूर्व दोनों ने घर वालों की इच्छा के खिलाफ घर से भाग कर साथ रहने का निर्णय लिया। पड़ोसियों के मुताबिक शुक्रवार दोपहर किसी काम से युवती घर के बाहर गई थी थोड़ी देर बाद जब वह घर लौटी तो देखा कि राघवेंद्र का शव कमरे के कुन्डे में रस्सी के सहारे लटक रहा है। थानाध्यक्ष वरुण शर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

राघवेंद्र शुक्ला।

गलत दिशा में चलने वाले व हाईवे किनारे खड़े वाहनों के काटे चालान

संवाददाता, बिठूर

अमृत विचार। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस द्वारा सख्त अभियान चलाया गया। इस दौरान गलत दिशा (रॉन्ग साइड) में चल रहे वाहनों और हाईवे के किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों पर कार्रवाई की गई।

अभियान के तहत एआरटीओ कहकशा खातून ,बिठूर इंस्पेक्टर प्रेम नारायण विश्वकर्मा,चौकी इंचार्ज सौरभ प्रताप सिंह की टीम ने चेकिंग के दौरान कई दोपहिया, चारपहिया और वाणिज्यिक वाहनों को रोका। गलत दिशा में वाहन चलाने से सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए ऐसे चालकों के चालान काटे गए। वहीं, हाईवे के किनारे खड़े वाहनों को यातायात में बाधा और हादसों का कारण मानते हुए उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की गई।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की लापरवाही से गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं। चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई है। साथ ही चेतावनी दी गई कि भविष्य में नियम तोड़ने वालों के खिलाफ और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गलत दिशा में चलने वालों पर कार्रवाई करते अधिकारी। अमृत विचार

निजी वाहनों से उतरवाए हूटर

- परिवहन एवं पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष प्रवर्तन एवं जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान व्यवसायिक वाहनों में लगे प्रतिबंधित प्रेशर हॉर्न तथा निजी वाहनों में अवैध रूप से लगी काली फिल्म एवं हूटर मौके पर ही उतरवाए। साथ ही यातायात सुरक्षा के दृष्टिगत वाहनों को रोककर चालकों को मोटर वाहन अधिनियम एवं सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने को प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त कानपुर–अलीगढ़ एनएच टोल प्लाजा पर वाहन चालकों हेतु नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य जांच शिविर लगा।

टीकवापुर कांड के एक और आरोपी को किया गिरफ्तार

घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र के टीकवापुर गांव में प्रेमी द्वारा महिला की हत्या कर शव को दफनाने के मामले में एक और आरोपी का नाम सामने आया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा। अब तक मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। और दोनो को जेल भेजा जा चुका है। बीते दिन मृतक महिला का कंकाल बरामद होने के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी को जेल भेजा था।शुक्रवार को पुलिस ने एक और आरोपी मुन्नू पुत्र रामदास को थाना क्षेत्र के हमीरपुर रोड रेलवे स्टेशन के बाहर से गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेजा गया।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरा हाई स्कूल परीक्षा वर्ष 2023 अनुक्रमांक 1231423684 व इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2025 अनुक्रमांक 2256184194 के प्रमाण पत्र सह अंक पत्र वास्तव में कहीं खो गए हैं **अनूप कुमार पुत्र राजकुमार ग्राम पिपरी पोस्ट रठगांव बिधूना औरैया**

सूचना

मेरा हाईस्कूल बारिश 2012 अनुक्रमांक 17098 58 की अंक तालिका व प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है। **– महजबीन बानो पुत्री रिफाकत हुसैन निवासी ग्राम अजीजलपुर, पोस्ट–ताजपुर, जनपद फर्रूखाबाद**

सूचना

सूचित हो कि मेरा नाम **मोमिना पत्नी रमजान अली ग्राम निपानिया दा0 थवई पयागपुर जिला बहराइच** है त्रुटिवश मेरे आधार में मेरा नाम ननकना पत्नी रमजान अली लिख गया है जो गलत है मुझे मोमिना पत्नी रमजान अली के नाम से जाना एवं पहचान जावें ।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा बीटीसी चतुर्थ सेमेस्टर की मार्कशीट वर्ष. 2019 अनुक्रमांक (182560103) 12 दिसंबर 2025 को कहीं गुम हो गया है। शपथी **प्रमोद कुमार यादव पुत्र जगनारायन यादव ग्राम पोस्ट – धोबहा थाना – इटवा जिला – सिद्धार्थनगर**

सूचना

सूचित हो कि मेरा नाम **फातिमा पत्नी वाहिद अली ग्राम जोगा पुरवा निपानिया दा0 थवई पयागपुर जिला बहराइच** है त्रुटिवश मेरे आधार में मेरा नाम अमीना पत्नी वाहिद अली लिख गया है जो गलत है मुझे फातिमा पत्नी वाहिद अली के नाम से जाना एवं पहचान जावें ।

सूचना

सूचित हो कि मेरा नाम **फातिमा बानो पत्नी रमजान ग्राम डेरवा हरवंशपुर पयागपुर जिला बहराइच** है त्रुटिवश मेरे आधार में मेरा नाम खतूना पत्नी रमजान लिख गया है जो गलत है मुझे फातिमा बानो पत्नी रमजान के नाम से जाना एवं पहचान जावें ।

Notice

In the academic records of my daughter Anukriti Pandey, her mother's name is mentioned as Poonam Pandey whereas the mother's name is Punam. Punam w/o Yashwant Pandey, Village & Post Liloi kala, Tehsil - Tarabganj, Gonda (UP)

सूचना

पहले मेरा नाम MAUZADUL HAQUE था अब मैने बदलकर अपना नाम MAUJUDULAHAK रख लिया है भविष्य में मुझे MAUJUDULAHAK के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O-MASUDUL HAQUE R-O- HOUSE NO-287, PANDARI, THANA KURSI, BARABANKI

सूचना

मैं प्रदीप कुमार उर्फ प्रदीप जुग्गीलाल पटेल निवासी – मकान संख्या 545 KASU 244 शुक्ला बिहार कालोनी, पैरा राजाजीपुरम बरादरी आवास विकास कालोनी लखनऊ (उत्तर प्रदेश), मेरे गृह स्थानांतरण (घर बदलने) के दौरान मेरे कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज गुम हो गए जिनमें मुख्य रूप से रजिस्ट्री दस्तावेज एवं पावर ऑफ अटॉर्नी शामिल हैं। उपरोक्त रजिस्ट्री एवं पावर ऑफ अटॉर्नी से संबंधित विवरण भूखण्ड नंबर। खसरा संख्या 912 पृष्ठ भूमि संख्या 199/6436 तारीख 8 अक्टूबर 2003 ग्राम पारा वार्ड आलमनगर तहसील व जिला लखनऊ पावर ऑफ अटॉर्नी संख्या 155/168/416 दिनांक 07/12/2011 मेरे अभिलेखों के अनुसार हैं जो गुम हो चुके हैं।

सूचना

मै ASHVARY PARTAP SINGH पुत्र श्री RAJESH PARTAP SINGH निवासी– ग्राम–कोल्हुईपुर, पो0–मंझीगवॉ, थाना–दिलीपुर, प्रतापगढ़ उ0प्र0 सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर ASHVARY PRATAP SINGH S/O-RAJESH PRATAP SINGH रख लिया है, अतः आज से मुझे ASHVARY PRATAP SINGH S/O RAJESH PRATAP SINGH के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम **मोईनुदीन पुत्र रियाजुल आरफीन उर्फ हासिम निवासी रायपुर,अछई जनपद रायबरेली, यूपी** 229802 है। यही नाम मेरे आधार कार्ड और अन्य अभिलेखों में दर्ज है, जो सही और सत्य है। किन्तु मेरे ड्राइविंग लाइसेंस UP33 20130009089 में मेरे पिता का नाम रियाजुल आरफीन के स्थान पर रियाजुल अहमद हो गया है, जो गलत और त्रुटिपूर्ण है। जिसके स्थान पर पिता का नाम रियाजुल आरफीन होना चाहिए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **नफीस अहमद पुत्र रहमतुल्ला निवासी– सदर बाजार कसगरान कस्बा व तहसील करनैलगंज जनपद गोंडा** का निवासी हूँ। मेरे समस्त अभिलेख में जन्मतिथि 08/10/1975 दर्ज है, जोकि सही एवं सत्य है। भविष्य में मेरे अन्य अभिलेख का सत्यापन इसी जन्मतिथि के आधार पर माना जाए।

सूचना

सूचित किया जाता है कि **अभिराज यादव पुत्र मनोज कुमार यादव निवासी ग्राम गंगापुर कोतवाली मुर्तिहा तहसील मिहीपुरवा** ने हाईस्कूल परीक्षा 2025 संत पीटर इंटर कालेज से कैडीडेट आईडी–8439503 विद्यालय UP–226/1256849 से उत्तीर्ण की है। अभिराज यादव का हाईस्कूल मूल अंकपत्र 31.12.2025 को स्थानीय बाजार में गिरकर गुम हो गया है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहम्मद खालिक पुत्र रमजान निवासी ग्राम व पोस्ट खेमापुर अम्बेडकरनगर का मूल निवासी हू। प्रार्थी के आधार कार्ड पर खालिक लिखा है जबकि अन्य अभिलेखों में मो. खालिक लिखा है। दोनो नाम एक ही व्यक्ति के है। प्रार्थी दोनो नामो से जाना पहचाना जाता है। **प्रार्थी मोहम्मद खालिक पुत्र रमजान निवासी ग्राम व पोस्ट खेमापुर अम्बेडकरनगर**

कार्यालय नगर पंचायत मऊ, जनपद–चित्रकूट

पत्र संख्या– 737/ न0पं0 मऊ/ ई–निविदा/2025–26, दिनांक 09 जनवरी, 2026

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

एतद्वारा समस्त ठेकेदार, बिडर्स/कान्ट्रैक्टर्स, बेंडर्स को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में सीवरेज एवं जल निकासी योजना के अन्तर्गत कराये जाने वाले विकास/निर्माण कार्यो हेतु आनलाईन निविदाएँ उत्तर प्रदेश शासन की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 09.01.2026 से 30.01.2026, अपरान्ह 04:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं, जिनका विवरण निम्नवत् है :–

1. नगर पंचायत मऊ के वार्ड नं0 01 में सोनू के मकान से शिवबाबा मंदिर की ओर नाला निर्माण

2. नगर पंचायत मऊ के वार्ड नं0 06 में एन0एच0 35 से नींबी तिराहा की ओर नाला निर्माण

3. नगर पंचायत मऊ के वार्ड नं0 07 में राजेश रस्तोगी के मकान से डब्बू रस्तोगी के मकान तक नाला निर्माण

उक्त निर्माण कार्यो की ई–निविदाएँ दिनांक 30.01.2026 को सायं 05.00 बजे खोली जायेगी। निर्माण कार्य से सम्बन्धित निविदा प्रपत्रों में निविदा शुल्क व 02 प्रतिशत जमानत धनराशि नगर पंचायत मऊ बोर्ड फण्ड के खाता संख्या– 40050347025 आई.एफ.एस.सी. कोड नं0 SBIN0011205 में अथवा कार्यालय में नगद जमा करना अनिवार्य होगा। बिना निविदा शुल्क व जमानत धनराशि के प्राप्त किसी भी निविदा पर कोई विचार नही किया जायेगा। ई–निविदा डाले जाने सम्बन्धी सूचना http://etendar.up.nic.in पर देखी जा सकती है। निविदादाता को ई–निविदा के साथ 100 रूपये के स्टाम्प पेपर पर एक रूपये का रसीदी टिकट लगाकर हस्ताक्षर कर संलग्न / अपलोड करना अनिवार्य होगा। उक्त ई–निविदा से सम्बन्धित विवरण एवं शर्ते तथा अन्य आवश्यक जानकारी नगर पंचायत कार्यालय से कार्य दिवस में कभी भी प्राप्त की जा सकती है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत मऊ
जनपद चित्रकूट।

अध्यक्ष
नगर पंचायत मऊ
जनपद चित्रकूट।

अव्यवस्था | किसानों की फसलों की नहीं हो पा रही सिंचाई

4 सालों से खराब बेरिया गांव का सरकारी नलकूप

संवाददाता, घाटमपुर

खराब पड़ा सरकारी नलकूप। अमृत विचार

अमृत विचार। घाटमपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत गांव बेरिया में लगा सरकारी नलकूप चार साल से खराब पड़ा है। फसलों की सिंचाई न हो पाने से किसानों में आक्रोश है। कई बार जिम्मेदार अधिकारियों व जन प्रतिनिधियों से इस मामले में शिकायत की जा चुकी है।

बेरिया गांव में सरकारी नलकूप खराब होने से किसान परेशान हैं। उन्हे फसलों की सिंचाई के लिए भटकना पड़ रहा है। नलकूप खराब होने के चलते गेहूं की फसल की सिंचाई नहीं हो पा रही है। किसान मुकेश सिंह,रुद्रपाल सिंह, सूरज सिंह,बृजेंद्र सिंह,आदि किसानों से बात की गई तो सभी व्यथित दिखे। किसानों ने बताया पिछले चार साल से सरकारी नलकूप खराब पड़ा है

- आक्रोशित किसानों ने नलकूप ठीक कराने को लगाई गुहार

लेकिन कोई जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहा है। फसलें खराब हो रही हैं। कई बार जिम्मेदार अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों तक आवाज पहुंचाई भी गई लेकिन कुछ नहीं हुआ। किसानों ने बताया कि पूर्व विधायक उपेंद्र पासवान के कार्यकाल से सरकारी नलकूप खराब पड़ा है। इसकी शिकायत विधायक सरोज कुरील व सांसद देवेंद्र सिंह भोले से भी कई बार की गई परंतु समस्या जस की तस बनी हुई है। नलकूप न ठीक होने से किसानों की गेहूं की सिंचाई नहीं हो पा रही है। जिसको लेकर किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों ने जल्द से जल्द सरकारी नलकूप ठीक करवाने की गुहार लगाई है।

आग से चूड़ी- कंगन की दो दुकानें जलीं

कुरारा (हमीरपुर)। कस्बे के भौली रोड में चूड़ी कंगन की दो दुकानों में शॉर्ट सर्किट से आग लग जाने से लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मसक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

कस्बे के भौली रोड में गुरुवार की देर रात करीब 11:30 बजे टीन की बनी चूड़ी-कंगन की दो दुकानों में शार्ट सर्किट से आग लग गई। जैसे ही लोगों ने देखा तो दुकान मालिकों को सूचना दी। दुकान मालिक बउवन और राजेश ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। दुकान मालिक बउवन ने बताया कि शार्ट सर्किट से चूड़ी कंगन की दुकान में आग लग गई थी। जिसमें करीब चार लाख का नुकसान हुआ है। वही बगल में राजेश की दुकान में भी आग लग गई, जिसमें उसका करीब 50,000 का नुकसान हुआ है।

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, शनिवार, 10 जनवरी 2026

सुविचार

अपने मन को महान विचारों से पोषित करो, क्योंकि तुम कभी भी अपनी सोच से कहीं अधिक ऊँचाई तक नहीं पहुँच पाओगे।

- बेंजामिन डिजराइली

कानपुर के प्रमुख समाचार

- पाक्सो न लगाने को कहने पर एसीपी हटे, जांच-II
- नए टैरिफ की आहट से मचा हड़कंप-III
- आईआईटी के छात्रों को मिला पांचवां स्थान-IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

हुंकार और मुहिम तेज : पंडितजी बंटोगे तो निपट जाओगे...

विशेष संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ब्राह्मण समुदाय की बैठकों का सिलसिला जारी है, और इनका मुख्य एजेंडा राजनीतिक दलों और सरकार में अपनी पैठ बनाना तथा वर्चस्व बढ़ाना है। इसके लिए अब मुहिम को और तेज किया जाना तय हुआ है।

कल्याणपुर क्षेत्र के आवास विकास-एक स्थित एक प्रभावशाली व्यक्ति के होटल में आयोजित हुई बैठक में अन्य विधानसभा क्षेत्रों से जुड़े नेता भी शामिल हुए। इसमें विश्व हिंदू परिषद से जुड़े एक प्रमुख नेता भी मौजूद रहे। इनका एक पूर्व मंत्री से छत्तीस का आंकड़ा बताया जाता है। इन नेता की बैठक

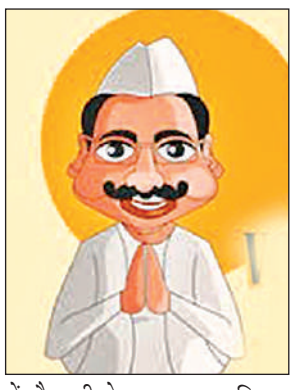

में मौजूदगी से खासा उत्साह दिखा। भाजपा से कई बार पार्षद रहे एक नेता ने एकता पर बल देते हुए मुहिम को आगे बढ़ाने की बात कही। ये पार्षद भी विधानसभा टिकट के दावेदार बताए जाते हैं। तीन और पार्षदों की भी बैठक में मौजूदगी

- आवास विकास-एक स्थित होटल में फिर जुटे ब्राह्मण भाजपा और विहिप से जुड़े नेता और पार्षद भी पहुंचे

बताई जा रही है। इस एकत्रीकरण में शिक्षा, कारोबार, उद्योग और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े दमदार लोग भी शामिल रहे। अगले चरण में अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी ऐसी बैठकें और सम्मलेन करने पर विचार हुआ। यह भी कहा गया कि आपस में एका न होने के कारण भी राजनीति में पकड़ कमज़ोर हो रही है। अब एक होने के साथ एकता का संदेश देना भी जरूरी है। जब भी खेमे बने तभी ब्राह्मण प्रत्याशी ने मात खाई और किनारे लगा दिया गया। समाज के

- कहा गया मतभेद भूलकर एक हो जाओ, ताकत का एहसास कराओ, वरना हाशिए पर धकेल दिए जाओगे

कमज़ोर तबके को मदद करनी होगी और उन्हें सबल बनाना होगा। कुछ ऐसी जातियां भी हैं, जिनका संख्या बल कम है, लेकिन एकता के कारण उनकी उपेक्षा कोई नहीं करता। तय हुआ कि अगली कड़ी में छावनी, बिठूर और सीसामऊ क्षेत्र में बैठकें आयोजित की जाएंगी। यह भी तय हुआ है कि हर दल के ब्राह्मण नेताओं को आमंत्रित कर इस मुहिम से जोड़ा जाएगा। इन बैठकों की भनक लगने के बाद पार्टियों से जुड़े नेता और विधायक प्रभावशाली ब्राह्मण चेहरों पर नजर रखे हैं। ग्रामीण और शहरी आबादी क्षेत्र के एक विधायक, एक पार्टी के पूर्व ब्राह्मण अध्यक्ष को हर बैठक और सभा में हमेशा आगे रखते हैं, क्योंकि उनकी विधानसभा क्षेत्र में ब्राह्मणों की संख्या अच्छी खासी है।

सूत्र बताते हैं छावनी क्षेत्र में भी इस बार भाजपा टिकट के दावेदार जमीन तैयार कर रहे हैं, चर्चा है कि दूसरे दल से आए एक नेता,जो ब्राह्मण नहीं हैं, यहां से दावेदारी कर सकते हैं। परिसीमन के बाद छावनी क्षेत्र मुस्लिम बहुल हो गया है। इसके बावजूद रघुनन्दन भदौरिया वहां जीत गए थे, लेकिन पिछले दो बार से यह सीट भाजपा के हाथ नहीं आ रही है। सपा और कांग्रेस में दावेदारों की लंबी लाइन है। अब एकता की मुहिम भले चलाई जा रही हो, लेकिन हकीकत यह है कि ब्राह्मण बहुल विधानसभा क्षेत्रों में हर पार्टी में ब्राह्मण दावेदारों की लंबी लिस्ट है।

गोविन्दनगर और किदवई नगर क्षेत्र में तो भाजपा से ही कई ब्राह्मण नेता अभी से माहौल बनाने में जुटे हैं। यह भी तथ्य है कि बीते लोकसभा चुनाव में शहर से भाजपा और कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी ब्राह्मण थे, तभी भाजपा को जीत मिली। जाहिर है इस चुनाव में भी ब्राह्मण वोटों का बंटवारा हुआ तो किसी खास खेमे के लिए एकमुश्त वोट जुटाना टेढ़ी खीर ही लगता है। फिलहाल तो ब्राह्मणों को एक करने की मुहिम में कहा जा रहा है कि 'बंटोगे तो निपट जाओगे'।

सचान चौराहे से शास्त्री चौक तक निरीक्षण किया

कानपुर। सचान चौराहे से शास्त्री चौक तक महीनों से बदहाल पड़ी सड़क का शुक्रवार को सांसद रमेश अवस्थी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। सांसद ने मौके पर मौजूद जल निगम के अधिशासी अभियंता प्रवीण यादव, अधिशासी अभियंता अनिल मिश्रा समेत लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से कहा कि शहर के प्रमुख मार्गों की खराब स्थिति किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। जनहित के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा कराया जाए। अधिकारियों को निर्देश दिए कि मार्ग के निर्माण व मरम्मत कार्य को जल्द शुरू कराया जाए।

सिटी ब्रीफ

दहेज के लिए महिला को मारा-पीटा

कानपुर। चकेरी में महिला ने आरोप लगाया कि दहेज के लिए ससुरालियों ने प्रताड़ित किया। साथ ही जेठ ने अकेला पाकर छेड़खानी की। पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। चकेरी निवासी महिला के अनुसार उनका विवाह जुलाई 2021 को लखनऊ निवासी युवक के साथ हुआ था। विवाह के कुछ समय बाद से ही पति समेत ससुरालीजन दहेज में दो लाख रुपये देने की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर प्रताड़ित करने लगे। उसे कई बार घर से भगाया गया। परेशान होकर उसने महिला थाने में शिकायत की। पुलिस ने दबाव बनाकर उसे फिर ससुराल भेज दिया। बीती अगस्त माह में जेठ ने अकेला पाकर उससे छेड़खानी की। उन्होंने पति समेत ससुरालीजनों से शिकायत की तो उल्टा उसे ही मारापीटा। आरोपी ससुरालियों ने चाकू से मारने का प्रयास किया। वह किसी तरह जान बचाकर भागीं। तब से पीड़िता मायके में रह रही हैं। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

आईजी ने सेंट्रल की सुरक्षा देखी

कानपुर। माघ मेला के चलते सेंट्रल स्टेशन पर आरपीएफ के आईजी प्रदीप गुप्ता ने निरीक्षण किया और स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था देखी। आईजी ने प्लेटफार्म नंबर 1 पर लगे सीसीटीवी कंट्रोल रूम को भी देखा और ट्रैक पर गश्त बढ़ाने के निर्देश दिये। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी एसएन पाटीदार आदि मौजूद रहे।

बैंडबाजा, डीजे वाली बारात में निकाह नहीं पढ़ाएंगे

कानपुर। दरगाह हुजूल हाफिजे बुखारी की ओर से ऐलान किया गया है कि डीजे व बैंडबाजे वाली खर्चीली बारातों में निकाह नहीं पढाएंगे। सैयद नवाज अख्तर की ओर जारी बयान में सुन्नी काजियान से भी कहा गया है कि वे ऐसी बारातों में निकाह नहीं पढ़ाएं।

चिड़ियाघर में जंगली कुत्ते की मौत

कानपुर। शुक्रवार को चिड़ियाघर में एक जंगली कुत्ते की मौत हो गयी। वायरल इन्फेक्शन की आशंका जताई जा रही है। मृत कुत्ते का सैंपल बरेली लैब भेजा गया है। घटना के बाद से चिड़ियाघर प्रशासन सतर्क हो गया है और सभी पशु पक्षियों की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। क्षेत्रीय वनाधिकारी नवेद इकराम ने बताया कि कुत्ते को 2022 में तिरुपति चिड़ियाघर से लाया गया था जिसकी उम्र 8 वर्ष थी।

ट्रेड और टैरिफ के टेंशन से हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन दर्ज हुई बड़ी गिरावट

शेयर बाजार लुढ़का, शहर को लगा दो हजार करोड़ रुपये का झटका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर चल रही तनातनी और अमेरिकी से मिल रही 500% टैरिफ धमकी के बीच शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन शुक्रवार को भी गिरावट से हाहाकार मच गया। सेंसेक्स इन पांच दिनों में 2100 से ज्यादा अंक लुढ़क चुका है और निफ्टी में 600 से अधिक अंकों की गिरावट दर्ज हुई है। वैश्विक स्तर पर बढ़ी अनिश्चितता के कारण चौतरफा बिकवाली से बीते दो दिनों में शहर के निवेशकों के पोर्टफोलियो में दो हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की कमी आने का अनुमान लगाया जा रहा है।

शेयर बाजार में गिरावट का नकारात्मक असर निवेशकों के म्यूचुअल फण्ड पोर्टफोलियो पर पड़ा है। अमेरिका के संभावित 500% टैरिफ की घुड़की से

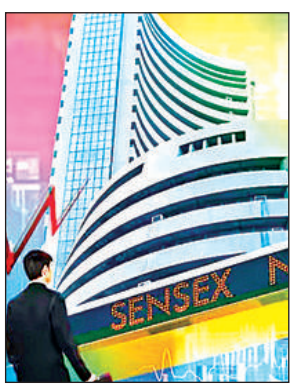

- चौतरफा बिकवाली से दो दिनों में शहर के निवेशकों को लगी बड़ी चपत

जोखिम के चलते निवेशकों में घबराहट बढ़ी है। लम्बे समय से विदेशी संस्थागत निवेशकों की बेरुखी झेल रहा शेयर बाजार तमाम अवरोधों के बावजूद पिछले हफ्ते नया लाइफ-टाइम हाई बनाने में कामयाब रहा था। लेकिन ट्रेड और टैरिफ के जोखिम के कारण मामला एक बार फिर उलझता दिख रहा है। शुक्रवार को कारोबार के अंत में सेंसेक्स 605 अंक लुढ़ककर 83,576 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 193 अंक का गोता लगाकर 25,683 के स्तर पर आ गया। इस पूरे कारोबारी हफ्ते सेंसेक्स में 2,186 अंकों की गिरावट आई है। यह सितंबर 2025 के बाद की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट है। इस दौरान स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में भी तेज बिकवाली देखने को मिली।

निवेशक अफवाह से बचें, बाजार में उठापटक कुछ दिन और रह सकती

- भारतीय शेयर बाजार का फंडामेंटल मजबूत है। लेकिन शेयर बाजार का मूड बताने वाले वोलैटिलिटी इंडेक्स (वीआईएक्स) में बढ़ोतरी इस ओर इशारा कर रही है कि बाजार में तेज उठापटक कुछ दिन और जारी रह सकती है। वित्तीय कंपनी केश्री ब्रोकिंग के को-फाउंडर राजीव सिंह का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों में निवेशकों को अफवाहों से बचना चाहिए। गिरावट पर अच्छे फंडामेंटल्स और ग्रोथ पोटेंशियल (विकास क्षमता) वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करें, वह भी एक साथ के बजाए किस्तों में। निवेशक, म्यूचुअल फण्ड में एसआईपी के द्वारा निवेश जारी रख सकते हैं। संतुलन बनाये रखने के लिए निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में लार्ज, मिडकैप और स्मॉलकैप सभी को जोखिम क्षमता के अनुसार जगह देनी चाहिए। प्रतिकूल परिस्थितियों में एक्सपर्ट की मदद लें।

छात्रा से दुष्कर्म करने वाला शिक्षक गया जेल

कानपुर। किदवईनगर पुलिस ने हाईस्कूल छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी कोचिंग संचालक देवेंद्र पटेल को शुक्रवार जेल भेज दिया। वहीं छात्रा के बयान भी दर्ज कराए। बाबूपुरवा में रहने वाली छात्रा की मां के अनुसार उनकी 15 वर्षीय बेटी किदवईनगर स्थित एक स्कूल में पढ़ती है। आरोपी देवेंद्र पटेल उसी स्कूल में शिक्षक व कोचिंग इंस्टीट्यूट भी चलाता है। बेटी कोचिंग भी जाती थी।

गुरुवार को उन्होंने उसे कोचिंग जाने के लिए कहा तो उसने मना कर दिया। इसके बाद उसने कोचिंग संचालक की हरकत बताई। उसने कहा कि बीते दिसंबर माह में देवेंद्र पटेल ने बहलाकर उससे कोचिंग सेंटर में ही दुष्कर्म किया। उसके बाद डरा-धमकाकर शोषण करने लगा। इसके बाद वह बेटी को लेकर थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। किदवईनगर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट में कार्रवाई कर जेल भेजा गया है।

गरीब बच्चों की दुनिया बदल दी आईआईटी के 'पंचामृत' ने

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के परिसर में पंचामृत की सराहनीय पहल जरूरतमंद बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इसे आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले दैनिक मजदूरों के बच्चों को निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। मध्याह्न भोजन कार्यक्रम पंचामृत की शुरुआत वर्ष 1964 में स्थापित ऑपर्च्युनिटी स्कूल से जुड़ी है, जिसमें पढ़ने वाले गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले पर्याप्त पोषण तो दूर अक्सर खाली पेट स्कूल आते थे। भूख और कुपोषण के कारण बच्चे कमजोर थे, पढ़ाई पर ध्यान नहीं लगा पाते थे और कई बार कक्षा में बेहोश तक हो जाते थे। इसी समस्या के समाधान के लिए वर्ष 2024 की शुरुआत में आईआईटी के हॉल ऑफ रेजिडेंस-5 के छात्रों ने मध्याह्न भोजन कार्यक्रम की पहल की। इस योजना में बच्चों को ताजा, पौष्टिक और पारंपरिक भारतीय भोजन जैसे राजमा-चावल, छोले-

- ऑपर्च्युनिटी स्कूल के बच्चे ताजा और पौष्टिक भोजन मिलने से हुए स्वस्थ, पढ़ाई पर केंद्रित

चावल और कढ़ी-चावल परोसने का प्रस्ताव रखा गया, जो पोषण से भरपूर था। अनुमान लगाया गया कि 230 बच्चों को सप्ताह में एक दिन पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में लगभग 3,000 रुपये खर्च आएगा और इससे हॉल-5 के 600 छात्रों के मासिक मेस बिल में केवल 20 रुपये की वृद्धि होगी। नवंबर 2024 में हॉल ऑफ रेजिडेंस-1, 3, 8 और गर्ल्स हॉस्टल-1 भी इस पहल से जुड़ गए। स्कूल के पांचों कार्य दिवसों में बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया जाने लगा। इस पहल को पंचामृत नाम दिया गया, जिसका अर्थ है ईश्वर को अर्पित किया गया पवित्र भोजन। अब बच्चे पहले से अधिक स्वस्थ, ऊर्जावान हैं।

आज बेंगलुरु फ्लाइट का किराया 15000 रुपये

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शुक्रवार, शनिवार और रविवार को छुट्टी होने के चलते विमानों के किराये में काफी बढ़ोत्तरी हो गई है।

बेंगलुरु फ्लाइट से यदि आप शनिवार को जाना चाहते हैं तो शायद सीट नहीं मिले, वैसे जिन यात्रियों ने अपना टिकट बुक कराया, उन्हें लगभग 15000 रुपये का टिकट मिल सका है। हालांकि 12 जनवरी को यात्रियों का संकट है जिससे आप 6 हजार रुपये में ही बेंगलुरु पहुंच सकते हैं। कानपुर से बेंगलुरु जाने के लिए 9 जनवरी यानी शुक्रवार को यात्रियों को 16,288 रुपये तक किराये में अदा करना पड़ा जबकि शनिवार 10 जनवरी को यही किराया 14,975 रुपये और 11 जनवरी को 11,939 रुपये अदा करना पड़ेगा। हालांकि 12 जनवरी को यात्रियों को 5.315 रुपये का टिकट मिल जाएगा। इसी प्रकार मुंबई, दिल्ली और हैदराबाद की फ्लाइट में भी शनिवार और रविवार को किराये में बढ़ोत्तरी ही मिलेगी जबकि 12 जनवरी से इन फ्लाइट में कम किराये में यात्री की जा सकती है।

युवक से की मारपीट, लूट का आरोप लगाया

कल्याणपुर। पनकी रोड निवासी विवेक यादव प्राइवेट कर्मी है। विवेक ने बताया कि रात करीब साढ़े आठ बजे वह साथ में काम करने वाली महिला को अर्मापुर स्टेट के अदर से लेने के लिए जा रहे थे। तभी सुनसान जगह पर खड़े युवक उसे पकड़कर कर एक पार्क में ले गए। जहां मारपीट करते हुए यूवकों ने उसकी जेब में पड़े नौ हजार रूपये व मोबाइल छीन लिया। अर्मापुर थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की जानकारी नहीं है। तहरीर प्राप्त होने पर कार्रवाई जाएगी।

गुटैया क्रासिंग के अंदर फंसीं दो कारें, हादसा टला

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। रावतपुर के पास गुटैया क्रासिंग पर उस वक्त एक बड़ा हाटसा टल गया जब एक ओर का गेट बंद हो गया लेकिन दो कारें जीटी रोड की ओर से रेल पटरी पर पहुंच गयीं। जिससे हड़कंप मच गया। गेटमैन के चिल्लाने पर दोनों कार को पीछे कराया गया। इस दौरान एक ओर गेट बंद रहा जबकि दूसरी ओर गेट बंद नहीं हो सका।

शुक्रवार को गुटैया क्रासिंग को ट्रेन के आने सूचना पर गेट बंद किया जा रहा था। रेव मोती की ओर गेट बंद गया था जबकि जीटी रोड साइड का गेट बंद किया जा रहा था, तभी जल्दी निकलने के चक्कर में दो

गुटैया क्रासिंग के अंदर फंसी कारें अमृत विचार

कार जीटी रोड की ओर से रेल की पटरी पर आ गयीं। ट्रेन का सिग्नल हो चुका था जिससे अफरातफरी मच गयी क्योंकि कई ट्रेनें ऐसी हैं जिनका रावतपुर स्टेशन पर ठहराव नहीं है और ऐसी ट्रेनें जब स्टेशन क्रास करती हैं तो उनकी गति काफी अधिक होती है। यही कारण है कि दोनों कार जब रेल की पटरी पर आईं तो गेटमैन के होश उड़ गए। दोनों कार चालकों ने किसी तरह बैक करके कार को रोका।

- ट्रेन आने की सूचना पर गेटमैन हूटर बजाकर गेट बंद कर रहा था

ऑटोमेटिक गेट बंद होते ही लॉक हो गया

दरअसल रेलवे क्रासिंग पर लगे ऑटोमेटिक गेट बंद होने के बाद लॉक हो जाते हैं और ये गेट तभी खुलते हैं, जब ट्रेन गुजर जाती है और आउटर को पार कर जाती है, यही कारण है कि आपने देखा होगा कि गेटों के पास बोर्ड लगा रहता है कि गाड़ी जाने के बाद दो मिनट बाद गेट खुलेगा।

विकास | सांसद रमेश अवस्थी ने केडीए, लोक निर्माण, सेतु निगम व सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

पांच करोड़ से गंगा रिवर फ्रंट की छह महीने में बनेगी डीपीआर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर के समग्र विकास के लिए गंगा रिवर फ्रंट परियोजना को जमीन पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए सांसद रमेश अवस्थी ने शुक्रवार को अधिकारियों के साथ प्रस्तावित परियोजना का स्थलीय एवं नाव में बने स्टीमर पर बैठकर निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि परियोजना की डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) छह माह के भीतर तैयार कर ली जाएगी।

गंगा बैराज स्थित अटल घाट से लेकर शुक्लागंज तक लगभग नौ किलोमीटर लंबा गंगा रिवर फ्रंट विकसित किया जाना है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में अटल

बोट से गंगा का निरीक्षण करते सांसद रमेश अवस्थी, समग्र विकास समिति के समन्वयक नीरज श्रीवास्तव आदि। अमृत विचार

घाट, रानी घाट, आनंदेश्वर मंदिर रिवर साइड तथा सरसैया घाट को गंगा रिवर फ्रंट से जोड़ा जाएगा। इससे शहर की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा।

परियोजना पर खर्च होंगे दो हजार करोड़: गंगा रिवर फ्रंट परियोजना की डीपीआर पर लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत आएगी। परियोजना के विकास का कार्य कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा, जिसमें लगभग 2000 करोड़ रुपये का कुल व्यय अनुमानित है। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी, केडीए सचिव अभय कुमार पांडे, मुख्य नगर नियोजन मनोज कुमार, केडीए के मुख्य अभियंता आरपी सिंह, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता अनिल कुमार, सेतु निगम के मुख्य परियोजना प्रबंधक बीके सिंह के अलावा सिंचाई विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

गंगा में क्रूज संचालन की संभावना पर हुआ विचार

- सांसद रमेश अवस्थी ने अधिकारियों के साथ गंगा रिवर फ्रंट पर क्रूज संचालन की संभावनाओं को लेकर भी विस्तृत चर्चा की, ताकि शहर में पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। सांसद ने कहा कि गंगा रिवर फ्रंट के निर्माण से न केवल शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने बताया कि भैरव मंदिर, आनंदेश्वर मंदिर और सरसैया घाट जैसे प्रमुख धार्मिक स्थल गंगा रिवर फ्रंट से सीधे जुड़ने से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को विशेष लाभ मिलेगा।

हरियाली, पॉथ-वे, फूड हब, पिकनिक स्पॉट के साथ मनोरंजन की सुविधाएं

- गंगा रिवर फ्रंट का विकास 'साबरमती' और 'गोमती' की तर्ज पर किया जाना है। इस काम के लिए पटना के रिवर फ्रंट का भी अध्ययन किया गया है। इसका उद्देश्य गंगा किनारे एक सुंदर, पर्यटक-अनुकूल पिकनिक स्पॉट बनाना है। इसमें हरियाली, पॉथ-वे, फूड हब, पिकनिक स्पॉट के साथ मनोरंजन की सुविधाएं होंगी, ताकि शहर को नया रूप मिले और लोग प्रकृति से जुड़ सकें। शुक्लागंज से गंगा बैराज तक बनने वाले रिवर फ्रंट को भविष्य में जाजमऊ और बिठूर तक विकसित किए जाने की भी योजना है।

PAVAN PEST CONTROL PVT. LTD.
पवन पेस्ट कन्ट्रोल का सपना, कीड़ो मुक्त हो घर अपना

M. 8931804705, 7860702019, 8081482309
Email : pavanppcs@gmail.com | www.pavanpestcontrol.com

M. 8353990313
7860702019
7318333512

AFSA™

M. 8400212019
8081482309
9643090313

AMAN FIRE & SAFETY APPLIANCES
Complete Industries Fire Hydrant System & Building Solution

- Fire Extinguisherrs, Refiling & Spares
- Fixed Fire Fighting & Automatic Fires Detacting System.
- Complete Industries and human safety Appliances
- Govt. & Gem Contractor & General Order Suppliers.

सिटी ब्रीफ

400 ग्राम गांजा समेत शातिर गिरफ्तार

कल्याणपुर। पनकी पुलिस ने गुरुवार रात गश्त के दौरान गंभीरपुर गांव के पास एक युवक को लगभग 400 ग्राम गांजा के साथ धर दबोचा। युवक ग्राहक के इंतजार में खड़ा था। पूछताछ में युवक ने अपना नाम रतनपुर कालोनी निवासी शिवकांत शुक्ला बताया। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि युवक के खिलाफ एनडीपीएस के तहत कार्रवाई की गई है।

पनकी थाने का हिस्ट्रीशीटर जिलाबदर

कल्याणपुर। पनकी थाने का हिस्ट्रीशीटर व टॉपटेन अपराधी पंकज सिंह चौहान एफ ब्लॉक निवासी को संयुक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय विनोद कुमार सिंह ने छह माह के लिए जिलाबदर किया है। पंकज सिंह के खिलाफ पनकी थाने में रंगदारी व अवैध वसूली समेत दर्जन भर से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जबकि कुछ मामलों में वह वांछित चल रहा था।

माघ मेले में भेजी भंडारा सामग्री

कानपुर। लघु उद्योग भारती कानपुर की ओर से प्रयागराज में आयोजित माघ मेले में हिंदू अध्यात्मिक सेवा संघ के भंडारे के लिए कानपुर से निशुल्क सामग्री भेजी गई है। इस दौरान लघु उद्योग भारती, कानपुर से हरेन्द्र मुरजानी, संदीप अवस्थी, अनुज गुप्ता व हिंदू अध्यात्मिक सेवा संघ से नवेंदु शुक्ला मौजूद रहे।

सड़क हादसों में युवक समेत दो की मौत

कानपुर। अलग-अलग सड़क हादसों में युवक व बुजुर्ग की मौत हो गई। सचेंडी में भौती हाईवे पर गुरुवार रात सड़क पार करते समय युवक की तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से जान गई। जबकि कल्याणपुर में घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई। मूलरूप से कानपुर देहात के रसूलाबाद निवासी 42 वर्षीय संदीप बाजपेई करीब बीस वर्ष से भौती में रहकर हलवाई का काम करते थे। गुरुवार रात करीब साढ़े ग्यारह बजे वह पैदल हाईवे पार कर रहे थे, तभी किसी वाहन की टक्कर से उसकी मौत हो गई। बहन प्रज्ञा मिश्रा ने बताया कि परिवार में वह और उनका भाई ही था। उनकी शादी के बाद भाई अकेला रह रहा था। वहीं पनकी में सड़क पार करते घायल हुए बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई। कल्याणपुर के माधवपुरम आईआईटी सोसाइटी निवासी 65 वर्षीय रामदेव मौर्या के परिजनों ने बताया कि पांच जनवरी को पिता पनकी क्रॉसिंग के पास स्थित लोधेश्वर महादेव मंदिर दर्शन करने गए थे। वहां से लौटते समय सड़क पार करते किसी इलेक्ट्रिक स्कूटी सवार युवकों ने टक्कर मार दी। आरोप है कि स्कूटी सवार शराब के नशे में थे।

आखिरी दिन 51 वकीलों ने किया नामांकन, कुल 96

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव के नामांकन में आखिरी दिन अध्यक्ष, महामंत्री समेत अन्य पदों पर 51 वकीलों ने नामांकन किया। 21 सदस्यीय कार्यकारिणी के लिए कुल नामांकन 96 हुए हैं। कई दावेदारों ने कचहरी परिसर में समर्थकों के साथ नामांकन जुलूस निकाला तो कई ने साधारण तरीके से पहुंचकर नामांकन किया। शुक्रवार दिनभर कचहरी में समर्थक टोलियों में निकले और नारों से परिसर गूंजता रहा। पोस्टरों व पर्चियों से कचहरी की गलियां पटी दिखीं।

बार एसोसिएशन के राम अवतार महाना हाल में शुक्रवार सुबह 11 बजे से एल्डर्स कमेटी की देखरेख में दूसरे दिन की नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई। अध्यक्ष पद के लिए दिनेश चंद्र शुक्ला, योगेंद्र अवस्थी, पूर्व लॉयर्स अध्यक्ष रवींद्र कुमार शर्मा, सर्वेश कुशवाहा ने अपना नामांकन पत्र जमा कराया। महामंत्री पद के लिए सुशील यादव, रामजी दुबे ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन प्रक्रिया के दौरान एल्डर्स कमेटी जुलूस निकालने व नारेबाजी करने वालों को आगाह करती रही। वहीं नामांकन स्थल पर भीड़ जुटने पर भी कमेटी की ओर से निर्देश दिए गए। इसके अलावा गलियां, दीवारों पर लगे पर्चे हटवाने के लिए भी दिशा निर्देश कमेटी ने दिए। अब 12 जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 13 जनवरी को नामांकन वापसी का आखिरी दिन है। इस दौरान कमेटी के चेयरमैन उमाशंकर गुप्ता के साथ सदस्य ओम प्रकाश मिश्रा, सतीश चंद्र कुलश्रेष्ठ, शिवशरण मिश्रा, हरिश्चंद्र श्रीवास्तव आदि रहे।

कचहरी परिसर में जुलूस निकालते अधिवक्ता। अमृत विचार

अध्यक्ष प्रत्याशी योगेंद्र अवस्थी ने कराया नामांकन। अमृत विचार

अध्यक्ष प्रत्याशी रवींद्र शर्मा ने कराया नामांकन। अमृत विचार

महामंत्री पर भोला मिश्रा का नामांकन।

महामंत्री पद पर रुद्र प्रताप सिंह भी हैं।

लुटेरों की तलाश में पुलिस जुटी

कल्याणपुर। केशवपुरम में रिटायर महिला दारोगा के साथ हुई चेन लूट के मामले में रावतपुर पुलिस की चार टीमों ने शुक्रवार को घटनास्थल से लेकर भौंती बाईपास तक 103 कैमरों को खंगाला। आगे की लोकेशन न मिलने पर पुलिस अब पनकी के गली कूचों के सीसीटीवी कैमरों को खंगालने में में जुटी है।

रावतपुर के केशवपुरम निवासी ज्ञानेश कुमार दुबे मिर्जापुर में डिप्टी जेलर के पद पर तैनात हैं। यहां घर पर उनकी रिटायर दरोगा पत्नी मंजूलता अपने बच्चों के साथ रहती हैं। गुरुवार दोपहर मंजूलता घर के बाहर बैठकर धूप सेंक रही थीं। इसी दौरान बाइक सवार दो नकाबपोश युवक उनकी चेन तोड़कर भाग निकले थे। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से लुटेरों का पीछा करते हुए मसवानपुर के बड़ा मंदिर पहुंची, जहां से अर्मापुर में दाखिल हुए लुटेरे कालपी रोड होते हुए भाटिया तिराहा से भौंती बाईपास की ओर भागते हुए कैमरे में कैद हुए हैं।

गैंगरेप में पॉक्सो न लगाने को कहने पर हटे एसीपी

भीमसेन चौकी इंचार्ज सस्पेंड, मजिस्ट्रेट के सवालों के जवाब देते रो पड़ी पीड़िता, बताई आपबीती

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पीड़िता के घर 24 घंटे रहेंगे दो पुलिसकर्मी, उससे किसी को बात करने का आदेश नहीं
- शुक्रवार को दर्ज हुए पीड़िता के बयान, सस्पेंड थाना प्रभारी के भी बयान होंगे

अमृत विचार। सचेंडी में गैंगरेप पीड़िता किशोरी के शुक्रवार को मजिस्ट्रेटी बयान दर्ज हुए। वहीं उसके घर के बाहर 24 घंटे दो पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। जांच में पनकी एसीपी की भूमिका भी संदिग्ध मिलने पर उन्हें पुलिस कमिश्नर ने जांच के दौरान हटा दिया है। जांच में सामने आया कि तत्कालीन थाना प्रभारी से पॉक्सो न लगाने और तहरीर बदलवाने के लिए एसीपी शिखर ने ही कहा था। इस पर उनकी भूमिका की जांच भी शुरू हो गई है। वहीं कमिश्नर ने भीमसेन चौकी इंचार्ज दिनेश कुमार को भी सस्पेंड कर दिया है।

गैंगरेप पीड़िता के शुक्रवार को बयान दर्ज हुए। मजिस्ट्रेट के सवालों का जवाब देते हुए पीड़िता रो पड़ी। 48 मिनट में उसने रो-रोकर अपने बयान दर्ज कराए। बीच-बीच में भाई उसे तसल्ली देता रहा। सिर पर हाथ रखता और आंसू पोंछता। पूरी प्रक्रिया कंपलीट होने के बाद रात साढ़े आठ बजे पीड़िता अपने घर पहुंची।

पुलिस अधिकारियों के आदेश पर पीड़िता के घर पर 24 घंटे दो पुलिसकर्मी की तैनाती रहेगी। आदेश है कि बिना आदेश किसी को भी पीड़िता से बात करने न दिया जाए। वहीं जांच में यह बात भी सामने आई है कि तत्कालीन थाना प्रभारी विक्रम सिंह (सस्पेंड) को रिपोर्ट में पॉक्सो न लगाने और तहरीर बदलवाने के लिए एसीपी पनकी शिखर ने ही कहा था। एसीपी की भूमिका की जांच शुरू की गई है और सस्पेंड इंस्पेक्टर विक्रम सिंह के बयान भी दर्ज किए जाएंगे।

आरोपी दरोगा अमित मौर्य की तलाश जारी

- गैंगरेप के आरोपियों में शिवबरन सिंह यादव को पुलिस ने जेल भेज दिया है, वहीं दूसरे आरोपी दरोगा अमित मौर्या की तलाश में चार टीमें जुटी है। तीन दिन बीतने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला है। जांच में दरोगा और शिवबरन के अन्य कारनामे भी सामने आ रहे हैं। शिवबरन के घर से ही दरोगा के लिए खाना बनकर जाता था। एसीपी के करीबी होने की वजह से थाने में उससे कोई कुछ नहीं बोलता था। जिसका दरोगा खूब फायदा उठाता। शुक्रवार सुबह एक बार दरोगा का फोन ऑन हुआ था, लोकेशन ट्रेस हुई। टीम वहां तक पहुंचती उससे पहले ही ठिकाना छोड़कर निकल गया। वहीं शिवबरन की मां ने एक वीडियो जारी कर बेटे को निर्दोष बताया है।

विवेचना में नाम हटाने को 1.80 लाख मांगने वाला दरोगा सस्पेंड

- **कानपुर।** नर्वल के दीपापुर निवासी रोहित की पत्नी ने पति समेत 12 ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया था। विवेचक दरोगा संदीप कुमार थे। रोहित के अनुसार पत्नी ने डीजीपी ऑफिस में तैनात बहन, आईटीबीपी में तैनात भाई व उनकी पत्नी को भी आरोपी बनाया था, जो झूटी पर थे। इसके साक्ष्य उपलब्ध कराए थे, लेकिन दरोगा ने नौ लोगों के नाम हटाने के लिए 1.80 लाख की मांग की थी। रुपये न देने पर सभी के खिलाफ चार्जशीट लगा दी। पीड़ित ने डीसीपी पूर्वी से शिकायत की। जांच एसीपी चकेरी को मिली तो उनकी जांच रिपोर्ट में दरोगा दोषी मिले। इस पर डीसीपी ने दरोगा को संस्पेड कर दिया है।

किशोरी को डरा-धमकाकर ताऊ ने किया कई बार दुष्कर्म

- बर्रा इलाके की घटना, पड़ोस में रहने वाली किशोरी ने देखा

कानपुर। बर्रा में सगे ताऊ ने रिश्ते को शर्मसार किया। 13 वर्षीय किशोरी को डरा-धमकाकर दुष्कर्म करता रहा। गुरुवार शाम पड़ोस की किशोरी अचानक पहुंच गई और ताऊ को गलत हरकत करते देख लिया, तब जाकर उसकी करतूत खुली। पता चलने पर मोहल्ले की महिला ने यूपी 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी ताऊ को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार करैही क्षेत्र की रहने वाली किशोरी की मां पति की हत्या में जेल में बंद है। माता-पिता के न होने से किशोरी और उसके छोटे भाई-बहन अपने बुजुर्ग बाबा व ताऊ के साथ किराए के मकान में रहने लगे। बच्चों की पढ़ाई सभी की बंद है। गुरुवार शाम पड़ोस में रहने वाली किशोरी सब्जी लेने पीड़िता के कमरे में पहुंची तो उसके सगे ताऊ को गलत हरकत करते देख लिया। इस पर किशोरी कमरे से बाहर निकली और मोहल्ले की एक महिला को घटना की जानकारी दी। महिला ने पुलिस को सचूना दी। सूचना पर पहुंची यूपी 112 पुलिस ने किशोरी से पूछताछ के बाद उसके ताऊ को हिरासत में लेकर थाने ले गई। महिला पुलिसकर्मियों से किशोरी ने बताया कि पिता की हत्या व मां के जेल जाने के बाद उसका कोई और सहारा नहीं था। इसलिए छोटे भाई-बहनों के साथ बाबा व ताऊ के साथ रहने लगी। एक साल पहले भी ताऊ ने शराब के नशे में उसके साथ गलत करने का प्रयास किया था, लेकिन उसने विरोध जताकर बाबा से शिकायत की थी। इस पर बाबा ने ताऊ को गालियां देकर होश में रहने को कहा था। शिकायत के बाद भी ताऊ की हरकतों में कोई बदलाव नहीं आया और वह उसे परेशान करते रहे। एक दिन जब बाबा घर से बाहर गए तो भाई-बहन खेल चले गए। इसी बीच ताऊ में उसे व उसके भाई-बहनों को जान से मारने की धमकी दी और उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद कई बार उससे दुष्कर्म किया और धमकी देता रहा।

प्लाट दिलाने का झांसा देकर 15 लाख ठग लिए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चकेरी में प्लाट दिलाने का झांसा देकर शातिर ने 15 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित ने प्लाट न मिलने पर अपनी रकम मांगी तो आरोपी ने जान की धमकी दी। इस पर पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर से गुहार लगाई। चकेरी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

दहेली सुजानपुर के रहने वाले राजेंद्र बघेल के अनुसार 2023 में उन्होंने अपनी पहचान के व्यक्ति बंशीलाल, जो इलाके में ही रहते हैं उनसे प्लाट दिलाने की बात की थी। बातचीत के बाद उसने कई प्लाट दिखाए। 2024 में उन्होंने एक प्लाट पसंद किया। जिसका सौंदा होने पर उन्होंने कई बार में 15 लाख रुपये का भुगतान किया। रकम मिलने पर आरोपी बैनामा करने के नाम पर टालमटोल करने लगा। इस पर बीती 21 दिसंबर को उन्होंने बैनामा करने का दबाव बनाया तो आरोपी गाली-गलौज कर धक्कामुक्की की। विरोध पर जान से मारने की धमकी दी। शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो उन्होंने पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल से शिकायत की। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि तहरीर के आधार रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

हाईकोर्ट में नौकरी लगवाने के नाम छह लाख ठगे

- **कानपुर।** लखनऊ हाईकोर्ट में नौकरी लगवाने के नाम पर युवक से छह लाख की ठगी की। शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तो पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल से गुहार लगाई। ग्वालटोली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। ग्वालटोली निवासी सुमित गौतम के अनुसार 2023 में उनके रिश्तेदार के साथ सुल्तानपुर निवासी अर्जुन आया था। परिचय हुआ और पता चला कि उसका भाई कृष्ण कुमार लखनऊ हाईकोर्ट में अधिवक्ता हैं। उनकी अच्छी पहचान है। इसके बाद हाईकोर्ट में ड्राइवर की नौकरी लगवाने के नाम पर उसने कई बार में छह लाख रुपये वसूले। आरोप है कि इसके बाद दोनों ने उन्हें एक फर्जी परिचय पत्र और नौकरी से संबंधित एक सूची दी। साथ ही सेलरी के लिए एक चेक दिया। चेक बाउंस होने पर लखनऊ हाईकोर्ट जाकर जानकारी की। तब सभी दस्तावेज फर्जी मिले। अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने धमकी दी। ग्वालटोली थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्जकर जांच की जा रही है।

वीडियो कॉल कर युवक फंदे से झूला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

आकाश उर्फ छोटू।

अमृत विचार। सचेंडी में घर में अकेले युवक ने ईयरफोन लगाकर किसी से वीडिया कॉल पर बात की, इसके बाद फंदे पर लटक गया। घरवाले बाहर से लौटे तो बेटे का शव लटका देख चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पुलिस ने जांच-पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने ईयरफोन लगा मोबाइल अपने कब्जे में लिया है। घरवालों के अनुसार आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं है, पुलिस ने प्रेम प्रसंग का शक जताया है।

धरमंगतपुर निवासी विनोद मजदूरी करते हैं। परिवार में पत्नी ननकी, शादीशुदा बेटी पूजा और दो बेटे दीपक व 28 वर्षीय आकाश उर्फ छोटू था। बड़ा बेटा दीपक परिवार के साथ दबौली में रहता है। पेशे से चालक आकाश माता-पिता के साथ रहता था। भाई के अनुसार बीते माह बहन की शादी हुई थी, बीते सप्ताह ही वह मायके आई थी। गुरुवार पिता काम पर गए थे। काकादेव छपेड़ापुलिया निवासी मौसी की तबियत खराब होने के कारण आकाश ने मां व बहन को उनका हालचाल लेने के लिए भेज दिया था। खुद घर पर अकेला था। परिजन देर शाम जब घर पहुंचे तो आकाश का शव फंदे से लटका देखा। दीपक के अनुसार आकाश के कान में ईयरफोन लगा था और सामने मोबाइल रखा था। जैसे उसने किसी से वीडियो कॉल पर बात करते हुए फांसी लगाई हो। पिता के अनुसार आकाश का किसी से कोई विवाद या लेनदेन भी नहीं है। कलह की कोई बात नहीं है।

कर्मचारियों का वेतन रिलीज

कानपुर। नगर निगम कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने नगर आयुक्त से मुलाकात की। कर्मचारियों का वेतन का भुगतान न होने की शिकायत की और समाधान की मांग की। इसपर नगर आयुक्त ने तत्काल अपर नगर आयुक्त आवेश खान को वेतन रिलीज करने का आदेश दिया इस दौरान संघ के अध्यक्ष मुन्ना हजारिया, महामंत्री रमाकांत मिश्र, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीलू निगम, देवीदीन, उपाध्यक्ष नरेंद्र खन्ना, रामगोपाल, संजय हजारिया समेत आदि लोग रहे।

जेई की मौत पर भी नहीं आईं पत्नी और बेटियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बड़े भाई ने की 20 से अधिक कॉल, एक के बाद कोई कॉल नहीं उठाई
- जाजमऊ में कमरे में मिला था क्षतविक्षत शव, कई साल से अकेले रहते थे

अमृत विचार। जाजमऊ के आदर्शनगर में सेवानिवृत्त जेई की मौत की खबर पाकर भी पत्नी व बेटियां नहीं आई। उन्हें 20 से अधिक कॉल की गई, लेकिन सूचना मिलने के बाद दूसरी कॉल नहीं रिसीव की। पोस्टमार्टम हाउस पर राह देखने के बाद जेई के बड़े भाई ने कहा कि दोनों के बीच पैसों को लेकर विवाद हुआ था। उसके बाद पत्नी व बेटियां वाराणसी से नहीं आईं।

सिंचाई विभाग से 2022 में सेवानिवृत्त 62 वर्षीय जेई विजय कुमार घोष का शव गुरुवार उनके कमरे में मिला था। वह अकेले रहते थे।

अक्सर भाई का हालचाल लेने वाली उनकी बहन कल्पना और आर्यनगर निवासी बड़े अजयकांत गुरुवार को उनका फोन स्विचऑफ होने पर घर पहुंचे तो घटना का पता चला था। दोनों ने पुलिस की मौजूदगी में दरवाजा खुलवाकर देखा तो कमरे में दुर्गंध भरी थी। पता चला कि विजय कुमार की कई दिन पहले मौत हो गई थी।

विजय की पत्नी इनकम टैक्स से सेवानिवृत्त पूर्णिमा अधिकारी व दो बेटियां इंद्राणी व ब्रह्माणी करीब चार से अनबन के कारण वाराणसी में रह रही हैं।

एक बेटी एमबीए व दूसरी कंप्यूटर साइंस से बीटेक कर रही है। भाई अजयकांत ने बताया कि पूर्णिमा को मौत की खबर दी थी। उसके बाद बहन व उनकी पत्नी ने उनके आने के संबंद्ध में करीब 20 कॉल की, लेकिन वह लोग नहीं आई। उन्होंने बताया कि पूर्णिमा से विवाद के बाद वह वाराणसी चली गईं थीं, उसके बाद नहीं लौटीं। तबसे वह यहां अकेले ही रह रहे थे।

उन्होंने बताया कि वाराणसी में पूर्णिमा का मायका और घर भी है। उन्होंने बताया कि न्यू ईयर भाई को शुभकामना देने के लिए कॉल किया था, लेकिन तबसे उनका फोन बंद चल रहा था। इस कारण गुरुवार को देखने गए थे। तब मौत का पता चला।

बदलाव | ज्यादातर बस और ट्रकों की बॉडी मानक के अनुरूप नहीं

अब लग्जरी बसों की बॉडी बढ़वाने का खेल खत्म

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। लग्जरी बसों की बॉडी बढ़वाकर उसमें अधिक सवारी ढोने का खेल खत्म हो जाएगा क्योंकि अब केंद्र सरकार ऐसी व्यवस्था करने जा रही है कि बस की चेसिस बेचने के बजाए पूरी बस बनाकर ही कंपनी देगी। ऐसे में बस की बनावट में कोई भी समस्या आएगी तो बस कंपनी जिम्मेदार होगी।

अभी ट्रक, बस व अन्य वाहन की चेसिस वाहन स्वामी खरीद लाते हैं और फिर किसी बॉडी मेकर से अपने हिसाब से उसकी बॉडी बनवाते हैं। ज्यादातर बस, ट्रक की बॉडी मानक से कोसों दूर होती है। बस की बॉडी इसलिए बढ़वाई जाती है ताकि सवारियों के लिए ज्यादा सीट लग सकें। लगेज रखने में भी कोई दिक्कत नहीं हो। इसी प्रकार ट्रकों के बाडी की लंबाई भी बढ़ा जाती है ताकि अधिक माल ढुलाई की जा सके लेकिन फिलहाल सर्वप्रथम बसों पर केंद्र सरकार शिकंजा कसने जा रही है ताकि बसों में होने वाली गड़बड़ी को रोका जा सके।

लग्जरी बसें यात्रियों से ज्यादा माल ढोती हैं। अमृत विचार

- अब कंपनी से ही बस की बॉडी मानक के अनुरूप बनकर आएगी
- बॉडी में छेड़छाड़ करने पर बस कंपनी पर कार्रवाई होगी

बस के नीचे बाक्स में ट्रक जैसा लगेज भरते

- लग्जरी बसों में बस के नीचे की ओर हैवी बाक्स अलग लोग बनवाये हुए हैं। इस बाक्स में ट्रक की तर्ज पर जबरदस्त माल ढुलाई होती है लेकिन अब नये नियम में लक्जरी बसें ऐसा नहीं कर पाएंगी। कंपनी से ही बस बनकर आएगी और यदि उसकी बनावट में कोई छेड़छाड़ की गई तो बस स्वामी को जिम्मेदार माना जाएगा।

बॉडी अवैध फिर भी हो जाती फिट

- बस या ट्रक की बॉडी चाहे जितना बढ़वाकर बना लें, संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय से बॉडी को पास कर दिया जाता है। कई ऐसी बसें भी कानपुर में पकड़ी जा चुकी हैं जिनका रजिस्ट्रेशन आरटीओ आफिस में सीट का है लेकिन ये बसें स्लीपर बनकर चल रही थीं। कई ट्रैक्टर की ट्राली ट्रक की तर्ज पर बनी होती हैं जो पूरी तरह अवैध है, ऐसी ट्रालियों को ट्रैक्टर सहित सीज करने का नियम है। बस हो या ट्रक की चेसिस, मजबूत एंगल जोड़कर चेसिस को बढ़ा देते हैं और फिर उसी पर पूरा ढांचा खड़ा कर देते है।

3000-3000 किमी दौड़ रही, सब आंखें बंद किये

- मानक से विपरीत यात्रियों की जान जोखिम में डाल रही ये लक्जरी बसों पर नजर रखने वालों की आंखें बंद रहती हैं। कानपुर से लग्जरी बसें 3000-3000 किमी तक दौड़ रही हैं, ये बसें विभिन्न प्रांतों, सैकड़ों जिलों से होते हुए गुजरती हैं लेकिन जिम्मेदारों को ये बसें नहीं दिखाई देतीं।

घर में घुसकर लुटेरे ने 73 हजार लूटे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

घटना की जानकारी देते वृद्धा के परिजन।

घटना बतातीं वृद्धा रमाबाई

- गुरुवार सुबह सात बजे की घटना, बाइक छोड़कर भागा लौटने पर दबोचा गया गड़रियनपुरवा में हुई वारदात

अमृत विचार। फजलगंज में गुरुवार सुबह सात बजे ही बदमाश घर में घुस गया और सोते समय 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला का गला दबाकर 73 हजार रुपये लूट लिए। भागते समय लुटेरे को पड़ोसियों ने देख लिया और शोर मचाया। पीछा करने पर लुटेरा बाइक छोड़कर भाग निकला। दो घंटे बाद वृद्धा के नाती के साथ बाइक लेने वापस पहुंचा तो लोगों ने दबोच लिया और पुलिस के हवाले किया। परिजनों ने नाती पर भी मिलीभगत का शक जताया है।

गड़रियनपुरवा के प्रतापगंज निवासी जितेंद्र बाल्मीकी फजलगंज में प्राइवेट नौकरी करते हैं और भाजपा लाजपतनगर मंडल के मीडिया प्रभारी हैं। उन्होंने बताया कि परिवार में पत्नी सुनीता व मां रमाबाई हैं। मां नगरनिगम से सेवानिवृत्त हैं। जितेंद्र के अनुसार गुरुवार सुबह सात बजे कोहरा था और मां घर के बाहर कमरे में सो रही थीं। तभी एक युवक घर में घुस आया। उसकी बाइक कुछ दूरी पर खड़ी थी। आहट पर मां ने उठने का प्रयास किया, तभी शातिर ने उनका गला दबा दिया, जिससे वह बेसुध हो गईं। इसके बाद उनके स्वेटर से 73 हजार रुपया लूटकर भाग निकला। उसे भागते देख पड़ोसियों ने शोर मचाया। पीछा किया तो लुटेरा बाइक छोड़कर भाग निकला। लोगों ने बाइक में ताला डाल दिया और उसके लौटने का इंतजार करने लगे। दो घंटे बाद शातिर वृद्धा के नाती के साथ अपनी बाइक लेने आया। इस पर लोगों ने दबोच लिया। उसने लूट की रकम वहीं फेंक दी। पकड़ने के बाद लोगों ने उसे पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया। जितेंद्र के अनुसार उनकी मां की 18 हजार रुपये महीना पेंशन आती है। खाते में जरीबचौकी निवासी उनके नाती का मोबाइल नंबर दर्ज है। उसे पेंशन की जानकारी होती रहती है। घरवालों ने नाती पर लुटेरे से मिलीभगत का आरोप लगाया है। फजलगंज थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि पकड़ा गया शातिर सीसामऊ निवासी पीयूष है। उसे जेल भेजा गया है।

सिटी ब्रीफ

चार पाठ्यक्रमों का परीक्षाफल घोषित

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के चार पाठ्यक्रमों का परीक्षाफल शुक्रवार को घोषित किया गया। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक राकेश कुमार ने बताया कि सम्बद्ध महाविद्यालयों के चार पाठ्यक्रमों एमएससी (मैथमेटिक्स), एमएससी (जन्तु विज्ञान), एमएससी (स्टेटिस्टिक्स), पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा (कम्प्यूटर एप्लीकेशन) की सत्र 2025-26 की विषम सेमेस्टर का परीक्षाफल घोषित कर दिया गया है। शेष पाठ्रकमों का परीक्षाफल शीघ्र घोषित किया जायेगा।

श्रम अधिकारियों व कर्मियों की हुई जांच

कानपुर। अपर श्रम आयुक्त कार्यालय में डॉ.लालचंदानी ईएनटी एंड हार्ट सेंटर ने एक दिवसीय निशुल्क हृदय और कान, नाक व गला जांच शिविर का आयोजन किया। ईएनटी ऑन्को सर्जन डॉ. देवार्थ लालचंदानी और वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ.आरती दवे लालचंदानी ने शिविर में कर्मचारियों और अधिकारियों के हृदय और ईएनटी संबंधित जांच की। डॉ.आरती लालचंदानी ने बताया कि सर्दियों के मौसम में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ने से हृदय पर दबाव बढ़ जाता है, जिससे उच्च रक्तचाप और हृदय रोगों का खतरा बढ़ता है, इसलिए नियमित जांच और सही खानपान अनिवार्य है। डॉ. देवार्थ लालचंदानी ने एलर्जी और गले के संक्रमण के प्रति कर्मचारियों को सचेत किया और बचाव के तरीके साझा किए। बताया कि शिविर का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को व्यस्त कार्यशैली के बीच उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था।

नए टैरिफ की आहट से हड़कंप, उत्पादन धीमा

नुकसान के डर से 15 दिन तक बनी रह सकती है यह स्थिति, प्रोडक्शन यूनिट्स में उत्पादन पर पड़ा असर

बाजार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अमेरिका की ओर से भारत पर 500 फीसदी तक टैरिफ लगाए जाने की आहट से निर्यात बाजार में हलचल है। नुकसान के डर से निर्यात युनिट्स में उत्पादन धीमा कर दिया गया है। युनिट्स में 10 फीसदी उत्पादन धीमा किए जाने क बाद निर्यातक 15 दिन का इंतजार करने की योजना बना रहे हैं।

अमेरिका की ओर से भारत पर इससे पहले भी 50 फीसदी टैरिफ लगाया था। एक अनुमान के मुताबिक इस टैरिफ से शहर का लगभग 50 फीसदी कारोबार सीधेतौर पर प्रभावित हुआ है। इसके बाद जब अमेरिका के बाजार से टूट चुके निर्यातक नए वैश्विक बाजार की ओर रुख कर रहे हैं ऐसे में अमेरिका की ओर से दूसरे टैरिफ की आहट शुरू हो गई।

नए टैरिफ के बिल को अमेरिकी राष्ट्रपति के मंजूरी के बाद निर्यातकों ने अपनी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। उन्होंने प्रोडक्शन युनिट्स में उत्पादन के धीमे किए जाने का निर्णय लिया है।

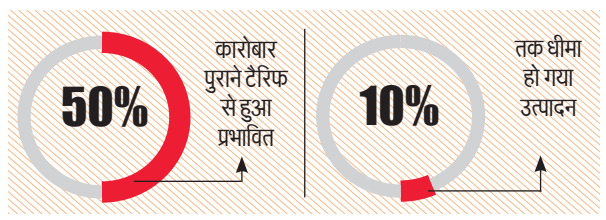

2500 करोड़ के कारोबार पर 50 फीसदी टैरिफ से प्रभावित

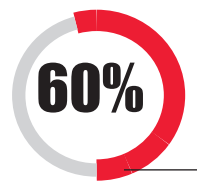

बातचीत का दौर शुरू

शहर में अमेरिका में सबसे अधिक लेदर व लेदर गुड्स का निर्यात होता है। लेदर सेक्टर के पास शहर से कुल निर्यात का लगभग 60 फीसदी हिस्सेदारी है। ऐसे में पूर्व में लगे टैरिफ से इस हिस्सेदारी का लगभग 50 फीसदी सीधे प्रभावित हुआ है। नए टैरिफ की हलचल भी सबसे अधिक इसी सेक्टर में है। नए टैरिफ के बिल के मंजूर होने के बाद निर्यातक व खरीदारों के बीच बातचीत का दौर शुरू हो गया है।

कहीं तेज तो कहीं धीमा

- नए टैरिफ पर शहर में दो तरफा काम हो रहा है। ऐसे निर्यातक जिनके पास काफी पहले के ऑर्डर है और ऑर्डर पूरा करने में 10 से 30 फीसदी उत्पादों को भेजा जाना है वे जल्द से जल्द पूरा ऑर्डर समय से पहले भेजने की योजना पर काम कर रहे हैं। जिससे स्थिति साफ होने तक भुगतान संबंधी पूरी प्रक्रिया खत्म किया जा सके। इससे उलट ऐसे निर्यातक जिन्हें हाल ही में नए ऑर्डर मिले हैं वे प्रोडक्शन धीमा कर रहे हैं।

पुराने टैरिफ ने ही कारोबार की कमर तोड़ दी है। अब नए टैरिफ की निर्यातक परेशान हैं। वे यह नहीं समझ पा रहे हैं कि इस स्थितियों से किस तरह से निपटा जाए। फिलहाल वे इंतजार कर रहे हैं। यह भी उम्मींद जता रहे है कि आगे सब बेहतर होगा। फिलहाल निर्यातक किसी भी कारोबारी निर्णय के लिए 15 से 20 दिनों का इंतजार कर रहे हैं।

–डॉ. जफर नफीस, निर्यातक

शहर का लेदर से जुड़ा ज्यादातर निर्यात कारोबार अमेरिका की बाजार से ही जुड़ा है। ऐसे में इतना अधिक टैरिफ यदि लगता है तो शहर का लेदर सेक्टर बुरी तरह से प्रभावित होगा। नए ऑर्डर की तलाश में चमड़ा कारोबारियों को दूसरे देशों का रुाख करना होगा। यह आसान नहीं होगा। काफी कठिनाई का सामना करना होगा।

–मोहम्मद हसीमुद्दीन, निर्यातक

टैरिफ से सबसे अधिक छोटे निर्यातकों को नुकसान होगा। बड़े निर्यातक फिर भी अपनी बाजार ख्याति से दूसरे मुल्कों से भी ऑर्डर भविष्य में हासिल कर सकते हैं। छोटे कारोबारी के लिए यह आसान नहीं होगा। छोटे निर्यातकों को नए बाजार के लिए बहुत पूंजी की जरूरत है। यह उनके पास काफी कम हैं।

–मोहम्मद अली, निर्यातक

हम लोग पहले से ही नए बाजार की ओर रुख कर रहे हैं। नए बाजार में उत्पाद भेजना काफी मुश्किल का सौदा साबित हो रहा है। दूसरे मुल्क के खरीदार फिलहाल नए निर्यातकों से सीमित मात्रा में ही उत्पाद मंगा रहे हैं। इस मार्केट रिसर्च में काफी समय बर्बाद हो रहा है। अब लगता है कि नए सिरे से कारोबार कर रहे हैं।

–मोहम्मद साकिब, निर्यातक

चिड़ियाघर के अंदर मार्गों का उदघाटन करते अधिकारी। अमृत विचार

चिड़ियाघर के मार्गों का जीर्णोद्धार कराया गया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शुक्रवार को चिड़ियाघर के अंदर के मार्गों का जीर्णोद्धार कराया गया जिसका उद्घाटन द इंडिया थर्मिट कारपोरेशन लि. के सचिव सीएस दिवाकर एवं चिड़ियाघर के निदेशक डॉ. कन्हैया पटेल ने किया। इस अवसर पर नवेद इकराम, क्षेत्रीय वन अधिकारी, प्रशासन फिरोज खान, क्षेत्रीय वन अधिकारी, संरक्षण, शादाब अहमद, वन्य जीव रक्षक, करन गौतम, वन दरोगा, इतू सचान वन्य जीव रक्षक रविन्द्र तिवारी आदि मौजूद रहे।

अब रायबरेली में मृत मिली डाल्फिन हार्टअटैक से मौत का अंदेशा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर के बाद रायबरेली में एक डॉल्फिन की मौत हो गयी है। मृत डॉल्फिन को कानपुर चिड़ियाघर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक रिपोर्ट में रायबरेली में मृत डॉल्फिन के लीवर, किडनी और फेफड़े जैसे अंग पूरी तरह स्वस्थ मिले हैं और न ही शरीर पर कोई चोट का निशान मिला है। ऐसा समझा जाता है कि डॉल्फिन की मौत हार्ट अटैक से हुई है। इन नर डॉल्फिन की उम्र 8 साल और वजन 70 किलो है। इसके पूर्व कानपुर के जाजमऊ में 2 जनवरी को एक डॉल्फिन मृत पाई गई थी। मृत डॉल्फिन रायबरेली में गंगा नदी से कनेक्टेड शारदा नहर में मिली। वन विभाग की टीम ने मृत डॉल्फिन को जांच के लिए कानपुर चिड़ियाघर भेजा है। बताते चलें कि बीते 17 दिनों में प्रदेश में तीन डॉल्फिन की मौत हो चुकी है। कानपुर, रायबरेली के अतिरिक्त गाजीपुर में डॉल्फिन मृत मिल चुकी है।

ट्रकों में मिले कानफोड़ू हार्न 74 से अधिक चालान किए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- घाटमपुर व नौबस्ता हाईवे पर आरटीओ प्रवर्तन ने की घेराबंदी
- अवैध पार्किंग, वाहनों में सीट बेल्ट बिना वाहन चलाते मिले लोग

अमृत विचार। घाटमपुर हाईवे पर आरटीओ की टीम ने चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान प्रवर्तन की टीम दंग रह गई जब कुछ ट्रक चालकों से हार्न बजाने के लिए कहा गया तो हार्न में इतना प्रेशर था कि लगा कान का पर्दा फट जाएगा। ऐसे वाहनों के चालान किये गये और हार्न हटवाये गये।

शुक्रवार को संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राहुल श्रीवास्वत की अगुवाई में सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत वाहन सवारों को यातायात नियमों की जानकारी दी। इस दौरान दर्जनों ट्रकों में प्रेशर हार्न मिले। इस पर चालकों का कहना था कि राहगीर बीच सड़क पर चलते हैं और जल्दी हटते नहीं है इसीलिये इस प्रकार तेज ध्वनि वाले हार्न लगाने पड़ते हैं। प्रवर्तन की टीम ने वाहनों के रिफ्लेक्टर, सीट बेल्ट, अवैध पार्किंग, गलत दिशा में ड्राइविंग, बिना हेलमेट दो पहिया वाहनों का संचालन और वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने वालों को भी चेक किया और 74 लोगों का चालान किया गया। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि कई ओवरलोड वाहनों के चालान किये गये। कई वाहनों की हेड लाइट कमजोर मिली। कई वाहनों के इंडीकेटर नहीं चल रहे थे। कुछ चालक नशे में भी मिले जिनकी ब्रीथ एनेलाइजर से चेकिंग की गई।

जीवन का उद्देश्य है मोक्ष की प्राप्ति

कानपुर। कल्यानपुर खुर्द में चल रही शिव महापुराण कथा में आचार्य योगेश अवस्थी ने बताया कि हर मनुष्य को यह पता होना चाहिए कि उसके जीवन का उद्देश्य क्या है। हर मानव के जीवन का उद्देश्य होता है मोक्ष की प्राप्ति अर्थात आवागमन से मुक्ति। यह जिसने जान लिया वह सारे संसार के झंझावात से छूट जाता है और उसे सद्गति प्राप्त हो जाती है। मन ही बंधन और मोक्ष का कारण बनता है। इसलिए कर्म करते रहिए और अपना मन परमात्मा में बनाए रखें। गणेश भगवान और उनके विवाह का संवाद बताया गया। कथा में मोनू अवस्थी, प्रभा त्रिवेदी, ज्योति त्रिवेदी, अमित त्रिपाठी, विजय त्रिपाठी रहे।

पंचायत चुनाव के लाखों मतदाताओं का पुनः सत्यापन

कानपुर। कानपुर नगर में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को निष्पक्ष कराने एवं डुप्लीकेट मतदाताओं को सूची से बाहर का रास्ता दिखाने के लिए पुनः सत्यापन अभियान चलेगा। अनुमान है कि लगभग 5.17 लाख मतदाताओं का पुनः सत्यापन 20 फरवरी तक किया जाएगा।

राज्य निर्वाचन आयोग ने अंतिम सूची प्रकाशन की तारीख 28 मार्च कर दी है। डुप्लीकेट मतदाताओं के नामों के सत्यापन का काम 20 फरवरी तक चलेगा और फिर 21 फरवरी से 16 मार्च तक मतदाता सूची में नाम जोड़े जाएंगे। इस दौरान बीएलओ घर-घर सत्यापन और अभिलेखीय जांच के बाद वास्तविक डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान करेंगे। अभी तक चले अभियान में 29 हजार से अधिक दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जा चुका है। जिले में 590 ग्राम पंचायतों में पुनरीक्षण अभियान के बाद 12 लाख 84 मतदाताओं की सूची तैयार की गई थी। छह जनवरी तक चले अभियान में 29 हजार दावे-आपत्तियों का निस्तारण करके मतदाता सूची प्रकाशन की तैयारी की जा रही थी लेकिन बुधवार को निर्वाचन आयोग ने अंतिम मतदाता सूची प्रकाशन की तिथि 28 मार्च कर दी है।

दक्षिण उद्योग व्यापार मंडल के लिए नामांकन आज से

चुनाव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कुल 35 फार्म बिके, बाजारों में संपर्क हुआ तेज, 18 जननवरी को मतदान और मतगणना
- 10 और 11 जनवरी को दोपहर 2 से शाम 4 बजे तक प्रत्याशी करा सकते हैं नामांकन

अमृत विचार। कानपुर उद्योग व्यापार मंडल दक्षिण के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शनिवार से पर्चे भरने का काम शुरू होगा। पहली बार श्याम बिहारी मिश्र गुट की दक्षिण क्षेत्र के लिए अलग स्वतंत्र कमेटी बनेगी। मुख्य चुनाव अधिकारी रामेश्वर गुप्ता ने बताया 8 और 9 जनवरी को कुल 35 फॉर्म नामांकन हेतु प्रत्याशियों ने खरीदे हैं। 10 व 11 जनवरी को दिन में 2 से 4 बजे तक प्रत्याशी नामांकन दाखिल कर सकते हैं। 12 जनवरी को शाम 4 बजे तक नामांकन वापसी होगी। 13 को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। 18 जनवरी को 10 से 3 बजे तक मतदान फिर मतगणना होगी। परिणाम उसी दिन शाम 7 बजे तक घोषित कर दिए जाएंगे। पूरी चुनाव प्रक्रिया मुख्य चुनाव अधिकारी के अलावा चुनाव अधिकारी चंद्र प्रकाश सोमानी, प्रदीप पांडे, सरताज अहमद, देवी प्रसाद खन्ना की देखरेख में होगी।

उत्तर जिले की तरह दक्षिण में भी सर्वसम्मति से चुनाव के प्रयासः प्रत्याशियों ने बाजारों में संपर्क तेज कर दिया है। अध्यक्ष के लिए अभी अचल गुप्ता और निर्मल त्रिपाठी मैदान में हैं। निर्मल ने कई बार अध्यक्ष बनने की कोशिश की, लेकिन कभी नाम वापस लिया तो कभी हार गए। इस बार जमकर प्रचार कर रहे हैं। कह रहे हैं कि व्यापारियों के हित में आंदोलन में जेल गए, अभी भी दो मुकदमे चल रहे हैं। कई बार प्रदेश कार्यकारिणी में समायोजित करने के वादे किए गए, लेकिन अभी तक इंतज़ार ही है। इस बार पीछे हटने वाले नहीं हैं। अचल गुप्ता भी अरसे से इस व्यापार मंडल से जुड़े हैं और प्रदेश अध्यक्ष के करीबी हैं। चेयरमैन मणिकांत के भी खास माने जाते हैं। हालांकि उत्तर जिले की तरह दक्षिण क्षेत्र में भी सर्वसम्मति से निर्वाचन के लिए दावेदारों से बात की जा रही है। बताते हैं, निर्मल को कोई और पद देकर समझाने की कोशिश हो रही है। इसमें प्रदेश अध्यक्ष की भूमिका प्रभावी होगी। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्थिति साफ होगी।

जीटी रोड पर पाइप लाइन मरम्मत के लिए खोदा गया गड्ढा। अमृत विचार

जीटी रोड की दुर्दशा सीएम तक पहुंची

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सीएम को राहगीर ने भेज दिए थे फोटो और वीडियो

अमृत विचार। जीटी रोड की हालत सुधरने का नाम नहीं ले रही है। यह मार्ग मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए गड्ढा सड़क अभियान को आईना दिखा रहा है। जीटी रोड पर हुए गड्ढे की मरम्मत करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खुद मामला संज्ञान में लेना पड़ रहा है। तब जाकर मरम्मत कार्य किया जा रहा है। दरअसल, रावतपुर व गोल चौराहा के बीच में एलपीएस कार्डियोलॉजी संस्थान है, जिसके सामने जल संस्थान की पानी की पाइप लाइन फटने की वजह से गड्ढा हो गया था और पानी बहकर सड़क पर फैल रहा था, जिसकी वजह से सड़क बार-बार गड्ढे में तब्दील हो जा रही थी।

मार्ग पर गहरा गड्ढा होने की वजह से जाम भी काफी लग रहा था। ऐसे में किसी राहगीर ने फोटो व वीडियो बनाकर मुख्यमंत्री व डीजीपी को एक्स पर पोस्ट कर शिकायत कर दी थी, जिसका संज्ञान मुख्यमंत्री व डीजीपी ने लिया और मरम्मत कार्य जाने के सख्त निर्देश संबंधित विभाग को दिए।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर जलकल विभाग ने सही से खोदाई करने के बाद पाइप लाइन दुरुस्त् की और उसके बाद गड्ढे को भरा। इस दौरान पुलिस बल मौके पर ही मौजूद रहा। इस दौरान आसपास बैरिकेडिंग कर दी गई थी, जिसकी वजह से यहां पर जाम के हालात बने हुए थे। सबसे ज्यादा एंबुलेंस को निकलने में हुई।

प्रतिभा

मोबाइल का अत्यधिक उपयोग विद्यार्थी के लिए हानिकारक, चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया

जीजीआईसी में कई सीख दे गई नवप्रवर्तन प्रदर्शनी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नवप्रवर्तन केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं होते, बल्कि किसान, कारीगर, मैकेनिक और श्रमिक वर्ग अपने दैनिक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए जो सरल और व्यावहारिक उपाय खोजते हैं, वही वास्तविक नवप्रवर्तन की पहचान होते हैं। ऐसे नवाचारों को संस्थागत सहयोग मिलना आवश्यक है, जिससे वे व्यापक स्तर पर उपयोगी बन सकें।

शुक्रवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज चुन्नीगंज में जिला स्तरीय नवप्रवर्तन प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार नवप्रवर्तन जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र से जुड़े जमीनी स्तर के नवप्रवर्तकों की पहचान कर उनके नवाचारों को मंच प्रदान करना रहा। उद्घाटन जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने किया। उद्घाटन के उपरांत जिलाधिकारी ने विभिन्न स्टालों का अवलोकन करने के साथ ही प्रतिभागियों से संवाद किया और उनके नवाचारों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नवप्रवर्तन केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं होते, बल्कि किसान, कारीगर, मैकेनिक और श्रमिक वर्ग अपने दैनिक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए जो सरल और व्यावहारिक उपाय खोजते हैं, वही वास्तविक नवप्रवर्तन की पहचान होते हैं। ऐसे नवाचारों को संस्थागत सहयोग मिलना आवश्यक है, जिससे वे व्यापक स्तर पर उपयोगी बन सकें।

तकनीक साधन है, लक्ष्य नहीं : जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से दूरी बनाए रखने की अपील करते हुए तकनीक का संतुलित और उद्देश्यपूर्ण प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि तकनीक साधन है, लक्ष्य नहीं, और इसका विवेकपूर्ण उपयोग ही विद्यार्थियों के भविष्य को सशक्त बना सकता है।

जीजीआईसी में प्रदर्शनी में बच्चों ने बनाए मॉडल। अमृत विचार

आठ पुरस्कारों की घोषणा

सेवा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक विकसित भारत की व्यापक थीम पर आयोजित जनपद स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता के तीन वर्गों के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। निर्णायक मंडल द्वारा स्टाल निरीक्षण एवं मूल्यांकन के आधार पर कुल आठ पुरस्कारों की घोषणा की गई। विजेताओं में अनीता पाल, हेमंत तिवारी, गौरी तिवारी, योगेश कुमार झा, रश्मि सिंह, प्रियंका मिश्रा, संजय आनंद द्विवेदी और शालिनी गुप्ता शामिल रहे। कार्यक्रम का समापन मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन द्वारा किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार राय शिल्पी यादव प्रधानाचार्य मंगलम गुप्ता जिला विज्ञान क्लब की समन्वयक किरण प्रजापति, सह-समन्वयक संगीता सिंह, सहायक जिला विद्यालय निरीक्षक प्रशांत द्विवेदी, प्रधानाचार्य संजय यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

बिजलीघर के बाहर केस्को कर्मियों का प्रदर्शन

कानपुर। परेड स्थित बिजलीघर के बाहर शुक्रवार को विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने निजीकरण, श्रम संहिता और इलेक्ट्रिसिटी बिल में संशोधन के विरोध में प्रदर्शन किया। कहा कि इस संबंध में 12 फरवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का समर्थन किया। संयोजक भगवान मिश्रा के मुताबिक निर्णय लिया गया है कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण पर विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। दूसरी ओर केस्को की विजिलेंस टीम ने शुक्रवार को साइकिल मार्केट उपकेंद्र में हाई लाइनलॉस फीडरों पर बिजली चोरी रोकने के लिए अभियान चलाया, जिसमे छह लोगों को बिजली चोरी करते पकड़ा गया। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक हीरामन का पुरवा में आमिर, वसीम करम, तराना, अर्रा में अभिषेक गौतम, अनूप कुमार और श्रीदेवी के खिलाफ बिजली चोरी की एफआईआर दर्ज कराकर कार्यवाही की गई।

दिल्ली से कानपुर तक बैलगाड़ी की तरह रेंगती आईं कई ट्रेनें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कोहरे के कारण 100 से अधिक ट्रेनें अभी भी अपने निर्धारित समय से भटकी हुई हैं। नई दिल्ली से बरौनी जा रही एक्सप्रेस ट्रेन को नई दिल्ली से कानपुर पहुंचने में 14 घंटे से अधिक समय लगा। कारण ये रहा कि बैलगाड़ी की तर्ज पर इस ट्रेन को कई स्टेशनों पर घंटों रोके रखा गया।

गुरुवार की रात में कानपुर सेंट्रल स्टेशन पहुंचने वाली कई गाड़ियां शुक्रवार को दोपहर तक आती रहीं। नई दिल्ली से कानपुर आने वाली श्रमशक्ति एक्सप्रेस की लेटलतीफी में थोड़ा सुधार हुआ है, ये गाड़ी 4 घंटे देरी से स्टेशन पहुंची। शुक्रवार को धूप खिलने से नई दिल्ली से लखनऊ जा रही स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस भी 45 मिनट ही ले रही लेकिन नई दिल्ली से गुवाहाटी, भुवनेश्वर, पटना, कोलकाता जान वाली राजधानी एक्सप्रेस ट्रेनें कई कई घंटे लेट रहीं।

विमान भी थोड़ा लेटः हैदराबाद की फ्लाइट में 160 यात्री कानपुर आए, ये फ्लाइट दोपहर 12.28 बजे कानपुर आई जबकि दोपहर 1.05 बजे 165 यात्रियों को लेकर हैदराबाद के लिए रवाना हुई। इसी तरह बेंगलुरु की फ्लाइट दोपहर 11.58 बजे 128 यात्री आए लेकिन दोपहर 12.28 बजे 165 यात्रियों को लेकर बेंगलुरु रवाना हुई। दिल्ली फ्लाइट दोपहर 1.56 बजे 134 यात्रियों को लेकर कानपुर पहुंची और दोपहर 2.24 बजे 152 यात्रियों को लेकर दिल्ली टेकआफ हुई। मुंबई फ्लाइट सायं 4.27 बजे 97 यात्रियों को लेकर आई सायं 5 बजे 171 यात्री लेकर रवाना हुई।

- नई दिल्ली से बरौनी जा रही एक्सप्रेस ट्रेन 14 घंटे से ज्यादा समय में कानपुर पहुंची

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 10 जनवरी 2026

सिटी ब्रीफ

एसआईआर में नौ लाख वोट कटे

कानपुर। नवीन मार्केट स्थित सपा कार्यालय में शुक्रवार को पीडीए प्रहरियों की आकस्मिक बैठक हुई, जिसमे नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि पीडीए प्रहरियों ने एसआईआर में नगर के पांचों विधानसभा क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य करके फर्जी वोटर, डुप्लीकेट वोटर और मृतकों की पहचान व एब्सेंट पर जो कार्य किया है, उससे भाजपा वोट बढ़ाने का गलत प्रयोग कर रही है। सपा फॉर्म 6 का गहन अध्ययन आरंभ कर रही है। एसआईआर अभियान में नौ लाख वोट काटने की आशंका है, सही साबित हुई। इस दौरान प्रदेश सचिव केके शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, महासचिव संजय सिंह, आनंद शुक्ला, महेंद्र सिंह, रजत मिश्रा समेत आदि रहे।

तस्कर गिरफ्तार

कानपुर। थाना किदवई नगर पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी करने वाली महिला तस्कर और एक अन्य आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में गांजा बरामद किया गया है। किदवई नगर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ चला रखा है अभियान।

किडनी ट्रांसप्लांट के लिए पीजीआई का इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर

शासन की तीन सदस्यीय टीम ने किया निरीक्षण, देखी तैयारियां और कागजात

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल और जीएसवीएसएस पीजीआई में ऐसे कई मरीज आते हैं, जिनको ट्रांसप्लांट की जरूरत होती है, लेकिन शहर के सरकारी संस्थानों में इसकी सुविधा नहीं होने पर मरीजों को लखनऊ, दिल्ली मुंबई या चेन्नई समेत आदि जगह जाना पड़ता है। किडनी ट्रांसप्लांट जीएसवीएसएस पीजीआई में ही हो सके, इसके लिए शासन स्तर से गठित तीन सदस्यीय टीम ने यहां पर निरीक्षण किया, कागजात देखे और तैयारियों पर प्राचार्य प्रो. संजय काला से जानकारी ली। साथ ही टीम ने कुछ सुझाव भी दिए।

जीएसवीएसएस पीजीआई में शासन की तीन सदस्यीय टीम को जानकारी देते प्राचार्य प्रो .संजय काला। अमृत विचार

जीएसवीएसएस पीजीआई में शुक्रवार को शासन से गठित टीम में शामिल केजीएमयू से डॉ.अभिनव अरुण सोनकर, एसजीपीजीआई से डॉ.नारायण प्रसाद और डॉ.आरएमएलआईएमएस से डॉ.ईश्वर राम दयाल पहुंचे, यहां पर टीम ने जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला, उप प्राचार्य प्रो.रिचा गिरी, हैलट के प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह और सीएमएस डॉ.सौरभ अग्रवाल के साथ निरीक्षण किया। टीम ने नेफ्रोलॉजी विभाग और यूरोलॉजी विभाग में प्रतिदिन आने वाले मरीजों की जानकारी ली। टीम ने यहां पर किडनी ट्रांसप्लांट से संबंधित जरूरतों को समझा। आईसीयू व ऑपरेशन थिएटर में मौजूद व्यवस्थाओं और उपकरणों को परखा। इसके बाद किडनी ट्रांसप्लांट को लेकर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज प्रशासन द्वारा क्या तैयारियां की जा रही हैं, इसपर मुख्य फोकस किया। टीम के मुताबिक यहां पर किडनी ट्रांसप्लांट शुरू होने से लखनऊ पर भार कम हो जाएगा। किडनी ट्रांसप्लांट सेंटर के लिए यहां का इंफ्रास्ट्रेक्चर सही है।

केंद्र सरकार जारी कर चुकी है 1.43 करोड़ रुपये

- केंद्र सरकार ने जीएसवीएसएस पीजीआई में किडनी ट्रांसप्लांट सेंटर के लिए एक करोड़ 43 लाख की धनराशि जारी कर दी है। किडनी ट्रांसप्लांट सेंटर के उपकरण आदि के लिए केंद्र की संस्था हाइट्स को जिम्मेदारी देने की योजना है। सेंटर के संचालन के संबंध में डीजीएमई, सोटो और नोटो को भी पत्र लिखा जा चुका है। ताकि जल्द से जल्द से यहां पर किडनी ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया शुरू हो सके।

ब्रेन स्टेम डेथ कमेटी का हो चुका है गठन

- प्रदेश के राजकीय मेडिकल कॉलेजों में पहली बार ब्रेन स्टेम डेथ कमेटी का गठन जीएसवीएम में किया गया है। यह कमेटी ब्रेन डेथ मरीजों के अंगदान के संबंध में उनके तीमारदारों की सहमति पर निर्णय लेगी। घोषणा के बाद मरीज के तीमारदार की लिखित अनुमति के बाद ब्रेन डेथ मरीज का अंगदान होगा।

किडनी ट्रांसप्लांट के यह होते हैं फायदे

- नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. युवराज गुलाटी के मुताबिक डायलिसिस जैसे विकल्पों की तुलना में किडनी ट्रांसप्लांट के कई फायदे होते हैं। किडनी ट्रांसप्लांट किडनी के फंक्शन को पूरी तरह से रिस्टोर करता है, जिससे मरीज के जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार होता है। डायलिसिस के विपरीत ट्रांसप्लांट किडनी के नेचुरल, फिजिओलॉजिकल फंक्शन को सपोर्ट करता है, जो किडनी के फंक्शन के लिए एक मैकेनिकल सब्सिटिट्यूट के रूप में काम करता है। इससे मरीज को बेहतर और ज्यादा आसानी से जीवन जीने में मदद मिलती है। किडनी ट्रांसप्लांट न सिर्फ किडनी को फिर सही तरीके से कार्य करने में मदद करता है, बल्कि एंड स्टेज किडनी डिजीज (ईएसकेडी) के जोखिम को भी कम करता है।

दिल्ली की पूर्व सीएम के खिलाफ सिखों का गुस्सा फूटा

कानपुर। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी द्वारा दिल्ली विधानसभा में दिया गया बयान गुरु साहब का अपमान है। आतिशी की विधानसभा से सदस्यता खत्म की जाए। ये मांग सिखों ने की है।

शुक्रवार को सिख समाज की बैठक हुई जिसमें आम आदमी पार्टी की विधायक आतिशी की घोर निन्दा की गई और चेतावनी दी गई कि इस प्रकार धर्मगुरुओं एवं महापुरुषों के खिलाफ बयानबाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सिख समाज संस्था के अध्यक्ष सरदार गुरविंदर सिंह वासू प्रिंस ने कहा कि सबको याद रखना चाहिए कि गुरुओं ने हिन्दुस्तान व हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया। आतिशी द्वारा दिया गया बयान बहुत ही शर्मनाक और मानसिक दिवालियापन की निशानी है। महासचिव गगनदीप सिंह चड्ढा, मनजीत सिंह चड्ढा,संदीप सिंह, गुरदीप सिंह एस के ,अमरजीत सिंह चड्ढा,सिमर सिंह, हरजोत सिंह, परमजीत सिंह खालसा, तजिंदर पाल सिंह खालसा मौजूद रहे।

मानवाधिकार पर जागरुकता फैलाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय मानव अधिकार संगठन का वार्षिक उत्सव कैंप कार्यालय निराला नगर में मनाया गया जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग चंद्रवंशी व राष्ट्रीय कमेटी के समस्त पदाधिकारी प्रदेश कमेटी मंडल कमेटी जिला कमेटी सभी कमेटियों के सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर प्रसाद और कंबल वितरण किया गया। अध्यक्षता करते हुए भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन के मंडलाध्यक्ष अनिल शर्मा टीटू ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग चंद्रवंशी ने सभी कमेटियों के अध्यक्षों को बताया कि अपने-अपने जिले में मानव अधिकार हितों की रक्षा के लिए तरह-तरह के कार्यक्रम कर जागरूकता फैलाएं। शहर में भी जागरूकता कार्यक्रम किए जाएंगे। कार्यक्रम में राजा चंद्रवंशी की पत्नी जय चंद्रवंशी, एमएलसी अविनाश सिंह चौहान, पीसी शुक्ला, रामेंद्र बाजपेई, देवेंद्र भाटिया, दिनेश यादव संतोष सिंह, अनूप त्रिपाठी, रवि प्रकाश, , विकास दुबे, आलोक चंद्रवंशी, सचिन त्रिपाठी , रविंद्र बाजपेई, दिनेश यादव, संतोष जायसवाल आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग चंद्रवंशी का स्वागत करते अनिल शर्मा। अमृत विचार

- भारतीय मानव अधिकार संगठन का वार्षिक उत्सव

सीएसजेएमयू की छात्रा कीर्ति का राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- प्रधानमंत्री की मौजूदगी में विचार प्रस्तुत करेंगी

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय की एनएसएस अटल इकाई प्रथम की स्वयंसेविका कीर्ति शुक्ला राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में चयनित हुई हैं। यह प्रतियोगिता विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद है। कीर्ति शुक्ला ने एक बहु-स्तरीय चयन प्रक्रिया में हिस्सा लिया था। इस राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में 'आत्मनिर्भर भारत-मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' ट्रैक में प्रथम स्थान प्राप्त कर उन्होंने प्रदेश एवं विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। कीर्ति उत्तर प्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए 9 से 12 जनवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में सहभागिता करेंगी। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला एवं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर जैसी विशिष्ट हस्तिया की उपस्थिति में अपने विचार प्रस्तुत करेंगी।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक व कुलसचिव राकेश कुमार मिश्र,डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ.अंशु यादव एवं एनएसएस समन्वयक श्याम मिश्रा,कार्यक्रम अधिकारी डॉ.ममता तिवारी ने कीर्ति को शुभकामनाएं दीं।

किआ सेल्टोस के नये वेरिएंट लांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। किआ इंडिया की मिड-एसयूवी ऑल न्यू किआ सेल्टोस के नए वेरिएंट्स को खन्ना किआ, पार्वती बागला रोड, सिविल लाइन्स में लांच किया गया। इस दौरान अभिरुप खन्ना, उर्वशी खन्ना, खन्ना किआ की पूरी टीम मौजूद रहीं। लॉन्च के दौरान ऑल-न्यू किआ सेल्टोस के आकर्षक और दमदार नए डिज़ाइन, प्रीमियम इंटीरियर और अत्याधुनिक तकनीक का अनुभव किया। बताया गया कि एसयूवी में बोल्ड स्टाइलिंग के साथ-साथ परिष्कृत ड्राइविंग अनुभव मिलता है। ऑल-न्यू किआ सेल्टोस में 1.5 लीटर पेट्रोल, 1.5 लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.5 लीटर डीज़ल इंजन विकल्प उपलब्ध हैं। जो पावर, परफॉर्मेंस और बेहतर माइलेज प्रदान करते हैं। नई सेल्टोस में एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम, किआ कनेक्ट 2.0, बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, प्रीमियम साउंड सिस्टम और बेहतर सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। जो इसे अपने सेगमेंट में और भी खास बनाते हैं। इस दौरान अभिरुप खन्ना ने कहा कि ऑल-न्यू किआ सेल्टोस कानपुर के ग्राहकों के लिए स्टाइल, टेक्नोलॉजी और परफॉर्मेंस का बेहतरीन संयोजन है और उन्हें पूरा विश्वास है कि यह एसयूवी शहर में फिर से एक नया बेंचमार्क स्थापित करेगी।

किआ सेल्टोस का नया वेरिएंट लांच किया गया। अमृत विचार

केमिकल कारोबारी के यहां सर्वे, वसूला दो करोड़ टैक्स

कानपुर। एसजीएसटी ने केमिकल कारोबारी के गाजियाबाद समेत तीन ठिकानों पर एक साथ सर्वे किया। 10 करोड़ रुपये की हेराफेरी का खुलासा हुआ है। विभाग ने दो करोड़ रुपये का टैक्स वसूला।

केमिकल कारोबारी के गाजियाबाद, किसान नगर फजलगंज स्थित फैक्टरी, कार्यालय में टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान तमाम कागजात भी मिले, जिससे यह साबित हो गया कि कारोबारी ने टैक्स छुपाया है। कागजों की जांच में अबतक 10 करोड़ की हेराफेरी सामने आई है। इस आधार पर दो करोड़ रुपये टैक्स वसूला गया। उधर विभाग की दूसरी कार्रवाई ट्रांसपोर्टर के छोटा लखनपुर पर की गई। कार्रवाई में सामने आया कि ट्रांसपोर्ट की आड़ में कारोबारी दो बसों का परिचालन भी चोरी-छिपे करा रहा था। इन बसों के जरिए बुकिंग भी ली जा रही थी। नियमानुसार पांच फीसदी जीएसटी देय है पर ऐसा नहीं हुआ। ट्रांसपोर्टर से 50 लाख रुपये टैक्स वसूला गया।

कानपुर गौशाला सोसाइटी के चुनाव की जल्द होगी घोषणा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गैंजेज क्लब में बैठक के दौरान लिया गया निर्णय
- चुनाव के लिए जल्द ही आमसभा बुलाई जाएगी

अमृत विचार। कानपुर गौशाला सोसाइटी प्रबंधकारिणी समिति की बैठक शुक्रवार को आयोजित हुई। गैंजेज क्लब में हुई बैठक में पदाधिकारियों को सम्मानित भी किया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि सोसाइटी के चुनाव को लेकर जल्द ही आम सभा बुलाकर चुनाव की घोषणा की जाएगी।

बैठक की अध्यक्षता सभापति तिलकराज शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि गौसेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आन्ध्रप्रदेश के चित्तूर से पुंगनूर छोटी गाय मंगाकर गौसंवर्धन का कार्य किया जाएगा। विधायक सुरेन्द्र मैथानी को संविधान संशोधन की जिम्मेदारी दी गई थी, उस पर कहा गया शीघ्र ही मीटिंग बुलाकर संविधान संशोधन कर अगली बैठक में प्रस्तुत कर दिया जाएगा। कार्यक्रम में कानपुर कपड़ा कमेटी में दोबारा निर्वाचित होने पर काशीप्रसाद शर्मा व श्रीकृष्ण गुप्त बब्बू को सम्मानित किया गया। गौशाला की जमीनों की व्यवस्था के सम्बंध में सुरेश गुप्ता ने जमीनों में हो रहे कब्जों के सम्बंध में बताया। जिस पर यह निर्णय हुआ कि पुलिस आयुक्त व जिलाधिकारी से मिलकर कब्जे हटाने का अनुरोध किया जाएगा। संस्था के लीगल एडवाइजर एडवोकेट धर्मेन्द्र सिंह ने गौशाला की सभी जमीनों की मैपिंग आर्किटेक्ट एक्सपर्ट टीम से कराने की बात रखी। जिसकी जिम्मेदारी सुरेश गुप्ता, विजय पाण्डे व धर्मेन्द्र सिंह एडवोकेट को दी गई। बैठक में पुरुषोत्तमलाल तोषनीवाल, नीरज प्रकाश दीक्षित, पं दिवाकर मिश्रा, शेष नरायन त्रिवेदी, विजय पाण्डे सहित अन्य मौजूद रहे।

बैठक में मौजूद पदाधिकारी। अमृत विचार

आईआईटी कानपुर के छात्रों को मिला पांचवां स्थान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर छात्रों ने इंटर आईआईटी छात्र खेल प्रतियोगिता और इंटर स्टाफ खेल प्रतियोगिता में पांचवां स्थान हासिल किया है। स्टाफ दल ने चौथा स्थान प्राप्त किया है।

खेल प्रतियोगिता का संयुक्त आयोजन आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी मद्रास और आईआईटी तिरुपति की ओर से हुआ। प्रतियोगिता में देशभर के 185 छात्रों की टीमों ने हिस्सा लिया। एथलेटिक्स में करिश्मा सिंह ने सौ मीटर हर्डल्स (महिला) में रजत पदक और समीरा आर. नायर ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। अनुकल्प राय ने 110 मीटर हर्डल्स (पुरुष) में रजत पदक हासिल किया। करिश्मा सिंह ने महिला लॉन्ग जंप में स्वर्ण पदक जीतते हुए 4.99 मीटर की छलांग के साथ नया इंटर आईआईटी रिकॉर्ड भी स्थापित किया। टीम स्पर्धाओं में पुरुष हॉकी टीम ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पुरुष लॉन टेनिस टीम ने रजत पदक प्राप्त किया, जबकि महिला स्क्वैश टीम ने भी रजत पदक जीता। पुरुष बास्केटबॉल टीम ने कांस्य पदक अर्जित किया, वहीं महिला बास्केटबॉल टीम चौथे स्थान पर रही। टेबल टेनिस में पुरुष एवं महिला दोनों टीमों ने कांस्य पदक प्राप्त किए।

विजयी टीम ट्राफी के साथ। अमृत विचार

कर्मचारियों ने भी मारी बाजी

- अंतर-आईआईटी कर्मचारी खेलकूद महोत्सव में आईआईटी कानपुर के कर्मचारियों की ने पुरुष स्क्वैश टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। पुरुष बास्केटबॉल टीम ने कांस्य पदक अर्जित किया। स्क्वैश श्रृंखला में प्रो. नवरोस ने विशेष रूप से उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स में प्रो. देबोपम दास ने 100 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता। डॉ. विजयआनंद एस. के. ने 5 हजार मीटर दौड़ में कांस्य पदक प्राप्त किया। महिला एथलेटिक्स में अंजनी दुबे ने डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक, जैवलिन थ्रो में रजत पदक तथा शॉटपुट में रजत पदक जीता। रेणु वर्मा ने जैवलिन थ्रो में कांस्य पदक प्राप्त किया। महिला 4×100 मीटर रिले टीम ने भी कांस्य पदक अर्जित किया। पुरुष टीमों ने फुटबॉल, वॉलीबॉल तथा 4×100 मीटर रिले में चौथा स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, मनीष साहू ने 15 सौ मीटर दौड़ में तथा दीपक धनौवा ने हैमर थ्रो में चौथा स्थान हासिल किया। महिला टीमों ने बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस में चौथा स्थान पाया।

नौकरी के लिए आए पर खुद का प्रोफाइल नहीं बता पाए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सेवायोजन विभाग की ओर से डीएवी कॉलेज में लगा रोजगार मेला

अमृत विचार। सेवायोजन विभाग की ओर से डीएवी कॉलेज में रोजगार मेला लगाया गया। मेले में 243 युवा नौकरी के लिए आए। इनमें 151 युवा रोजगार के लिए चयनित और शॉर्टलिस्ट हुए। कई युवा निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों को खुद का प्रोफाइल तक नहीं बता पाए। मेले में निजी कंपनियां 735 पदों पर युवाओं को रोजगार देने आई थीं।

रोजगार मेले की शुरुआत मुख्य अतिथि महापौर प्रमिला पाण्डेय ने की। इस दौरान कॉलेज के प्राचार्य अरूण कुमार दीक्षित भी मौजूद रहे। मेले में शिफॉयर फूड्स इंण्डिया, जनरली सेन्ट्रल लाईफ इंश्योरेंस, अप्सरा इंजीनियरिगं, एप्टीव इंण्डिया, टाटा ऑटोकाम्प सिस्टम, कॅरियर ब्रिज स्किल सॉल्यूशन्स, पंकज इंटरप्राइजेज, रक्षा सिक्योरटी सर्विस, श्रीराम फाइनेन्स ग्रुप, शिवशक्ती एग्रीटेक. पुखराज हेल्थ केयर सहित अन्य निजी कंपनियां शामिल हुई। मेले में साक्षात्कार के दौरान कई युवा ऐसे भी रहे जो अपने प्रोफाईल को भी नहीं बता सके। इसके अलावा कई युवाओं का प्रोफाइल ही जॉब प्रोफाइल से मैच नहीं हो सका। विभाग की ओर से ऐसे युवाओं की लिस्ट बनाकर उनकी काउंसिलिंग किए जाने का निर्णय लिया गया।

विकास | 112 किलोमीटर लंबे हाईवे के लिए टेंडर जारी

कबरई ग्रीनफील्ड हाईवे बनेगा 5700 करोड़ से

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर से हमीरपुर होते हुए कबरई तक ग्रीन फील्ड हाइवे के निर्माण के लिए 5700 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह हाइवे 112 किलोमीटर लंबा होगा। हाइवे के निर्माण के लिए एनएचएआई ने टेंडर जारी कर दिया है। फरवरी में टेंडर प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद जताई जा रही है। यह हाइवे कानपुर नगर, हमीरपुर और महोबा जिले से होते हुए कबरई तक बनेगा।

कानपुर-कबरई हाइवे पर 24 घंटे में दो लाख से अधिक ट्रक, डंपर, बस और छोटे वाहनों का आवागमन होता है, जिनमे से कई ट्रक व डंपर ओवरलोड रहते हैं। इनकी वजह से हाइवे पर कई बार लोग हादसे का शिकार हो जाते है और हाइवे पर कई बार 30 से 40 किलोमीटर लंबा जाम तक लग जाता है। इस समस्या को दूर करने के लिए एनएचएआई ने मुख्यालय में फोरलेन का 112 किलोमीटर लंबा ग्रीन हाइवे निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजा था, ग्रीन फील्ड हाईवे के निर्माण के लिए केंद्र सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह हाईवे एलीवेटेड कारिडोर के रूप में विकसित किया जाएगा। एनएचएआई के परियोजना निदेशक पंकज यादव के मुताबिक इस 112 किलोमीटर लंबे हाइवे के निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं, जो फरवरी माह तक पूरा होगा। इसके बाद जरूरी प्रक्रिया के बाद निर्माण शुरू होगा। बताया कि निर्माण के दौरान घाटमपुर, हमीरपुर व महोबा में चढ़ने और उतरने के लिए रैंप बनाए जाएंगे, ताकि आसपास के कस्बों और गांवों की कनेक्टिविटी प्रभावित न हो सके।

इस ग्रीन फील्ड हाईवे को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा, ताकि दिल्ली और बुंदेलखंड के जिलों के लिए वैकल्पिक रूट उपलब्ध हो सके। इस परियोजना पर लगभग पांच हजार सात सौ करोड़ रुपये खर्च होंगे। निर्माण के लिए तीन जिलों के 93 गांवों में भूमि अधिग्रहण किया जाएगा।

ग्रीनफील्ड हाईवे का मुख्य उद्देश्य

- एनएचएआई के परियोजना निदेशक पंकज यादव के मुताबिक ग्रीन फील्ड हाईवे को एक नए ट्रैक पर विकसित किया जाएगा। ताकि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से ट्रैफिक हटाकर नए इलाकों में विकास की संभावनाएं पैदा की जा सके। इस हाइवे का उद्देश्य बुंदेलखंड क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, यातायात को सुगम बनाना, दुर्घटनाएं कम करना, कानपुर को मध्य प्रदेश से जोड़कर पूरे क्षेत्र में कनेक्टिविटी और रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। वहीं, यह ग्रामीण इलाकों से गुजरते हुए उद्योगों, किसानों और स्थानीय व्यवसायों को सीधा लाभ पहुंचाएगा और क्षेत्र के पिछड़ेपन को दूर करेगा।

किन्नरों के सम्मेलन में जश्न, रथ यात्रा निकली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अर्रा में चल रहे 11 दिवसीय सम्मेलन में पहुंचे हजारों किन्नर

अमृत विचार। अखिल भारतीय किन्नर महासभा का अर्रा में सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसमें किन्नरों ने नाचते गाते हुए बारात एवं रथ यात्रा में जमकर नृत्य किया। कई किन्नरों ने सिर पर कलश रखकर शिवर मंदिर में आशीर्वाद लिया। काजल नायक एवं नेहा नायक ने सिर पर कलश रख शिव मंदिर में आशीर्वाद लिया। प्रधान काजल किरण ने शिव मंदिर एवं माता रेवा देवी मंदिर में घंटा एवं चांदी का मुकुट अर्पित किया।

शुक्रवार को अखिल भारतीय किन्नर महासभा द्वारा अर्रा रोड स्थित शकुंतला लॉन में किन्नर महासम्मेलन का आयोजन किया गया। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष काजल किरण ने पंचायत भवन में चाक पूजन किया। इस मौके पर मोहम्मद कमरुद्दीन ने बताया कि विगत वर्षों से निरंतर अखिल भारतीय किन्नर महासभा के द्वारा सम्मेलन आयोजित किया जाता है। इस वर्ष भी सम्मेलन में उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों से किन्नर समाज के लोग एकत्रित होकर सम्मेलन में चार चांद लगा रहे हैं। किन्नर महासभा द्वारा निकाली गई बारात में सभी ने नाच गाकर अपनी खुशियों का इजहार किया। देशभर से तकरीबन 3 हजार किन्नर समाज एकत्रित हुए।

न्यूज ब्रीफ

आत्महत्या के लिए विवश करने वाले पिता-पुत्र गिरफ्तार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव : थाना क्षेत्र के गांव सेलापुर निवासी गुलाब शंकर की 18 वर्षीय पुत्री ज्योती का शव बीते बुधवार घर से आधा किलोमीटर दूर राममिलन के खेत में खड़े नीम के पेड़ से दुपट्टे से लटका मिला था। पिता गुलाब शंकर ने आरोप लगाया कि गांव के रामजी और उसके पिता राकेश ने बेटी को आत्महत्या के लिए विवश किया। थाना पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने रामजी और राकेश को कालीमिट्टी चौराहे पर हफीजाबाद मार्ग से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

आर्थिक तंगी से पीड़ित अधेड़ ने लगाई फांसी

उन्नाव, अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पहली खेड़ा में आर्थिक तंगी से परेशान अधेड़ जगजीवन राम (57) ने घर में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। शुक्रवार दोपहर के समय वह घर पर अकेला था, क्योंकि पत्नी माया देवी और छोटी बेटी अनामिका बाजार से राशन लेने गई थीं। इस दौरान जगजीवन राम ने घर के आंगन में छत के कुंडे से फांसी लगाई। थोड़ी देर बाद घर लौटी पत्नी और बेटी ने शव लटका देखा और उनके होश उड़ गए। पड़ोसियों ने बताया कि मृतक आर्थिक तंगी से परेशान था। उसने तीन बेटियों की शादी कर दी थी, लेकिन एक बेटी की शादी और उसकी देखभाल को लेकर वह चिंतित था। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घाटों पर कटान, कैसे होगा मकर संक्रांति स्नान

मकर संक्रांति पर मिश्रा कॉलोनी से लेकर पुराने पुल तक दूर दराज से स्नान करने आते हैं लाखों श्रद्धालु

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: मिश्रा कॉलोनी से लेकर रेलवे पुल और पुराने यातायात पुल के नीचे तक गंगा में हुई जबरदस्त कटान के कारण घाट पूरी तरह स्नान योग्य नहीं रह गए हैं। मकर संक्रांति स्नान में अब कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन मौजूदा हालात को देखकर यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि श्रद्धालु सुरक्षित रूप से स्नान कैसे करेंगे। कटान के चलते गंगा का तल तीन से चार फीट तक गहरा हो गया है, जिससे घाटों पर पहुंचना जोखिम भरा हो गया है।

बताया जा रहा है कि अक्टूबर माह से मिश्रा कॉलोनी की ओर कटान तेजी से बढ़ी थी। हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर सुरक्षा कारणों से पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद सिंचाई विभाग की ओर से कटान रोकने के नाम पर बांस-बल्लियों की अस्थायी व्यवस्था की गई। जलस्तर घटने से कुछ समय के लिए कटान थमी जरूर, लेकिन रेलवे और पुराने यातायात पुल के बीच दोबारा हुई तेज कटान से घाट पूरी तरह गायब हो चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में सिंचाई विभाग द्वारा कोई ठोस कार्य नहीं कराया गया, जिससे स्थिति और अधिक खतरनाक हो गई है। गंगा का जलस्तर काफी नीचे होने के कारण श्रद्धालु यहां स्नान के लिए आने से कतरा रहे हैं। घाटों के पंडों द्वारा अस्थायी इंतजाम किए जा रहे हैं, लेकिन वे नाकाफी साबित हो रहे हैं। मकर संक्रांति पर हर साल सैकड़ों श्रद्धालु यहां स्नान के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में इस बार भारी परेशानी की आशंका है। घाटों के लुप्त होने से पंडों के सामने रोजी-रोटी का संकट भी खड़ा हो गया है। लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि गंगा तटों को सुरक्षित करने और घाटों के निर्माण का कार्य शीघ्र शुरू कराया जाए, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और घाटों का अस्तित्व बचाया जा सके। पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे ने बताया कि शनिवार से घाट के समतलीकरण का कार्य किया जाएगा, इसके साथ ही बेरीकेडिंग लगाई जाएगी जिससे लोगों को स्नान में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कटान होने से गायब हुये नगर के घाट। ● अमृत विचार

अपहरण के दोषी को कोर्ट ने सुनाई दो साल की सजा

उन्नाव, अमृत विचार : न्यायालय ने अपहरण मामले में अभियोजन पक्ष की दलील और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराते हुए उसे दो साल के कारावास और दो हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। सफीपुर थाना पुलिस ने पांच अप्रैल 2024 को हसनगंज के अहमदपुर टिकौली गांव निवासी राममिलन के अपहरण के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की थी। इसके बाद 23 अप्रैल 2024 को आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। मुकदमे की विवेचना तत्कालीन उपनिरीक्षक कल्लूराम यादव ने की और पर्याप्त साक्ष्य इकट्ठा कर 10 मई 2024 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। शुक्रवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने अभियोजन विभाग के एसपीपी मनोज कुमार पांडेय की दलील और प्रस्तुत साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए दोषी को दो साल के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही दोषी पर दो हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया।

दो दोषियों पर अर्थदंड

पुरवा थाना पुलिस ने 17 दिसंबर 2010 को टीकरखुर्द गांव के रामसनेही को अवैध कच्ची शराब और शराब बनाने के उपकरणों के साथ पकड़ा था। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही कर उसे जेल भेजा था। वहीं बारासगवर थाना पुलिस ने 22 अप्रैल 2004 को बब्बन नट के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की थी। शुक्रवार को दोनों मामलों की अंतिम सुनवाई न्यायालय में पूरी हुई। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने रामसनेही को 3,400 रुपये और बब्बन नट को 2,500 रुपये अर्थदंड से दंडित किया।

सरैयां क्रासिंग आरओबी का काम तेज, स्लोब निर्माण शुरू

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: सरैयां क्रासिंग पर निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज का कार्य कार्यदायी संस्था द्वारा तेजी से कराया जा रहा है। मरहला चौराहे के पास पोल संख्या 24 और 25 के बीच पिलरों का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसके बाद अब आगे के पिलरों पर निर्माण कार्य शुरू करने की तैयारियां चल रही हैं। वहीं आरओबी के स्लोब और अप्रोच मार्ग का कार्य भी शुरू करा दिया गया है, जिससे निर्माण को तय समय पर पूरा किया जा सके।

राज्य सेतु निगम की ओर से मरहला चौराहे के आसपास निर्माण कार्य तेज गति से कराया जा रहा है। पोल संख्या 24 और 25 के बीच स्लैब का कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि अब पोल संख्या 25 से 28 के बीच पिलरों पर काम कराया जाना है। इसके लिए आवश्यक सामग्री और संसाधन जुटाए जा रहे हैं। आरओबी के स्लैब का कार्य पूरा होने के बाद अब अप्रोच मार्ग के निर्माण की प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी। इसके लिए गड्ढायुक्त मार्ग से लोगों के आवागमन को रोकने और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने की कवायद शुरू हो गई है। इसके साथ ही पुल की स्लोब का कार्य भी तेजी से कराया जा रहा है। इस संबंध में सहायक अभियंता धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि निर्धारित पिलरों पर शीघ्र ही स्लैब ढालने का कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: लखनऊ-कानपुर हाईवे पर अचलगंज थाना क्षेत्र के गहिरा गांव के पास शुक्रवार को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे जिला अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला रामनगर निवासी 30 वर्षीय अंकित विमल पुत्र किरन कुमार कानपुर के कल्याणपुर क्षेत्र में सुनारी का काम करता था। वह रोज की तरह शुक्रवार सुबह अपनी बाइक से कानपुर स्थित दुकान जा रहा था। जैसे ही वह अचलगंज थाना क्षेत्र में हाईवे पर गहिरा के पास पहुंचा, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक सड़क पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव की पहचान कर परिजनों को सूचना दी। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बताया गया कि अंकित चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। उसके दो भाई लवकुश विमल और कंकुल विमल तथा पिता किरन कुमार वर्तमान में कुवैत में रहते हैं। छोटा भाई कुनाल उर्फ धोनी विमल और मां आशा विमल घर पर रहती हैं। मृतक की पत्नी काजल गर्भवती है और घटना के समय अपने मायके में थी। हादसे की सूचना मिलते ही पत्नी व परिजन बदहवास हो गए। बेटे की मौत की खबर सुनकर पिता भी घर लौटने की तैयारी में जुट गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मृतक अंकित विमल की फाइल फोटो।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव : कानपुर-लखनऊ हाईवे पर अजगैन थाना क्षेत्र स्थित नवाबगंज पंछी बिहार के सामने शुक्रवार को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने उसे नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आसीवन थाना क्षेत्र के ग्राम उदशाह निवासी अब्दुल (30) पुत्र स्व. मुन्ने मियां चेन्नई में नौकरी करता था और पत्नी गुड़िया की बीमारी के कारण घर आया था। पत्नी का इलाज उन्नाव के एक अस्पताल में चल रहा था, लेकिन आराम न मिलने पर गुरुवार को वह लखनऊ के किसी अस्पताल में उपचार के लिए बाइक से अपने घर जा रहा था। बाइक पर दो बेटे हसन और हुसैन तथा साली सबीना को बस में बैठा कर पत्नी को अस्पताल भेजा था। अजगैन थाना क्षेत्र में नवाबगंज पंछी बिहार के सामने तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद अब्दुल गंभीर रूप से घायल हो गया। नवाबगंज सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पति की मौत की सूचना मिलते ही पत्नी और बच्चे रो-रोकर बुरी तरह टूट गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

साप्ताहिक बाजार में जाम और नवीन पुल पर भी लोग परेशान

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव) अमृत विचार : शुक्रवार को आजाद नगर साप्ताहिक बाजार के चलते उन्नाव-कानपुर लेन यातायात जाम की चपेट में आ गई, जिससे शाम के समय राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। करीब एक घंटे तक चले इस जाम में वाहन रेंगते हुए नज़र आए। वहीं सुबह पीक ऑवर के समय नवीन पुल पर भी जाम लगा रहा। दरअसल, शाम के वक्त बाजार में खरीदारी करने नगर और आसपास के ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। अधिकतर लोगों ने अपने वाहन सीधे फोरलेन के किनारे खड़े कर दिए और खरीदारी में व्यस्त हो गए। वहीं, ई-रिक्शा चालकों ने भी सवारियों के इंतज़ार में रिक्शे सड़क पर रोक दिए, जिससे मार्ग संकरा हो गया और यातायात अवरोध शुरू हो गया। स्थिति शाम साढ़े चार बजे तक और गंभीर हो गई, खासतौर पर कानपुर जाने वाले वाहनों को लंबा इंतज़ार करना पड़ा। साढ़े पांच बजे तक हालात में कुछ सुधार जरूर दिखा, लेकिन देर शाम तक वाहनों की रफ़्तार धीमी ही रही। प्रभावित राहगीरों ने कहा कि अगर बाजार के दिनों में पुलिस की पर्याप्त तैनाती रहे और वाहनों को अव्यवस्थित ढंग से खड़ा होने से रोका जाए, तो इस समस्या से काफी हद तक निजात पाई जा सकती है। वहीं सुबह पीक ऑवर के समय वाहनों का भार बढ़ने से नवीन पुल पर भी दस बजे से ग्यारह बजे तक जाम लगा रहा। जिससे आने जाने वाले वाहन सवारों को परेशानी उठानी पड़।

पोर्टल पर दर्ज करें घायलों का विवरण

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: पुलिस लाइन सभागार में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में आईआरएडी/ईडीआर पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर सड़क दुर्घटनाओं में घायलों के विवरण की सटीक व समयबद्ध फीडिंग के संबंध में पुलिस कर्मियों को विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को शासन द्वारा प्रदत्त निःशुल्क उपचार और अन्य वैधानिक सुविधाएं शीघ्र एवं निर्बाध रूप से मिल सकें। एसएसपी ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को पोर्टल पर प्रविष्टियों को पूर्ण, सही और समयबद्ध रूप से दर्ज करने का निर्देश दिया, ताकि पीड़ितों को त्वरित सहायता मिल सके और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंच सके। गोष्ठी में एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह, क्षेत्राधिकारी यातायात अजय कुमार सिंह, सहायक पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षु) संचित शर्मा और रोल आउट मैनेजर दिलीप कुमार मौजूद रहे।

गोष्ठी में जानकारी देते एसएसपी। ● अमृत विचार

● आईआरएडी/ईडीआर पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर किया गया गोष्ठी का आयोजन

हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला घायल

नवाबगंज, उन्नाव : अजगैन कोतवाली क्षेत्र के हाईवे पर शुक्रवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार भटपुरा गांव निवासी 35 वर्षीय सीमा पत्नी राकेश अपने बेटे अरुण के साथ बाइक से भांडी गांव स्थित भाई के घर गई थीं। दोपहर में घर लौटते समय मिश्रीगंज गांव के आगे हाईवे पर अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सीमा गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना पर पहुंची एनएचएआई की एंबुलेंस ने घायल महिला को नवाबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

सर्दी को देखते हुए समाजसेवियों ने बांटी तहरी

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार : कड़ाके की सर्दी को देखते हुए शुक्रवार को राजधानी मार्ग स्थित अंबिकापुरम के पास समाजसेवियों द्वारा तहरी का वितरण किया गया। सुबह से शुरू हुआ तहरी वितरण दोपहर तक लगातार चलता रहा। इस दौरान राहगीरों, मजदूरों और जरूरतमंद लोगों ने सर्द मौसम में गर्मागर्म तहरी का आनंद लिया। ठंड से राहत मिलने पर लोगों ने समाजसेवियों के इस प्रयास की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि सर्दी के मौसम में जरूरतमंदों की मदद करना उनका उद्देश्य है, ताकि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे। तहरी वितरण के दौरान व्यवस्था भी बनाए रखी गई। इस सेवा कार्य में विनोद प्रजापति, जय, प्रशांत, वेद, सिया, ओम सहित कई समाजसेवी मौजूद रहे।

राजधानी मार्ग पर तहरी बांटते समाजसेवी।

सम्मेलन में गूंजी संवेदना व संस्कारों की कविताएं

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार : पोनी रोड स्थित डॉ. इंटर कॉलेज के प्रबंधक राजकुमार यादव 'दद्दा' और उनके पुत्र द्वारा भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह दीर्घायु की कामना के साथ हवन-पूजन से हुई। दोपहर बाद कवियों की महफिल सजी, जहां शब्दों की मिठास और भावनाओं की गहराई ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि सम्मेलन में डॉ. रामनरेश यादव, अनिल कुमार, लाल सिंह प्रहरी, मनीष मीत, उमाशंकर निशंक, जयराम सिंह 'जय', रघुराज मगन, कुमार हर्ष, राजेन्द्र कुमार शुक्ला 'सरस', जय प्रभा यादव, हिमांशी यादव, शिवानी पांडे और सुमन सिमरन ने अपनी रचनाओं से खूब वाहवाही लूटी। कवियों ने कहा कि जिस घर में बुजुर्गों का बसेरा नहीं होता, उस घर में खुशियों का सवेरा नहीं होता। चहकती शाम मुझसे गुजर गई तो मुड़-मुड़ कर देखती क्या है जैसी पंक्तियों ने श्रोताओं को भावुक कर दिया। वहीं रामजी के संग जीवन के वनवास पर हम लखन ही रहे, हम भरत न हुए जैसी पंक्तियों ने मर्यादा और त्याग का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन चांदनी पांडेय और ब्रजेश तरुण ने किया। इस अवसर पर पूर्व शिक्षक एमएलसी वेणु रंजन भदौरिया, गौरव शुक्ला, सुरेश शुक्ला, राकेश यादव, गंगासागर यादव, राजेन्द्र यादव, शिवशंकर तिवारी, सूर्यकुमार बाजपेई, शिवम तिवारी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

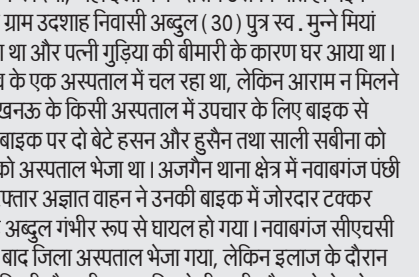

कविता पाठ करते कवि। ● अमृत विचार

जिला अस्पताल में मोतियाबिंद ऑपरेशन शुरू

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार IMPACT

अमृत विचार: जिला अस्पताल में आंखों के मरीजों के 10 दिनों से ठप पड़े मोतियाबिंद के ऑपरेशन अब दोबारा शुरू होने जा रहे हैं। अस्पताल प्रशासन को ऑपरेशन के लिए आवश्यक लेंस और अन्य सामग्री प्राप्त हो गई है।

जिला अस्पताल में सामग्री के अभाव के कारण पिछले 10 दिनों से ऑपरेशन बंद थे, जिससे दूर-दराज से आने वाले मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को अमृत विचार ने 8 जनवरी के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर का संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की और सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित कराई। जिला अस्पताल की बर्न यूनिट में संचालित आंख, नाक और गला ओपीडी में रोजाना लगभग 150 मरीज परामर्श के लिए पहुंचते हैं। इनमें से औसतन 10 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि होती है। यह सभी ऑपरेशन अंधता निवारण योजना के तहत बिल्कुल निशुल्क किए जाते हैं। सीएमओ डॉ. एचएन प्रसाद ने बताया कि लेंस और अन्य जरूरी सामान अब उपलब्ध है। अब मरीजों को तारीखें दी जाएंगी और बिना किसी बाधा के ऑपरेशन किए जाएंगे।

जिला अस्पताल में मरीजों की आंखों की जांच करते डॉक्टर।

● दस दिन बाद आंखों के मरीजों को मिली राहत, लेंस व अन्य जरूरी सामान की खेज पहुंची

नवीन यातायात पुल पर लगेंगे अर्पण कलश

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव

अमृत विचार: नवीन यातायात पुल पर लोग घरों से निकलने वाली पूजन सामग्री, फूल-मालाएं व मूर्तियां आकर रख देते हैं। इसके चलते आस्था के फूल लोगों के पैरों तले आ जाते हैं। मामले की जानकारी मिलते ही नगर पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे ने मौके का निरीक्षण कर फूलों के सम्मानजनक विसर्जन के लिए अर्पण कलश स्थापित करने के निर्देश दिए।

बताया गया कि नए पुल की शुरुआत में लोग नौकरी पर जाते समय या विभिन्न पर्वों की पूजा के बाद निकलने वाले फूल और मूर्तियां वहीं रख देते हैं। नगर पालिका द्वारा समय-समय पर इन्हें हटाया जाता रहा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से लोडर न आने के कारण यहां फूलों, मालाओं व मूर्तियों का अंबार लग गया था। शुक्रवार को लोगों की शिकायत पर नगर पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप पांडे और स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी अनूप शुक्ला के साथ मौके पर पहुंचीं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आस्था के फूल इधर-उधर न फेंकें। उन्होंने बताया कि दुर्गा मंदिर के बाहर, नगर के घाटों और नवीन पुल पर अर्पण कलश लगवाया जायेगा।

नवीन पुल के फुटपॉथ पर पड़ी पूजन सामग्री, निर्देश देतीं पालिकाध्यक्ष। ● अमृत विचार

● आस्था के फूलों के सम्मानजनक विर्सजन को पालिकाध्यक्ष गंभीर

बीएसएनएल हब को बचाते हुए फिर शुरू हुआ जल निगम की पाइपलाइन का काम

बीएसएनएल बिल्डिंग के पास घुमावदार होती खोदाई। ● अमृत विचार

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव), अमृत विचार : जल निगम द्वारा नगर में भूमिगत पाइपलाइन डालने का कार्य किया जा रहा है। बीते नवंबर माह में कार्यदायी संस्था ने बिना बीएसएनएल विभाग को सूचना दिए टेलीफोन एक्सचेंज के सामने खुदाई शुरू करा दी थी। इस दौरान बीएसएनएल के परिचालन प्रमुख मौके पर पहुंचे थे और विभाग की महत्वपूर्ण केबलों को खतरा बताते हुए कार्य तत्काल बंद करा दिया गया था। दरअसल, बीएसएनएल बिल्डिंग के पास विभाग का भूमिगत मुख्य हब बना हुआ है। इसके आसपास खुदाई होने से न केवल शुक्लागंज बल्कि कई जनपदों की दूरसंचार सेवाएं प्रभावित होने की आशंका थी। इसी को ध्यान में रखते हुए पूर्व में पाइपलाइन डालने का कार्य रोक दिया गया था। अब आपसी समन्वय के बाद शुक्रवार से दोबारा पाइपलाइन डालने का काम शुरू कराया गया है। कार्यदायी संस्था द्वारा इस बार सावधानी बरतते हुए बीएसएनएल की केबल और मुख्य हब की दीवारों को सुरक्षित रखते हुए घुमावदार तरीके से खुदाई कर पाइपलाइन बिछाई जा रही है। इससे दूरसंचार सेवाओं पर किसी प्रकार का असर न पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पहले अचानक खुदाई से सेवाएं बाधित होने का खतरा बना हुआ था, लेकिन अब सतर्कता के साथ काम किए जाने से राहत मिली है।

आस्था | 11 को निकलेगा नगर कीर्तन, गुरुद्वारे में गुरु सिंह सभा द्वारा तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप

धूमधाम से मनाया जाएगा गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: गुरु गोबिंद सिंह जी के पावन प्रकाश पर्व को लेकर गुरुद्वारा में गुरु सिंह सभा ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। शुक्रवार को गुरुद्वारा परिसर में आयोजित पत्रकार वार्ता दौरान आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस धार्मिक और सामाजिक आयोजन में शामिल होने की अपील की है।

गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष सरदार अरविन्दर सिंह ने बताया कि प्रकाश पर्व श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रविवार को नगर कीर्तन यात्रा निकाली जाएगी। यह नगर कीर्तन दोपहर 1 बजे गुरुद्वारा साहब से प्रारंभ होगा और शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए शाम 5:30 बजे पुनः गुरुद्वारा साहब में आकर संपन्न होगा। नगर कीर्तन का मार्ग गुरुद्वारा से शुरू होकर बड़े चौराहे, छोटे चौराहे, छिपयाना, दादा मिया चौराहा, धवन रोड, गुरु तेग बहादुर मार्ग, स्टेशन रोड और आईबीपी चौराहे से होते हुए तय किया गया है। समिति के अनुसार, पूरे मार्ग पर संगत और श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। नगर कीर्तन के दौरान कई विशेष आकर्षण भी रहेंगे। बच्चों द्वारा पारंपरिक सिख मार्शल आर्ट गतका का प्रदर्शन किया जाएगा, जो दर्शकों के लिए खास आकर्षण होगा। इसके साथ ही पूरे मार्ग में शबद कीर्तन की गूंज रहेगी, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहेगा। 13 जनवरी को गुरुद्वारा साहिब में शब्द कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान रागी जत्थों द्वारा गुरुबाणी का गायन होगा, जिसके पश्चात श्रद्धालुओं के लिए गुरु का लंगर वितरित किया जाएगा। इस दौरान गुरुद्वारा कमेटी के उपाध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह भाटिया, सरदार गुरप्रीत सिंह रेशु, सेक्रेटरी सरदार कुलदीप सिंह, कोषाध्यक्ष सरदार जरनैल सिंह, मीडिया प्रभारी सरदार इंदरजीत, सरदार जसमीत सिंह, सरदार कुंवरप्रीत सिंह, वरुण सूरी, जोगिंदर सिंह, जगजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते समिति के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

चोरी का खुलासा करने वाली टीम सम्मानित

उन्नाव, अमृत विचार : बीते 1 नवम्बर को सफीपुर थाना क्षेत्र में एक घर में सोने-चांदी के आभूषण और नगदी चोरी होने के मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 20 लाख रुपये मूल्य के आभूषण और 1,82,420 रुपये नगदी बरामद किए। खुलासे में लगी पुलिस टीम को एसएसपी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। टीम में क्षेत्राधिकारी सफीपुर सोनम सिंह, थानाध्यक्ष सुब्रतनारायण, उपनिरीक्षक संजय कुमार पांडेय, योगेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य आरक्षी सुनील कुमार, अजनी कुमार पांडेय, गोविंद लाल और आरक्षी रोहित कुमार, राघवेन्द्र गुर्जर, समर बहादुर, गौरव कुमार, जितेन्द्र शामिल थे। इस अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षु) संचित शर्मा, एएसपी प्रेमचन्द्र और पुलिस उपाधीक्षक सुश्री बिनी सिंह भी उपस्थित रहीं।

अमृत विचार

शनिवार, 10 जनवरी 2026

हमारी प्रत्येक कृति छेनी बन कर हमारा जीवन रूपी पत्थर गढ़ती है।

–विनोबा भावे, संत

ट्रंप का टैरिफ टूल

अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्तावित 500 प्रतिशत टैरिफ वाला विधेयक वैश्विक शक्ति-संतुलन को प्रभावित करने वाला जियो-इकोनॉमिक औज़ार बनता दिख रहा है। यह सीनेट से पास हो जाएगा, पर इसको लेकर डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर मतभेद और रिपब्लिकन पार्टी के कई सांसदों की नाराजगी के चलते इसके कांग्रेस से पारित होने की राह किंचित कठिन हो सकती है। फिर ट्रंप के टैरिफ थोपने को लेकर अदालती फैसला भी आने ही वाला है। ट्रंप के लिए टैरिफ महज़ व्यापारिक हथियार नहीं, बल्कि 'स्विस मिलिट्री नाइफ' की तरह बहुउद्देशीय औज़ार है— आर्थिक सौदेबाज़ी, कूटनीतिक दबाव, जियो-पॉलिटिकल इशारे और यहां तक कि सुरक्षा रणनीति का हिस्सा भी, लेकिन यही बहूपयोगिता इसे विवादास्पद भी बनाती है। 500 प्रतिशत जैसा अतिरेकी टैरिफ विश्व व्यापार संगठन के नियमों की भावना के विपरीत है। इसके लिए उसे कानूनी चुनौतियों और अंतर्राष्ट्रीय आलोचना का सामना करना पड़ सकता है। इस विधेयक के तहत रूसी मूल के तेल, पेट्रोलियम उत्पाद या यूरेनियम की खरीद और कारोबार करने वाले देशों पर भी 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही गई है। भारत और चीन इस दायरे में आते हैं।

ट्रंप चीन के साथ व्यापार घटाना चाहते हैं, लेकिन इस प्रावधान और अमेरिकी चाहत के चलते भारत ज्यादा निशाने पर है, क्योंकि अमेरिका भारत पर कृषि और डेयरी बाज़ार खोलने का दबाव बनाकर, चीन के साथ घटे व्यापार की भरपाई करना चाहता है। भारत के लिए इसके निहितार्थ गहरे हैं। ऐसा टैरिफ भारत की ऊर्जा नीति, व्यापार संरचना, रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक स्थिति को सीधे प्रभावित करेगा। रूसी क्रूड पर निर्भर भारतीय रिफाइनरियों के मार्जिन दबाव में आ सकते हैं और यदि मिडिल ईस्ट या अन्य स्रोतों से महंगा तेल खरीदना पड़ा, तो घरेलू ईंधन कीमतों में उछाल तय है। निर्यात के मोर्चे पर, 500 प्रतिशत टैरिफ का अर्थ होगा कि अमेरिकी बाज़ार में भारतीय उत्पाद लगभग अप्रतिस्पर्धी हो जाएंगे विशेषकर टेक्सटाइल, जेम्स-ज्वेलरी, केमिकल्स और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे क्षेत्रों में, हालांकि भारत ने जोखिम को भांपते हुए बाज़ार विविधीकरण की रणनीति अपनाई है। दिलचस्प यह है कि इतना कठोर टैरिफ भारत या चीन से अधिक अमेरिकी अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचा सकता है। इससे अमेरिकी उपभोक्ताओं पर महंगाई का बोझ बढ़ेगा, उद्योगों की लागत बढ़ेगी और रोज़गार पर दबाव आएगा। यही कारण है कि 500 प्रतिशत टैरिफ की बात को राजनीतिक बयानबाज़ी अधिक मालूम होती है और इसके लागू होने की संभावना कम। यदि अदालतें इसके खिलाफ जाती हैं, तो इसकी वैधता पर वैसे भी प्रश्नचिह्न लग जाएगा।

इस संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र की ताज़ा रिपोर्ट का उल्लेख उत्साहजनक है, जिसके अनुसार 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। यह संकेत देता है कि भारत की आर्थिक बुनियाद मज़बूत है। 50 प्रतिशत टैरिफ भारत की रफ्तार नहीं रोक सका, तो 500 प्रतिशत जैसे अतिरेकी कदम से भी भारत उबरने की क्षमता रखता है— बशर्ते नीति-निर्माण में सतर्कता, कूटनीतिक संतुलन और बाज़ार विविधीकरण की रणनीति बनी रहे।

प्रसंगवश

प्रवेश मुफ्त नहीं, किताबों को सस्ता कीजिए

जब दिल्ली में कड़ाके की सर्दी, कोहरे और दमघोटूं स्मॉग की मार चरम पर हो गई है, तब 10 जनवरी से नौ दिन के लिए दुनिया के सबसे बड़े पुस्तक मेलों में गिने जाने वाले नई दिल्ली पुस्तक मेले का आयोजन होगा। इस बार प्रगति मैदान, जो अब भारत मंडपम हो गया है, में प्रवेश के लिए टिकट नहीं लगेगा। भले ही इसे बड़े जोर-शोर से प्रचारित किया जा रहा हो, लेकिन असली पुस्तक प्रेमियों के लिए निःशुल्क प्रवेश व्यवधान ही होता है। इससे पहले भी एक बार निःशुल्क प्रवेश किया गया, तो बेशुमार भीड़ से व्यवस्थाएं चरमराईं और किताबों से अधिक खाने-पीने के स्टॉल पर लोगों ने खर्चे किए। किताबों को चाहने वालों के सामने आज असली समस्या किताबों के बढ़ते दाम हैं। एक तो कागज की कीमत और ऊपर से कागज पर 12 प्रतिशत व मुद्रण पर 30 प्रतिशत जीएसटी की मार। वैसे भी दुनिया के बड़े पुस्तक मेलों से तुलना करें तो नई दिल्ली विश्व

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

पुस्तक मेला भीड़ तो खींचता है, लेकिन इसे अंतर्राष्ट्रीय कहे जाने वाले न तो प्रकाशक होते हैं न ही लेखक।

54 साल पहले 18 मार्च से चार अप्रैल 1972 तक नई दिल्ली के विंडसर पैलेस के मैदान में कोई 200 भागीदारों के साथ शुरू हुआ नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला तब 'बसंतोत्सव' के रूप में शुरू हुआ था। बसंत के सुखद मौसम में, जब न ज्यादा ठंड, न गर्मी, ज्ञान की देवी सरस्वती को समर्पित। तब दो साल में एक बार पुस्तक मेला लगता था और देश-विदेश के प्रकाशक इसके लिए खासी तैयारी करते थे। सन 2016 में चीन अतिथि देश के रूप में आमंत्रित किया गया था, चूंकि चीन में फरवरी के महीने में सालाना जश्न होता है और वहां प्रायः सभी जगह अवकाश होता है, सो उनके लिए बसंतोत्सव की परंपरा को तोड़ कर जनवरी में पुस्तक मेले का आयोजन शुरू हुआ।

लेखकों, प्रकाशकों, पाठकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार होता है नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का, हालांकि फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स (एफआईपी) भी हर साल अगस्त में दिल्ली के प्रगति मैदान में ही पुस्तक मेला लगा रहा है और इसमें लगभग सभी ख्यातिलब्ध प्रकाशक आते हैं, बावजूद इसके नेशनल बुक ट्रस्ट के पुस्तक मेले की मान्यता अधिक है। हमारे यहां केवल किताब खरीदने के लिए तो दर्जनों वेबसाईट उपलब्ध हैं, जिस पर घर बैठे आदेश दो और घर बैठे डिलेवरी लो, इसके बावजूद यहां 1200 से 1400 प्रतिभागी होते हैं और कई चाह कर भी हिस्सेदारी नहीं कर पाते, क्योंकि जगह नहीं होती या फिर यहां भागीदारी का खर्च बहुत अधिक होता है। एक स्टाल लगाने का कम से कम एक लाख रुपये।

यह बात भी चर्चा में है कि इस पुस्तक मेले में विदेशी भागीदारी लगभग न के बराबर होती जा रही है। यदि श्रीलंका और नेपाल को छोड़ दें तो विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र श्रम संगठन, स्वास्थ्य, यूनीसेफ आदि के स्टाल विदेशी मंडप में अपनी प्रचार सामग्री प्रदर्शित करते दिखते हैं। फेंकफ़र्ट और अबुधाबी पुस्तक मेला के स्टाल भागीदारों को आकर्षित करने के लिए होते हैं। दो-तीन देश के भारत दूतावास किताबें प्रदर्शित कर देते हैं। इक्का-दुक्का स्टालों पर विदेशी पुस्तकों के नाम पर केवल 'रिमेंडर्स' यानी अन्य देशों की फालतू या पुरानी पुस्तकें होती हैं। ऐसी पुस्तकों को प्रत्येक रविवार को दरियागंज में लगने वाले पटरी-बाजार से आसानी से खरीदा जा सकता है। पहले पाकिस्तान से दस प्रकाशक आते थे, लेकिन बीते 15 सालों से पाकिस्तान के साथ बाकी तिजारत तो जारी है, लेकिन एक दूसरे के पुस्तक मेलों में भागीदारी बंद हो गई।

सिर्फ बातें क्यों बना रहे हैं रूस और चीन

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

पिछली तीन जनवरी 2026 को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में अमेरिकी सेना ने एक स्पेशल ऑपरेशन चलाया और वेनेजुएला के प्रेसिडेंट निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी कोकैराकस से उठाकर अमेरिका ले गए। ट्रंप ने तो साफ-साफ कहा कि अब वेनेजुएला का तेल और दौलत अमेरिका को मिलेगी। ये एक तरह से सैन्य हमला था, जिसमें कुछ मौतें भी हुईं और अब अमेरिका वहां तेल टैंकरों पर कब्जा कर रहा है। पूरी दुनिया में हंगामा मच गया, लेकिन रूस और चीन ने बस सांकेतिक निंदा की। ज्यादा कुछ किया नहीं।

इतने बड़े मसले को ये दोनों सुपर पॉवर इतने हल्के में क्यों ले रहे हैं? इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं? सबसे पहले तो ये समझ लें कि रूस और चीन, दोनों ही वेनेजुएला के पुराने दोस्त हैं। मादुरो की सरकार को उन्होंने हमेशा सपोर्ट किया है। रूस ने तो वेनेजुएला में अरबों डॉलर का निवेश किया है, खासकर तेल और हथियारों में। चीन का भी वहां बड़ा खेल है। उसने उसे करीब 10-12 बिलियन डॉलर का कर्ज दिया है और उससे तेल आयात करता है। जब अमेरिका ने हमला किया, तो रूस ने यूएन सिक्योरिटी काउंसिल में कहा कि ये अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है, आक्रामकता है।

चीन ने भी कहा कि वो सदमे में हैं। चीन ने मादुरो को फौरन रिलीज करने की मांग भी की। ईरान, क्यूबा, साउथ अफ्रीका जैसे देशों ने भी निंदा की, लेकिन नोटिस करें, ये सब बस बातें हैं– कोई सैन्य मदद नहीं, कोई बड़ा एक्शन नहीं, कोई जंग की धमकी नहीं। क्यों? ये सांकेतिक निंदा है, जैसे फॉर्मेलिटी निभा रहे हों। असली कारण क्या हैं? पहला बड़ा कारण है उनकी अपनी कमजोरियां और व्यस्तताएं। रूस तो अभी यूक्रेन युद्ध में फंसा हुआ है। जंग 2022 से चल रही है। जंग के कारण रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव है। आर्थिक प्रतिबंध लगे हैं, सैनिक मर रहे हैं और अब अगर वो वेनेजुएला में कूदता, तो अमेरिका के साथ सीधा टकराव होने का खतरा है। रूस के पास इतनी ताकत नहीं कि वो अमेरिका को लैटिन अमेरिका में चैलेंज कर सके। वो अपना यूरोपियन फ्रंट संभाल रहा है, जहां यूक्रेन के जरिए नाटो से लड़ रहा है। वेनेजुएला दूर है, लॉजिस्टिक्स मुश्किल है। सो, रूस ने बस यूएन में बोलकर अपनी इज्जत बचा ली, लेकिन एक्शन नहीं लिया।

चीन की सेना दुनिया की सबसे बड़ी है, लेकिन वो साउथ चाइना सी और ताइवान पर फोकस्ड है। अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर चल रहा है, इकोनॉमी स्लो हो रही है। चीन नेवेनेजुएला में पैसे लगाए है, लेकिन वो जानता है कि अगर वो सैन्य तरीके से इन्वॉल्व होता तो अमेरिका ताइवान स्ट्रेट में और जहाज भेज देता, या ट्रेड रेस्ट्रिक्शंस बढ़ा देता। चीन अपने को कूटनीतिक विरोध जताने तक सीमित रखेगा, क्योंकि उसके लिए वेनेजुएला से ज्यादा जरूरी है अपना एशिया प्रभुत्व बनाए रखना। दूसरा कारण है आर्थिक हित।

दोनों देशों के पास वेनेजुएला में निवेश है। चीन का तेल आयात वेनेजुएला से है, लेकिन वो सऊदी अरब, रूस और अन्य जगहों से भी लेता है। अगर अमेरिका वेनेजुएला का तेल कंट्रोल करता है, तो चीन को नुकसान होगा, लेकिन वो नए विकल्प ढूंढ लेगा। रूस भी वेनेजुएला को हथियार बेचता है, लेकिन उसकी मुख्य कमाई यूरोप और एशिया से है। अब अगर वो ज्यादा विरोध करता है, तो अमेरिका उनके निवेशों को टारगेट कर सकता था।

ट्रंप ने साफ कहा कि वेनेजुएला की दौलत अमेरिका को मिलेगी। रूस और चीन सोच रहे होंगे कि ज्यादा उछलने से नुकसान होगा। वो संयुक्त राष्ट्र में निंदा करके दिखा रहे हैं कि मादुरो के साथ हैं, लेकिन असल में वो वेट एंड वॉच पर हैं। शायद सोच रहे हैं कि नई सरकार से डील कर लेंगे, क्योंकि वेनेजुएला की एक्टिंग प्रेसिडेंट डेल्सी रोड्रिगेज ने अमेरिका को सहयोग का ऑफर दिया है। तीसरा पॉइंट है वैश्विक रणनीति।

रूस और चीन दोनों ही अमेरिका को चैलेंज करना चाहते हैं स्मार्ट तरीके से। वो अमेरिका की डॉलर डोमिनेंस को कम करना चाहते हैं, लेकिन सीधी जंग से नहीं। वेनेजुएला का मामला उनके लिए एक टेस्ट केस है। अगर वो ज्यादा कुछ नहीं करते, तो दुनिया देखेगी कि अमेरिका अभी भी सुपर पॉवर है, लेकिन अगर वो एक्शन लेते हैं, तो तीसरे विश्व युद्ध का खतरा बढ़ सकता है। ट्रंप की पॉलिसी है अमेरिका फर्स्ट और वो ग्रीनलैंड, कनाडा जैसी जगहों पर भी आंखें गड़ा रहा है।

रूस और चीन जानते हैं कि अमेरिका की आर्मी अभी सबसे मजबूत है, एफ-35 जैसे प्लेन से रडार जैम किए जा सकते हैं। सो, वो सांकेतिक निंदा से अपनी इमेज बचा रहे हैं। ईरान ने भी निंदा की, लेकिन वो खुद इजराइल से लड़ रहा है। क्यूबा ने कहा कि उसके 32 लोग मारे गए, लेकिन वो भी कुछ कर नहीं सकता। चौथा कारण है इंटरनेशनल लॉ और पब्लिक ओपिनियन। यूएन में निंदा करके वो दिखा रहे हैं कि अमेरिका बिगड़ैल देश है, अंतर्राष्ट्रीय कानून तोड़ रहा है।

ब्रिटेन, फ्रांस जैसे अमेरिका के सहयोगी भी चुप हैं या हल्की निंदा कर रहे हैं, लेकिन रूस और चीन के लिए ये एक मौका है दुनिया को दिखाने का कि अमेरिका हाइपोक्राइट है। वह यूक्रेन में रूस की निंदा करता है, लेकिन खुद वेनेजुएला में घुस गया, लेकिन रूस और चीन जानते हैं कि संयुक्त राष्ट्र में कुछ नहीं होगा, क्योंकि अमेरिका वीटो कर देगा, इसलिए सांकेतिक निंदा करके ही खुश हैं।

इस बीच रूस और चीन ब्रिक्स से अमेरिका को जवाब दे रहे हैं, लेकिन मिलिट्री तरीके से नहीं। वेनेजुएला में अगर अमेरिका का नियंत्रण हो जाता है, तो कच्चे तेल के दाम गिर सकते हैं, जो रूस के लिए बुरा है, क्योंकि रूस तेल बेचकर कमाता है, लेकिन वो सोच रहे होंगे कि अमेरिका की इस तरह की कार्रवाई उसे अलग-थलग कर देगी। दुनिया में कई देश जैसे ब्राजील, कोलंबिया ने भी निंदा की है। रूस और चीन इंतजार कर रहे हैं कि अमेरिका खुद अपने खेल में फंस जाए।

रूस और चीन, दोनों ही वेनेजुएला के पुराने दोस्त हैं। अब सवाल ये है कि अमेरिकी हरकत को ये दोनों सुपर पॉवर इतने हल्के में क्यों ले रहे हैं? इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं?

आमने

हम सिर्फ सरकार पर ही निर्भर रहें, यह भी ठीक नहीं है। जनता की भी बराबर की जवाबदेही बनती है। सभी को इंदौर की घटना से सबक लेते हुए अपने घरों की टंकी की सफाई करनी चाहिए। सरकार के साथ-साथ हम सब लोगों की भी जिम्मेदारी है।

–ज्ञानेश्वर पाटिल

बीजेपी सांसद, मध्य प्रदेश

सामने

जब सरकार सुरक्षित पानी तक नहीं दे सकती और मौतों के बाद भी जवाबदेही से बचती है, तो ऐसी सत्ता को कुर्सी पर बने रहने का अधिकार नहीं है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही पीड़ित परिवारों को न्याय भी मिलना चाहिए।

–अरुण यादव

कांग्रेस नेता

कचरा, शोर व प्रकाश प्रदूषण से दिमाग को हानि

एसएम प्रसाद

विज्ञान लेखक

राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न वैज्ञानिक एवं चिकित्सा प्रयोगशालाओं में ह्यूमन डिजेनेरेटिव डिजिजेज पर निरंतर किए गए अध्ययनों व वर्तमान में जारी तमाम अनुसंधानों के अनुसार धूल, धुंवा, ध्वनि व प्रकाश प्रदूषण में 10 मिनट से अधिक रहने पर सभी नाजुक अंगों, फेफड़े, हृदय व मस्तिष्क में होने वाली गंभीर बीमारियां तेजी से असाध्य रोगों में बदलती जा रही हैं। बार-बार व ज्यादा समय तक उनके सीधे संपर्क और करीब रहने पर बच्चों व बुजुर्गों में बहुत तेजी से प्रतिरोधक क्षमता व स्मरण शक्ति कमजोर होती जा रही है। खासकर दिमागी कार्य क्षमता तेजी से घटती जा रही है। इसका दुष्प्रभाव समूचे परिस्थितिकी तंत्र पर पड़ रहा है और लाइलाज होता जा रहा है।

मस्तिष्क हमारे शरीर का सबसे जटिल और संवेदनशील अंग है। यह न केवल विचारों और भावनाओं को नियंत्रित करता है, बल्कि स्मृति, निर्णय क्षमता और रचनात्मकता का भी आधार है। आधुनिक जीवन शैली में बढ़ते वातावरणीय अन्य प्रदूषणों के साथ-साथ कचरा, शोर व प्रकाश प्रदूषण को वैज्ञानिक और चिकित्सा दृष्टि से इनका कुप्रभाव समझना और बचाव करना अत्यंत आवश्यक है।

कचरे से निकलने वाले रसायन और धातुएं (जैसे- माइक्रो प्लास्टिक, कार्बनिक पदार्थ व सीसा, पारा, कैडमियम) हवा, पानी और भोजन में मिलकर शरीर में प्रवेश करते हैं। ये तत्व न्यूरॉन्स को क्षति पहुंचाते हैं और न्यूरोइन्फ्लेमेशन (मस्तिष्क में सूजन) को बढ़ाते हैं। लगातार ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के कारण स्मृति और ध्यान क्षमता और तेजी से घटती है। चारों तरफ घर से बाहर तक अस्वच्छ वातावरण मानसिक असहजता और तनाव को अनियंत्रित ढंग से जानलेवा बनाता जा रहा है, जो दीर्घकालिक अवसाद का कारण है।

लगातार बढ़ते वाहनों, मशीनों, लाउडस्पीकर, ढोल-नगाड़ों और भीड़भाड़ से उत्पन्न शोर से नींद की गुणवत्ता बिगड़ती जा रही है। स्मृति, भावनात्मक व चिंतन असंतुलन बढ़ रहा है। शोर से कोर्टिसोल और एड्रेनालिन जैसे तनाव हार्मोन बढ़ जाते हैं, जो लंबे समय तक मस्तिष्क की कार्य क्षमता को इतना कमजोर कर देते हैं, जिससे बचाव और उपचार में कृत्रिम उपकरणों का अनावश्यक उपयोग का बोझ बढ़ता जा रहा है। बच्चों में सीखने, पठन-पाठन की क्षमता, महिलाओं व व्यस्कों में ध्यान केंद्रित करने की क्षमता खासकर ऐसे अधिकांश प्रदूषण की अधिकता वाली जगहों पर रहने वाले लोगों में घट रही है।

चकाचौंध की चाहत में प्रकाश प्रदूषण खासकर रात में अत्यधिक कृत्रिम रोशनी, विशेषकर स्क्रीन और एलईडी व फ्लड लाइट्स शरीर की जैविक घड़ी (सरकेडियन रिदम) को बिगाड़ रही हैं। मेलाटोनिन हार्मोन का उत्पादन कम हो जाता है, जिससे नींद की गहराई घटती जा रही है। नींद की लगातार कमी से मानसिक थकान, चिड़चिड़ापन और स्मृति ह्रास बड़ा कारण हो गया है। शोध बताते हैं कि प्रकाश प्रदूषण अवसाद और चिंता जैसी मानसिक बीमारियों से जुड़ा बड़ा कारक है।

इन सब से बचने और निपटने के लिए बेहद जरूरी है कि व्यक्तिगत, परिवारिक व सामाजिक स्वच्छता को और अधिक गंभीर हो कर अपनाना है। साथ में सघन जन भागीदारी के लिए विशेष जनता बैठकें जरूरी हैं। गीला व सूखा कचरे का सही निपटान व पुनर्चक्रण को बढ़ावा दें। कानों की सुरक्षा के लिए तेज़ आवाज़ वाले ध्वनि विस्तारक उपकरणों का न्यूनतम ही उपयोग करें। रात में स्क्रीन का उपयोग कम करें और हल्की रोशनी का उपयोग करें। मानसिक शांति पाने के लिए ध्यान, योग, मौन व क्रोध रहित कार्यों को दिनचर्या में निश्चित रूप से शामिल करें।

हर रोज प्रकृति से जुड़ें। अहिंसक पशु-पक्षियों, जल जीवों, हरियाली, प्राकृतिक वातावरण और आकाश में तारों, चंद्रमा व उगते और अस्त होते सूर्य का अवलोकन मस्तिष्क को पुनः ऊर्जा देता है। इसी के साथ यह भी व्यवहार में लाना जरूरी है कि प्लास्टिक की वस्तुओं व उपकरणों का अत्यधिक उपयोग न करें। हर संभव इनके स्थान पर कागज, धातु, मिट्टी, पत्तों से बने दोना-पत्तल, कप कटोरी व सभी बायोडिग्रेडेबल सामग्रियों को फिर से बढ़ावा दें। लगातार शोर वाले वातावरण में लंबे समय तक न रहें और संवैधानिक तरीके से नियंत्रित कराएं।

आधुनिक युग में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नये-नये उत्पाद व तकनीकें कचरा, शोर और प्रकाश प्रदूषण अब केवल साधारण दैनिक समस्या कह कर उपेक्षा कतई नहीं करनी चाहिए, बल्कि स्पर्धा के दौर में हमारे मस्तिष्क की शक्ति और मानसिक स्वास्थ्य को तेजी से कमजोर कर रहे हैं। राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक शोधों और उनके निष्कर्षों के अनुसार जानलेवा प्रदूषणों से बचाव और निराकरण के लिए व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामूहिक प्रयास नितांत आवश्यक हैं। स्वच्छता, शांति और प्राकृतिक जीवन शैली अपनाकर हम न केवल अपने मस्तिष्क को सुरक्षित रखें, वर्तमान पीढ़ी के हर वर्ग तथा दूषित प्रकृति के लिए भी स्वस्थ वातावरण उत्पन्न करें। संकल्प के तौर पर व्यवहारिक वैज्ञानिक सोच, दृष्टिकोण व व्यवहार को बढ़ाएं और बच्चों को वैज्ञानिक सोच का बनाएं।

रिसर्च के मताबिक धूल, धुंवा, ध्वनि व प्रकाश प्रदूषण में 10 मिनट से अधिक रहने पर सभी नाजुक अंगों, फेफड़े, हृदय व मस्तिष्क को भारी नुकसान हो रहा है।

सोशल फोरम

रुमानियत शोर नहीं करती

कुछ रातें होती हैं, जो दिल से नहीं, उसके पीछे वाले कमरे से बात करती हैं, वहां जहां हम खुद से सच बोलते हैं, मगर आवाज़ नहीं निकालते, दिन भर हम अपने ही ऊपर कितनी परतें चढ़ाते रहते हैं, ठीक व्यवहार की परत, ठीक शब्दों की परत, ठीक प्रतिक्रिया की परत, हर मुलाकात में थोड़ा सा अभिनय, हर मुस्कान में थोड़ी सी थकान और फिर एक पल आता है, जब आदमी अचानक समझता है कि वह अपने ही जीवन में देर से पहुंचा है।

असीम तिवारी

ब्लॉगर

रुमानियत मुझे हमेशा वही लगी है, जो शोर नहीं करती, जो मेज़ पर हथेली पटककर प्रेम का दावा नहीं करती, जो रोज़ रोज़ हक़ नहीं जताती। वह बस साथ बैठ जाती है। कभी किसी छत पर। कभी किसी खिड़की के पास। कभी किसी खाली सड़क के किनारे। वह कहती नहीं कि मैं तुम्हें बचा लूंगी, वह बस इतना करती है कि तुम डूबो भी तो अपनी ही गहराई में डूबो, किसी झूठ में नहीं और यही सबसे बड़ा आराम है कि कोई तुम्हें बदलने की कोशिश नहीं कर रहा।

आजकल लोग प्यार को भी प्रोजेक्ट की तरह चलाते हैं। लक्ष्य, नियम, अपेक्षा, अपडेट, डिलिवरी, जैसे भावनाएं नहीं, रिपोर्ट लिख रहे हों। किसी ने देर से रिप्लाई किया तो प्रेम का नतीजा बदल जाता है। किसी ने कम ध्यान दिया तो रिश्ता कमजोर पड़ जाता है। हम प्रेम को इतना नापने लगे हैं कि प्रेम का वजन ही बदल गया है। प्रेम का सबसे सुंदर रूप वही है, जिसमें गणित नहीं होता, जिसमें आप किसी के साथ इसलिए नहीं रहते कि वह आपको पूरा करेगा, बल्कि इसलिए कि उसके पास बैठकर आप अपने अधूरेपन से भी डरना बंद कर देते हैं। और सुकून, मेरा मानना है, खुशी से भी ज़्यादा कीमती चीज़ है सुकून, खुशी अक्सर शोर करती है। सुकून चुप रहता है, खुशी बाहर के मौसम से बदल जाती है, सुकून भीतर की जलवायु है। यह तब आता है जब आप खुद से भागना बंद कर देते हैं। जब आप अपने भीतर बैठे उस जज को छुट्टी दे देते हैं, जो हर समय आपके फैसलों पर सीटी बजाता रहता है जब आप मान लेते हैं कि जीवन कोई परीक्षा नहीं, एक यात्रा भी नहीं, कई बार बस एक प्रतीक्षा है और उस प्रतीक्षा में अगर खुद का हाथ पकड़ा रह जाए, तो भी बहुत है।

जब भी लगे कि मैं बहुत बड़ा हो गया हूं, मैं बहुत जान गया हूं, उसी रात अपने भीतर का शोर बंद करके बाहर निकल जाना, आसमान की तरफ़ देखना, तारे गिनना नहीं, बस उन्हें रहने देना और फिर धीरे से अपने आप को समेट लेना, जैसे कोई अपने बच्चे को गोद में समेट लेता है। आदमी जितना अपने आप को छोटा करना सीख ले, उतना ही प्रेम करने लायक बड़ा हो जाता है! **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

गांवों तक योजना तो पहुंची पर रोशनी नहीं

भारत के गांवों में रात का अंधेरा सिर्फ अंधेरा नहीं, बल्कि सुरक्षा-संकट, अवसरों का नुकसान, स्वतंत्र आवाजाही में बाधा और रोज़मर्रा की ज़िंदगी को जोखिम में डालने वाला अनुभव बन जाता है। यह वह मुश्किलें हैं, जो उत्तराखंड जैसे पहाड़ी गांव में रोज झेलनी पड़ती है। रात के समय कच्चे रास्तों पर चलते हुए डर और असहजता आम बात है। बच्चों से लेकर पुरुष, महिलाएं और बुजुर्ग सभी को अंधेरे से जूझना पड़ता है, क्योंकि रास्तों पर पर्याप्त रोशनी नहीं होती।

सड़क पर लाइट की व्यवस्था न होने से रात में चलना जोखिम भरा हो जाता है। जंगली जानवरों से लेकर ठोकर खाकर गिरने तक के भय के साथ लोगों की इस रास्ते पर से गुजर होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई बार सोलर लाइट की व्यवस्था की जाती है, लेकिन अभी भी गांव के सभी रास्तों पर लोगों को इस सुविधा का इंतज़ार रहता है।

कविता हुलेरिया

एक्टिविस्ट

अटल ज्योति योजना के तहत अब तक 257 जिलों में लगभग 2.72 लाख सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई जा चुकी हैं और यह प्रक्रिया अभी भी जारी है, ताकि उन इलाकों को रोशन किया जा सके, जहां ग्रिड-बिजली भरोसेमंद नहीं है। राज्य स्तर पर भी कई योजनाएं चल रही हैं। हरियाणा में बिजली पहुंचाने के प्रयासों के तहत सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं, लेकिन कई गांवों में अभी भी पर्याप्त संख्या में रोशनी नहीं पहुंची है।

उत्तराखंड राज्य के उदाहरण को देखें तो यह राज्य हिमालयी भौगोलिक क्षेत्र में बसा हुआ है, जहां बिजली की निरंतरता चुनौतीपूर्ण रही है। उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) और अन्य विभागों ने ग्रामीण हिस्सों में सोलर लाइटों की स्थापना के लिए कदम उठाए हैं। चंपावत जिले के ग्रामीण इलाकों के लिए उरेडा को लगभग 72 लाख रुपये की धनराशि मिली है, जिससे चार विकास खंडों में एलईडी-आधारित सोलर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह धनराशि सोलर लाइटें लगाने और ग्रामीण रास्तों, सार्वजनिक स्थानों को रोशन करने के लिए आवंटित की गई है, जिससे अंधेरे में आवाजाही आसान हो सके।

अप्रैल 2025 में अल्मोड़ा जिले में लगभग 90 लाख रुपये की लागत से गांवों में सोलर लाइट लगाई गई, जो छह ब्लॉकों में 72 स्थानों तक रात की आवाजाही को आसान बनाने में मदद कर रही है। इस तरह की पहल से यह क्षेत्र न सिर्फ अंधेरे को कम करता है, बल्कि रात में स्कूलों, बाज़ारों और चिकित्सकीय सेवाओं तक पहुंच भी सुलभ बनाता है। पिछले कुछ महीनों में नैनीताल जिले के लिए निजी कंपनी के CSR फंड और सांसद के सहयोग से लगभग 1400 सोलर स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था की गई, ताकि गांवों की गलियों और सड़क किनारों को उजाला मिल सके। स्थानीय प्रशासकों ने कहा है कि पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा योग्य स्थलों का चुनाव किया जाना चाहिए, ताकि रोशनी का लाभ सभी तक समान रूप से पहुंचे।

इन आंकड़ों और परियोजनाओं को देख कर यह समझ में आता है कि उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्य में सोलर लाइट की आवश्यकता सिर्फ एक तकनीकी समाधान नहीं है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक बदलाव लाने वाली आवश्यकता भी है। जहां बिजली का ग्रिड की समुचित व्यवस्था नहीं पहुंच रही है, वहां सोलर स्ट्रीट लाइट गांवों को रात में सुरक्षित महसूस कराने का एक सरल और टिकाऊ उपाय बन रही हैं, जो स्थानीय लोगों की आवाजाही, बच्चों की पढ़ाई, महिलाओं की स्वतंत्रता तथा बुजुर्गों की रात की सुरक्षा को बेहतर बनाती हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***

0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

गांधी तीर्थ, जलगांव

तकनीक और विचार से जुड़ने का अद्भुत अनुभव

हिंसा, असहिष्णुता और वैचारिक विभाजन के इस दौर में महात्मा गांधी को नए सिरे से समझने की जरूरत और गहरी हो जाती है। महाराष्ट्र के जलगांव में स्थित 'गांधी तीर्थ' इसी तलाश का उत्तर देता है। यह स्थल हमें बताता है कि गांधी को समझना केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि उनके विचारों से सीधे जुड़ने की एक जीवंत प्रक्रिया है। आधुनिक तकनीक, शोधपूर्ण प्रस्तुति और संवेदनशील क्यूरेशन के माध्यम से 'गांधी तीर्थ' महात्मा गांधी के जीवन, संघर्ष और मूल्यों को जिस तरह सजीव करता है, वह इसे एक साधारण दर्शनीय स्थल से कहीं आगे ले जाता है।

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

'गांधी तीर्थ' का बड़ा आकर्षण यह है कि यह महात्मा गांधी को केवल 'महापुरुष' के रूप में नहीं, बल्कि मोहनदास करमचंद गांधी एक जिज्ञासु बालक, प्रयोगशील युवा, संघर्षरत वकील और सतत साधक के रूप में सामने रखता है। इस तीर्थ की सबसे अनोखी विशेषता इसकी ऑडियो गाइड तकनीक है। हेडफोन के माध्यम से जैसे ही हम एक-एक खंड में प्रवेश करते हैं, गांधी का जीवन, उनके विचार और उनके समय की परिस्थितियां हमारे भीतर उतरने लगती हैं। यह यात्रा पोरबंदर के एक सामान्य से घर से शुरू होकर दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह और भारत के स्वतंत्रता संग्राम तक पहुंचती है।

स्पष्टता और संदर्भ की गहराई

महात्मा गांधी के जीवन कार्यों पर आधारित विश्व का पहला आडियो गाइड संग्रहालय भ्रमण के अनुभव को विशेष बनाती है। यह साधारण जानकारी नहीं, बल्कि एक तरह का संवाद है, जो दर्शक को भीतर तक छू लेता है। आवाज, संगीत, ऐतिहासिक उद्धरण और दृश्य एक साथ मिलकर ऐसा अनुभव रचते हैं कि दर्शक केवल देख नहीं रहा होता, बल्कि उस समय को जी रहा होता है। यह तकनीक गांधी के विचारों से भावनात्मक और बौद्धिक दोनों स्तरों पर जोड़ देती है। संग्रहालय के 31 से अधिक खंड टच स्क्रीन, बाइस्कोप, डिजिटल बुक्स, थ्री-डी मैपिंग, एनिमेशन, ऐतिहासिक तस्वीरें, दुर्लभ फुटेज, गांधी के भाषणों की आवाज और समकालीन घटनाओं का दृश्यांकन आदि सब मिलकर ऐसा वातावरण रचते हैं, मानो इतिहास किताबों से निकलकर हमारे सामने खड़ा हो गया हो। चरखा, नमक सत्याग्रह, दांडी यात्रा, असहयोग आंदोलन ये सब केवल घटनाएं नहीं रह जातीं, बल्कि मानवीय संवेदना और नैतिक साहस की कहानियां बन जाती हैं। इन प्रस्तुतियों में भावुकता नहीं, बल्कि विचार की स्पष्टता और संदर्भ की गहराई दिखाई देती है।

साधन की पवित्रता और साध्य की नैतिकता

'गांधी तीर्थ' में यह बात बार-बार उभरकर आती है कि गांधी का जीवन किसी एक दिन, एक घटना या एक आंदोलन से परिभाषित नहीं होता। उनका जीवन सतत प्रयोगों की प्रयोगशाला था सत्य के प्रयोग, अहिंसा के प्रयोग, आत्मसंयम और सामाजिक न्याय के प्रयोग। दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ उनके संघर्ष से लेकर भारत में किसानों, मजदूरों और महिलाओं के प्रश्नों तक हर जगह गांधी का आग्रह एक ही रहा: साधन की पवित्रता और साध्य की नैतिकता। गांधी तीर्थ यह भी स्पष्ट करता है कि गांधी के लिए राजनीति सत्ता का खेल नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी थी। सत्य, अहिंसा, आत्मसंयम और करुणा ये उनके लिए नारे नहीं, जीवन की पद्धति थे। प्रदर्शनी में यह बात उभरकर आती है कि गांधी के प्रयोग केवल स्वतंत्रता आंदोलन तक सीमित नहीं थे, बल्कि शिक्षा, समाज, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण तक फैले हुए थे। यहां यह भी प्रभावी ढंग से दिखाया गया है कि गांधी केवल राजनीतिक नेता नहीं थे, बल्कि समाज सुधारक, शिक्षाविद्। और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील चिंतक भी थे। बुनियादी शिक्षा, स्वदेशी, ग्राम स्वराज और श्रम की गरिमा इन विचारों को आज की चुनौतियों से जोड़कर प्रस्तुत किया गया है।

जीवन जीने की पद्धति सत्य और अहिंसा

डिजिटल माध्यमों से यह सवाल भी उठाया जाता है कि उपभोक्तावाद, हिंसा और असमानता से भरी आज की दुनिया में गांधी की प्रासंगिकता कहां और कैसे है। इन सवालों के सीधे उत्तर नहीं दिए जाते, बल्कि दर्शक को सोचने के लिए प्रेरित किया जाता है और शायद यही गांधी की सबसे बड़ी शिक्षा है। 'गांधी तीर्थ' का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि यहां महात्मा गांधी के साथ उनके समय के अन्य व्यक्तित्वों और आंदोलनों का संदर्भ भी मिलता है। गोखले, टॉलस्टॉय, टैगोर, नेहरू इन सबके साथ गांधी का संवाद और मतभेद ईमानदारी से प्रस्तुत किए गए हैं। इससे गांधी किसी देवतुल्य, आलोचना से परे छवि में नहीं, बल्कि एक विचारशील और आत्मालोचन करने वाले मनुष्य के रूप में उभरते हैं। भ्रमण के दौरान सबसे गहरा प्रभाव गांधी के नैतिक साहस ने छोड़ा। सत्ता, लोकप्रियता या तात्कालिक लाभ के आगे झुकने से इंकार करने का साहस आज के समय में दुर्लभ होता जा रहा है। 'गांधी तीर्थ' यह याद दिलाता है कि परिवर्तन की शुरुआत बाहर से नहीं, भीतर से होती है। सत्य और अहिंसा केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि जीवन जीने की पद्धति है।

विस्तृत और शांत परिसर

'गांधी तीर्थ' लगभग 40 एकड़ में फैला हुआ एक विस्तृत और शांत परिसर है। हरियाली, खुले स्थान और सादगी से भरा यह वातावरण स्वयं गांधी के जीवन-दर्शन की याद दिलाता है। यह परिसर बीते करीब दो दशकों से सक्रिय है और गांधीवादी विचारों के अध्ययन, शोध और प्रसार का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। पद्मश्री डॉ. भंवरलाल जैन के अथक परिश्रम और उनके अद्भुत कल्पना का साकार रूप लेता गांधी रिसर्च फाउंडेशन न केवल गांधी के जीवन और कर्म पर कार्य कर रहा है, बल्कि गांधी के विचारों को समकालीन संदर्भों से जोड़ने का भी सतत प्रयास कर रहा है, जहां गांधी के विविध रचनात्मक कार्यों को धरातल पर उतरते आप देख सकते है। यह भी उल्लेखनीय है कि गांधी तीर्थ केवल अतीत की ओर देखने वाला स्थल नहीं है। यहां शोध, अध्ययन और संवाद के लिए व्यापक संसाधन उपलब्ध हैं। यह स्थान युवाओं, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए प्रेरणा का केंद्र बन सकता है। यहां से निकलते समय मन में यह भाव बना रहता है कि गांधी को 'पढ़' लेने से अधिक जरूरी है, उन्हें 'जीना' अपने छोटे-छोटे निर्णयों, व्यवहार और सामाजिक जिम्मेदारियों में। आज जब समाज हिंसा, नफरत, संप्रदायिकता, असहिष्णुता और पर्यावरणीय संकटों से जूझ रहा है, तब गांधी तीर्थ हमें यह याद दिलाता है कि समाधान कहीं बाहर नहीं, बल्कि हमारे भीतर मौजूद नैतिक विवेक में छिपा है। यही इस तीर्थ की सबसे बड़ी उपलब्धि और सबसे गहरी सीख है। यहां आकर यह सवाल बार-बार मन में उठता है कि क्या इन समस्याओं का समाधान केवल कानून और शक्ति में है या फिर नैतिक विवेक और संवाद में? गांधी तीर्थ यह रास्ता जरूर दिखाता है कि अहिंसा, सह-अस्तित्व और सत्य के मार्ग पर चलकर विकल्प खोजे जा सकते हैं। इस अर्थ में गांधी तीर्थ केवल अतीत का संग्रहालय नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए एक वैचारिक प्रयोगशाला है। यदि आज की दुनिया में बढ़ती हिंसा और संप्रदायिकता का कोई टिकाऊ समाधान तलाशना हो, तो गांधी तीर्थ की यात्रा आवश्यक लगती है। यहां से लौटते समय यह एहसास गहरा हो जाता है कि गांधी कोई इतिहास का अध्याय नहीं, बल्कि हमारे समय की जरूरत हैं और उन्हें समझने की शुरुआत यहीं से हो सकती है।

सक्सेस स्टोरी

नोएडा से वैनगार्ड तक: एआई नवाचार और आत्मनिर्भरता की प्रेरणादायक यात्रा

आयुष श्रीवास्तव की कहानी दर्शाती है कि अगर आपके पास समर्पण, योजना और परिश्रम है, तो आप कहीं से भी शुरू होकर किसी भी ऊंचाई को छू सकते हैं। उनका अनुभव न केवल तकनीकी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, बल्कि हर उस युवा या पेशेवर को प्रेरणा देगा, जो खुद को बदलना चाहता है।

भारत से अमेरिका तक: संघर्ष और संकल्प की कहानी- आयुष ने अपने करियर की शुरुआत एनटीटी डाटा सर्विसेज (पूर्व में डेल इंटरनेशनल सर्विसेज) में नोएडा से की थी। वहां उन्होंने डेटा माइनिंग, ETL प्रोसेस और सांख्यिकीय विश्लेषण के ज़रिए टेलीकॉम क्षेत्र में लागत में उल्लेखनीय बचत की। परंतु उनका सपना था एक वैश्विक स्तर पर एआई और डेटा विज्ञान में अग्रणी बनना और इसके लिए उन्होंने उठाया पहला कदमः GMAT (ग्रेजुएट मैनेजमेंट एडमिशन टेस्ट) की तैयारी।

GMAT सफलता और विश्वस्तरीय शिक्षा- आयुष ने GMAT की कठोर तैयारी स्वयं की, बिना किसी कोचिंग के। इसके बलबूते उन्होंने प्रवेश पायाः साउदर्न मेथोडिस्ट यूनिवर्सिटी (SMU), कॉक्स स्कूल ऑफ बिजनेस (QS वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप 100 में शामिल बिजनेस एनालिटिक्स प्रोग्राम) यहां से उन्होंने बिजनेस एनालिटिक्स में मास्टर्स किया और अमेरिका में AI व मशीन लर्निंग के क्षेत्र में एक सशक्त आधार तैयार किया।

एंटरप्राइज AI में उत्कृष्टता- वैनगार्ड में भूमिका वर्तमान में आयुष वैनगार्ड ग्रुप में मशीन लर्निंग इंजीनियर (स्पेशलिस्ट) के रूप में कार्यरत हैं, जहां वे जेनरेटिव एआई (GenAI) मॉडल्स को डिजाइन और तैनात करते हैं। उनके द्वारा बनाए गए समाधानों का उपयोग Vanguard की 70 से ज्यादा टीमें कर रही हैं।

आयुष की विशेषज्ञता

- Retrieval-Augmented Generation (RAG) और Prompt Engineering
- Large Language Models (LLMs) का फाइन-ट्यूनिंग
- AWS Neptune और NetworkX के माध्यम से ग्राफ डेटाबेस डिज़ाइन
- AWS SageMaker, Lambda, PySpark, Glue, Docker, Kubernetes का उपयोग
- Ernst & Young में बहु-उद्योगीय AI समाधान
- वैनगार्ड से पहले आयुष ने Ernst & Young में मैनेजर – डेटा एवं
- एनालिटिक्स के रूप में कार्य किया। उन्होंने Fortune 500 कंपनियों के लिए AI समाधान विकसित किए।
- Citibank, Goldman Sachs, DTCC जैसी कंपनियों के लिए अनुपालन और ऑटोमेशन समाधान
- कोविड काल में रिटर्न-टू-ऑफिस AI मॉडल विकसित किया
- क्लाउड-आधारित डेटा मार्केटप्लेस और डेटा फैब्रिक प्लेटफ़ॉर्म डिजाइन किए।

आखिर क्यों विशेष है आयुष की कहानी

आयुष ने साधारण पृष्ठभूमि से असाधारण ऊंचाई तक का सफर तय किया। GMAT जैसी कठिन परीक्षा स्वयं की तैयारी से उत्तीर्ण की। इसके साथ ही भारत से अमेरिका तक पुनः खुद को तकनीकी रूप से खड़ा किया। आज वे AI/ML के क्षेत्र में एक मार्गदर्शक और प्रेरणा स्त्रोत हैं।

जॉब का पहला दिन

सेवा, संकल्प और संतोष

बेसिक शिक्षा विभाग में मेरी सेवा का शुभारंभ 17 दिसंबर 2009 को हुआ। मेरी पहली नियुक्ति जनपद संभल में हुई थी। पवासा ब्लॉक के अंतर्गत मेरा विद्यालय मुख्य मार्ग से लगभग सात किलोमीटर भीतर स्थित एक ग्रामीण क्षेत्र में था। नियुक्ति के पहले दिन जब मैं विद्यालय की ओर जा रहा था, तो मन में एक अजीब-सी बेचैनी और असमंजस था। यह सोचकर अनेक प्रश्न मन में उठ रहे थे कि इतने दूर-दराज क्षेत्र में कार्य कैसे होगा, यहां नौकरी कैसे निभा पाऊंगा। आशंकाएं स्वाभाविक थीं। लेकिन जैसे ही मैं विद्यालय पहुंचा, मेरे भीतर एक नया आत्मविश्वास जाग उठा। दरअसल, अध्यापक बनना मेरा बचपन का सपना रहा है। मेरी माताजी स्वयं अध्यापन कार्य से जुड़ी रही हैं। उन्हें बच्चों को पढ़ाते हुए देखकर मेरे मन में भी यह लालसा जन्म लेती रही कि मैं भी एक दिन शिक्षक बनूं और बच्चों के जीवन में शिक्षा का प्रकाश फैलाऊं। शिक्षण मेरे लिए कभी केवल एक नौकरी नहीं रहा, बल्कि यह मेरा जुनून है। बच्चों को पढ़ाना, उनके भविष्य को संवारना और उनके जीवन को दिशा देना-यही मेरे जीवन का उद्देश्य रहा है। वर्ष 2009 से 2016 तक मैं संभल जनपद में कार्यरत रहा। इसके पश्चात 2016 में मेरा स्थानांतरण बरेली हुआ, जहां आंवला स्थित प्राथमिक विद्यालय देवी में मैंने प्रधानाध्यापक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उस विद्यालय से मेरा गहरा भावनात्मक जुड़ाव हो गया। मैंने विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए पूरे मनोयोग से कार्य किया। विद्यालय के भौतिक कायाकल्प से लेकर शैक्षिक वातावरण के सुदृढ़ीकरण तक अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। अपने इन प्रयासों से मुझे गहरा आत्मसंतोष प्राप्त हुआ।

विकल्प सक्सेना
बरेली

जुलाई 2025 में पदोन्नति के उपरांत मैं जूनियर विद्यालय सिउलिया में कार्यरत हुआ। यहां मैं कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों को शिक्षण कार्य करता हूं। अपने कार्य से मुझे आज भी उतना ही लगाव और प्रेम है। विद्यार्थियों के साथ समय बिताना, उनकी जिज्ञासाओं को समझना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना मुझे आंतरिक आनंद प्रदान करता है। विद्यालय का समस्त स्टाफ अत्यंत सहयोगी, सकारात्मक और समर्पित भावना से कार्य करने वाला है।

मैं बेसिक शिक्षा विभाग में अध्यापक के रूप में कार्य करने को केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि समाज सेवा का सर्वोत्तम माध्यम मानता हूं। हम ऐसे बच्चों को शिक्षा प्रदान करते हैं जो साधन-संपन्न नहीं हैं, जिन्हें निजी विद्यालयों में पढ़ने की सुविधा उपलब्ध नहीं है और जिनकी ओर प्रायः समाज का ध्यान नहीं जाता। यह कार्य न केवल हमारे जीवन-यापन का माध्यम है, बल्कि उन बच्चों के जीवन-कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त करता है। हम उनके भीतर छिपी प्रतिभाओं को पल्लवित करते हैं और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। बेसिक शिक्षा विभाग के अध्यापक जहां एक ओर अपना जीवन-यापन करते हैं, वहीं दूसरी ओर बच्चों को शिक्षित कर पुण्य का अर्जन भी करते हैं। इसलिए इस सेवा को केवल रोजगार नहीं, बल्कि समाज सेवा और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य के रूप में देखना चाहिए। जब शिक्षा इस भावना के साथ प्रदान की जाती है, तो निश्चय ही उससे अधिक गुणवत्तापूर्ण, संवेदनशील और प्रभावशाली शिक्षा का सृजन होता है।

हिंदी के वैश्वीकरण में डिजिटल संसाधनों का योगदान

विश्व हिंदी दिवस

भाषा किसी भी समाज की आत्मा होती है। वह केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा, विचारधारा और सामूहिक चेतना की संवाहक होती है। हिंदी भाषा भारतीय समाज की ऐसी ही जीवंत अभिव्यक्ति है, जिसने सदियों से जनसाधारण की भावनाओं, संघर्षों और आकांक्षाओं को स्वर दिया है। समय के साथ समाज, जीवन-शैली और संचार के साधनों में व्यापक परिवर्तन आए हैं। आज हम डिजिटल युग में जी रहे हैं-एक ऐसा युग जहां तकनीक ने दूरी, समय और सीमाओं को लगभग समाप्त कर दिया है। इस डिजिटल परिवर्तन ने हिंदी भाषा के स्वरूप और प्रयोग को भी गहराई से प्रभावित किया है।

प्रो. मीना यादव
बरेली

पूर्व में हिंदी का प्रचार पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं, सभाओं और मंचों तक सीमित था, किंतु आज वही हिंदी मोबाइल, कंप्यूटर, सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से विश्व के कोने-कोने तक पहुंच रही है। डिजिटल उपकरणों ने हिंदी को नई पहचान दी है और उसे आधुनिक संदर्भों में अधिक उपयोगी व प्रासंगिक बनाया है।

डिजिटल उपकरण वे तकनीकी साधन हैं, जिनका उपयोग सूचना के निर्माण, संग्रह, प्रसंस्करण और प्रसार के लिए किया जाता है। कंप्यूटर, स्मार्टफोन, टैबलेट, इंटरनेट, सॉफ्टवेयर, मोबाइल ऐप्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म इसके प्रमुख उदाहरण हैं। भाषा के संदर्भ में इन उपकरणों का महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि इनके माध्यम से भाषा को लिखा, पढ़ा, सुना और देखा जा सकता है। आज डिजिटल उपकरणों का उपयोग केवल तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामान्य व्यक्ति भी मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से इनका सहज उपयोग कर रहा है।

हिंदी के क्षेत्र में डिजिटल उपकरणों का प्रयोग कई स्तरों पर हो रहा है। पहला स्तर लेखन और अभिव्यक्ति का है। आज लेख, कविता, कहानी, ब्लॉग और शोध-लेख डिजिटल माध्यमों से लिखे जा रहे हैं। डिजिटल टाइपिंग ने हस्तलेखन की कठिनाइयों को कम कर दिया है। दूसरा स्तर प्रकाशन और प्रसार का है। अब लेखक को अपनी रचना प्रकाशित कराने के लिए पत्र-पत्रिकाओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ता, ब्लॉग, वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से रचनाएं तुरंत पाठकों तक पहुंच जाती हैं।

तीसरा स्तर श्रव्य-दृश्य माध्यम का है। यूट्यूब, पॉडकास्ट और ऑडियो बुक्स ने हिंदी को सुनने और देखने की भाषा बना दिया है, जिससे निरक्षर और अर्ध-साक्षर वर्ग भी हिंदी सामग्री से जुड़ पा रहा है। चौथा स्तर शिक्षा और प्रशिक्षण का है। ऑनलाइन कक्षाओं, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल पाठ्य सामग्री ने हिंदी शिक्षण को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाया है। हिंदी में उपलब्ध प्रमुख डिजिटल उपकरण-हिंदी के डिजिटल विकास में यूनिकोड तकनीक का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। यूनिकोड ने हिंदी को वैश्विक डिजिटल मानक प्रदान किया, जिससे वह किसी विशेष फॉन्ट तक सीमित नहीं रही। इनस्क्रिप्ट कीबोर्ड, गूगल हिंदी इनपुट टूल और माइक्रोसॉफ्ट इंडिक टूल्स ने हिंदी टाइपिंग को सरल बना दिया है। अब रोमन लिपि में लिखकर भी हिंदी में परिवर्तित करना संभव है, जिससे हिंदी लेखन का दायरा व्यापक हुआ है।

मोबाइल ऐप्स और हिंदी

स्मार्टफोन के व्यापक प्रसार ने हिंदी भाषा को जन-जन तक पहुंचाया है। आज समाचार, साहित्य, शिक्षा और मनोरंजन हर क्षेत्र के लिए हिंदी ऐप्स उपलब्ध हैं। हिंदी शब्दकोश ऐप्स ने भाषा को समझने में सहायता दी है। ई-बुक और ऑडियो बुक ऐप्स ने पढ़ने की आदत को डिजिटल रूप दिया है। हिंदी सीखने वाले ऐप्स ने गैर-हिंदी भाषियों को भी हिंदी से जोड़ा है।

डिजिटल प्रकाशन और हिंदी साहित्य

डिजिटल प्रकाशन माध्यमों ने हिंदी साहित्य को नई ऊर्जा दी है। ब्लॉग और ई-पत्रिकाओं के माध्यम से नए लेखक सामने आए हैं। अब साहित्य केवल स्थापित लेखकों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामान्य व्यक्ति भी अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्त कर सकता है। ई-बुक्स ने पुस्तकों को सस्ता, सुलभ और व्यापक बनाया है। इससे पाठक संख्या में वृद्धि हुई है और साहित्य का लोकतंत्रीकरण हुआ है। डिजिटल उपकरणों ने हिंदी के प्रचार-प्रसार को अभूतपूर्व गति दी है। इंटरनेट के माध्यम से हिंदी सामग्री कुछ ही क्षणों में विश्वभर में पहुंच जाती है। इससे प्रवासी भारतीयों और विदेशों में हिंदी सीखने वालों को भी अपनी भाषा से जुड़ने का अवसर मिला है। डिजिटल माध्यमों ने नई पीढ़ी को हिंदी से जोड़ा है। युवा वर्ग अब हिंदी में वीडियो बनाता है, ब्लॉग लिखता है और ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करता है। इससे हिंदी की छवि आधुनिक और उपयोगी भाषा के रूप में उभरी है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,576.24	25,683.30
गिरावट	604.72	193.55
प्रतिशत में	0.72	0.75

सोना 1,41,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,50,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 10 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

जेएसडब्ल्यू स्टील का उत्पादन 6% बढ़ा

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील का अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही में एकीकृत इस्पात उत्पादन सालाना आधार पर 6% बढ़कर 74.8 लाख हो गया। कंपनी का कच्चे इस्पात का उत्पादन अक्टूबर-दिसंबर 2024 में 70.3 लाख टन रहा था। जेएसडब्ल्यू स्टील ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि विजयनगर स्थित ब्लास्ट फर्नेस 3 (बीएफ3) की क्षमता को बढ़ाने के लिए सितंबर 2025 के अंत से इसे बंद कर दिया गया था। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही के अंत तक इसके चालू होने की उम्मीद है। इसके परिणामस्वरूप, चालू वित्त वर्ष की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में भारतीय परिचालन क्षमता प्रभावित हुई।

सॉफ्टबैंक ने ओला में 2.15% हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। जापान की बहुराष्ट्रीय निवेश कंपनी सॉफ्टबैंक ने अपनी निवेश कंपनी एसवीएफ II ऑस्ट्रिच (डीई) एलएलसी के जरिये ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में अपनी 2.15% हिस्सेदारी बेच दी है। इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता कंपनी ने बीएसई को बताया कि एसवीएफ II ऑस्ट्रिच (डीई) एलएलसी ने तीन सितंबर 2025 और पांच जनवरी 2026 के बीच कई चरणों में ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के कुल 94,628,299 शेयर बेचे हैं। पांच जनवरी 2026 को हुई बिक्री सेबी के नियमों के तहत 2% की सीमा का उल्लंघन करती है।

कीस्टोन की बिक्री बुकिंग 3% गिरी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी कीस्टोन रियल्टर्स लिमिटेड की चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बिक्री बुकिंग 3% घटकर 837 करोड़ रुपये रही। अक्टूबर-दिसंबर 2024 में यह 863 करोड़ रही थी। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि 2025-26 के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) में कंपनी की बिक्री सालाना आधार पर 2,174 करोड़ रुपये की तुलना में 23% बढ़कर 2,676 करोड़ रुपये हो गई। कीस्टोन रियल्टर्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं सीएमडी बोमन ईरानी ने कहा कि कंपनी मजबूत परिचालन गति प्रदर्शित कर रही है। अक्टूबर-दिसंबर की अवधि मजबूत प्रदर्शन की तिमाही रही, जिसने हमारे व्यापार मॉडल की मजबूती, अनुशासित क्रियान्वयन एवं निरंतर वृद्धि को और मजबूत किया।

भारत की वृद्धि दर रहेगी 6.6% : संरा

विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं रिपोर्ट जारी, चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में उच्च वृद्धि दर्ज करेगा भारत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र ने 2026 में भारत की वृद्धि दर के 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक तथा सामाजिक मामलों के विभाग ने विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं 2026 की रिपोर्ट जारी की है। इसके अनुसार, भारत चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में असाधारण रूप से उच्च वृद्धि' दर्ज करेगा। मजबूत निजी उपभोग एवं मजबूत सार्वजनिक निवेश से अमेरिकी शुल्क के उच्च प्रभाव की काफी हद तक भरपाई हो जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में आर्थिक वृद्धि दर 2025 में अनुमानित 7.4 से घटकर 6.6% रहने का अनुमान है। विभाग ने साथ ही कहा कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। निजी उपभोग में मजबूती, सार्वजनिक निवेश में वृद्धि, हालिया कर सुधार एवं कम ब्याज दरों से निकट भविष्य में वृद्धि को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

- निजी उपभोग एवं मजबूत सार्वजनिक निवेश से अमेरिकी शुल्क के प्रभाव करेगा भरपाई

हालांकि, यदि मौजूदा दरें बनी रहती हैं तो अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क 2026 में निर्यात प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं क्योंकि भारत से होने वाले कुल निर्यात में अमेरिकी बाजार की हिस्सेदारी करीब 18% है। संयुक्त राष्ट्र विकास एजेंसी (यूएन डीईएसए) के आर्थिक विश्लेषक तथा नीति प्रभाग की वैश्विक आर्थिक निगरानी इकाई के वरिष्ठ अर्थशास्त्री एवं प्रभारी अधिकारी इंगो पिटर्ले ने कहा कि दक्षिण एशिया दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र बना रहेगा जिसकी दर 5.6% रहेगी। इस वृद्धि में सबसे अधिक योगदानभारत का रहेगा जहां मजबूत घरेलू मांग, अच्छी फसल से समर्थित मुद्रास्फीति में कमी और निरंतर नीतिगत समर्थन वृद्धि को गति दे रहे हैं।

यूएन डीईएसए के आर्थिक विश्लेषक एवं नीति प्रभाग के निदेशक शांतनु मुखर्जी ने कहा कि भारत के निर्यात बाजारों का यूरोपीय संघ और पश्चिम एशिया की ओर विविधीकरण हुआ है। मुखर्जी ने भी दोहराया कि भारत में वृद्धि के घरेलू कारक असाधारण रूप से मजबूत रहे हैं और इस समय भारत से होने वाले सबसे मजबूत निर्यातों में से एक सेवाओं का निर्यात है। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर के 2025 में 2.8% रहने का अनुमान है और यह 2026 में थोड़ा घटकर 2.7% हो सकती है। 2027 में इसके बढ़कर 2.9% होने का अनुमान है जो वैश्विक महामारी से पहले (2010-2019) के औसत 3.2 प्रतिशत से काफी कम है।

यूरोप, जापान और अमेरिका में वृद्धि दर स्थिर

यूरोप, जापान और अमेरिका में वृद्धि दर मोटे तौर पर स्थिर रहने के साथ ही मध्यम गति से बढ़ने का अनुमान है। मौद्रिक या राजकोषीय सहायता से मांग को निरंतर समर्थन मिलता रहेगा। चीन, भारत और इंडोनेशिया सहित कई बड़ी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में मजबूत घरेलू मांग या लक्षित नीतिगत उपायों के कारण ठोस वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। इसमें बताया गया कि अमेरिका को देशों के माल निर्यात के मूल्य में भी बदलाव आया है। चीन से आई भारी गिरावट (विशेष रूप से लैपटॉप और स्मार्टफोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामानों की) की भरपाई वियतनाम और अन्य दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) की अर्थव्यवस्थाओं से आयात में वृद्धि से हुई। इसमें साथ ही कहा गया है कि भारत ने वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी स्थिति को भी मजबूत किया है।

महंगाई कम होने पर ब्याज दर में कटौती गोली बर्बाद करने जैसा : पीडब्ल्यूसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- आरबीआई की अगले महीने होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में मुख्य नीतिगत दर में कटौती की संभावना नहीं

भारतीय रिजर्व बैंक के नीतिगत दरों को स्थिर रखने का समर्थन करते हुए पीडब्ल्यूसी (प्राइस वाटर हाउस कूपर्स- एक पेशेवर सेवाएं प्रदान करने वाली फर्म) के भागीदार और आर्थिक सलाहकार सेवा के प्रमुख रानेन बनर्जी ने कहा कि जब वृद्धि दर मजबूत है और मुद्रास्फीति नियंत्रण में है, उस समय किसी भी कटौती का मतलब गोली बर्बाद करने जैसा होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अगले महीने होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में मुख्य नीतिगत दर में कटौती की संभावना नहीं है।

रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में एमपीसी की बैठक चार से 6 फरवरी, 2026 को होनी है। यह चालू वित्त वर्ष की आखिरी बैठक होगी। बनर्जी ने बताया कि यदि वृद्धि के आंकड़े स्थिर बने हुए हैं और आधार वर्ष में संशोधन भी होने वाला है, जिससे बेहतर अनुमान मिलने की उम्मीद है, तो ब्याज दर में कटौती की कोई आवश्यकता नहीं है। चूंकि निजी पूंजीगत व्यय ब्याज दरों के प्रति संवेदनशील नहीं है, इसलिए उसमें तेजी तब आएगी जब क्षमता उपयोग 85% के करीब होगा। मुझे नहीं लगता कि निजी पूंजीगत व्यय ब्याज दर की वजह से रुका हुआ है। इसका कारण यह है कि मांग को लेकर अनिश्चितता है या मांग में विश्वास या स्थिरता की कमी है। क्षमता उपयोग अभी भी 70-75 प्रतिशत के दायरे में है। जब तक क्षमता उपयोग 85 प्रतिशत के करीब नहीं पहुंच जाता, तब तक निजी क्षेत्र के लिए अतिरिक्त क्षमता बढ़ाने की कोई तत्काल आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने कहा कि एमपीसी इस समय ब्याज दर में और कटौती नहीं करेगी क्योंकि यह एक गोली बर्बाद करने जैसा होगा। बनर्जी ने कहा कि जब जरूरत न हो, तब गोली चलाने का कोई फायदा नहीं है क्योंकि हमारी वृद्धि दर अच्छी है और मुद्रास्फीति नियंत्रित है। इसलिए, इस समय दर में किसी भी बदलाव की आवश्यकता नहीं है।

पूर्वोत्तर के 33 उत्पादों के लिए जीआई टैग पाने के प्रयास तेज

गुवाहाटी, एजेंसी

पूर्वोत्तर के 33 बेजोड़ उत्पादों के लिए जीआई (भौगोलिक संकेतक) टैग हासिल करने के प्रयास किए जा रहे हैं और इस संबंध में गुवाहाटी में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार यह समझौता कपड़ा मंत्रालय के अधीन कपड़ा समिति और उत्तर पूर्वी हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास निगम (एनईएचएचडीसी) के बीच हुआ।

इन उत्पादों में 18 नगालैंड के और 15 मेघालय के हैं। हालांकि, तत्काल यह जानकारी नहीं मिल सकी कि ये उत्पाद कौन से हैं। जीआई टैग एक ऐसा नाम या चिन्ह होता है जो किसी उत्पाद की पहचान उसके एक विशिष्ट स्थान से तैयार होने के रूप में करता है। इसमें उस स्थान से जुड़ी अद्वितीय गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या विशेषताएं समाहित होती हैं।

- कपड़ा समिति और उत्तर पूर्वी हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास निगम में हुआ समझौता

इस समझौते पर गुरुवार को गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनापुर में आयोजित कपड़ा क्षेत्र के पूर्वोत्तर राज्यों के एक सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षर किए गए। जीआई पंजीकरण के अलावा, यह सहयोग क्षमता निर्माण, ब्रांडिंग और बाजार संपर्कों पर ध्यान केंद्रित करेगा, ताकि पूर्वोत्तर के शिल्प का विकास और व्यापक पहचान सुनिश्चित की जा सके।

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 686.80 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि दो जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 9.81 अरब डॉलर घटकर 686.80 अरब डॉलर पर रहा। इससे पिछले सप्ताह कुल भंडार 3.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.61 अरब डॉलर पर रहा था।

केंद्रीय बैंक के अनुसार आलोच्य सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 7.62 अरब डॉलर घटकर 551.99 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त ये परिसंपत्तियां विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक हैं और इनमें यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। इस दौरान सोने के भंडार का मूल्य 2.06 अरब डॉलर घटकर 111.26 अरब डॉलर रहा।

पांचवें दिन भी नहीं संभला बाजार, सेंसेक्स 605 अंक टूटा

मुंबई, एजेंसी

- अमेरिकी शुल्क बढ़ने और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं पर निवेशक रहे सतर्क
- विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी बाजार की धारणा को किया प्रभावित

शेयर बाजार में शुक्रवार को लगातार पांचवें सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 605 अंक के नुकसान में रहा जबकि निफ्टी में 193 अंक की गिरावट आई। अमेरिकी शुल्क बढ़ने की चिंताओं और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। कारोबारियों ने कहा कि भारतीय बाजारों से विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी बाजार की धारणा को प्रभावित किया है।

शुरुआती कारोबार में मामूली सुधार के बाद बीएसई का सेंसेक्स 604.72 अंक गिरकर 83,576.24 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 778.68 अंक गिरा था। दूसरी ओर एनएसई का निफ्टी 193.55 अंक टूटकर 25,683.30 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, सन फार्मा और बजाज फाइनेंस में गिरावट रही। वहीं, लाभ में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। बीएसई स्मॉलकैप 1.74% टूटा और मिडकैप 0.90% नुकसान में रहा। क्षेत्रवार रियल्टी 2.22, सेवा 1.84, उपयोगिता 1.82, बिजली 1.79, दूरसंचार 1.41, ऑटो 1.22, उपभोक्ता विवेकाधीन वस्तु 1.14 और वित्तीय सेवा क्षेत्र में 1.09% की गिरावट आई।

विदेशी निवेशकों ने 3,367.12 करोड़ रुपये के शेयर बेचे

शेयर बाजार के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 3,367.12 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। दूसरी ओर घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 3,701.17 करोड़ के शेयर खरीदे। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे, जबकि अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत बढ़कर 62.10 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के शोध उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बढ़ती भू-राजनीतिक और व्यापार संबंधी चिंताओं, विशेष रूप से अमेरिकी शुल्क कार्रवाइयों को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच बाजार की धारणा कमजोर रही। विदेशी निवेशकों की बिकवाली और जोखिम वाली संपत्तियों में कमजोर रुख ने नकारात्मक रुझान को और बढ़ा दिया।

राष्ट्रीय

भाजपा के हथियार के रूप में काम कर रहा ईडी : ममता

मुख्यमंत्री ने दस किलोमीटर लंबे विशाल विरोध मार्च के बाद की रैली

- बोलीं- छापेमारी स्थल पर टीएमसी अध्यक्ष के रूप में हस्तक्षेप किया, न कि मुख्यमंत्री के रूप में

कोलकाता, एजेंसी

ईडी के खिलाफ रैली निकालतीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की रणनीति को चोरी करने को ईडी भाजपा के हथियार के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि ईडी द्वारा 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' (आई-पैक) के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर छापेमारी के दौरान उनका वहां पहुंचना गलत नहीं था। ममता ने दस किलोमीटर लंबे विशाल विरोध मार्च के बाद यहां आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने छापेमारी स्थल पर विशुद्ध रूप से तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष के रूप में हस्तक्षेप किया था, न कि मुख्यमंत्री के रूप में।

उन्होंने छापेमारी स्थल पर पहुंचने के संदर्भ में कहा कि मैंने कल जो कुछ भी किया, वह टीएमसी अध्यक्ष के तौर पर किया। मैंने कुछ भी गैरकानूनी नहीं किया है। 'आई-पैक' टीएमसी को राजनीतिक परामर्श सेवा मुहैया कराती है। बनर्जी ने आरोप लगाया कि एजेंसी सुबह-सुबह परिसर में दाखिल हुई और जब तक वह पहुंचीं, तब तक बहुत सारा सामान पहले ही ले जाया जा चुका था। टीएमसी प्रमुख ने कहा कि आप सुबह छह बजे परिसर में दाखिल हुए। मैं पूर्वाह्न 11.45 बजे पहुंची। तब तक कई चीजें चोरी हो चुकी होंगी। उन्होंने ईडी पर 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले उनकी पार्टी के रणनीतिक दस्तावेजों तक पहुंचने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने केंद्र के साथ अपने टकराव को बढ़ाते हुए दावा किया कि सभी एजेंसियों पर कब्जा कर लिया गया है। उन्होंने भाजपा पर कई राज्यों की सत्ता पर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि आपने ताकत के बल पर महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार की सत्ता पर कब्जा किया। क्या आपको लगता है कि आप बंगाल पर भी कब्जा कर सकते हैं? बनर्जी ने कहा कि कोई भी राजनीतिक हमला उनके संकल्प को और मजबूत करता है।

ममता ने छापे के दौरान संवेदनशील सामग्री हटाने की कोशिश की : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की एक निजी राजनीतिक परामर्श कंपनी के कार्यालय पर ईडी की छापेमारी के दौरान उनके आचरण को लेकर शुक्रवार को निंदा की। केंद्र में सत्तारूढ़ और पश्चिम बंगाल की मुख्य विपक्षी पार्टी ने आरोप लगाया कि बनर्जी के कृत्यों से संकेत मिलता है कि उन्होंने कुछ संवेदनशील चीज को बचाने की कोशिश की, जिससे वह और उनकी पार्टी कथित कोयला तस्करी से जुड़े धनशोधन के मामले में फंस सकती हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि उन्हें मामले की जांच कर रहे ईडी के अधिकारियों को धमकाने और छापेमारी के दौरान उनसे दस्तावेज छीनने के लिए आरोपी बनाया जाना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी की बर्बर कार्रवाई की परिस्थितियां संदिग्ध हैं। प्रसाद ने आरोप लगाया कि बनर्जी, राज्य पुलिस अधिकारियों के साथ, एक निजी परामर्श कंपनी के परिसर में जबरन दाखिल हुईं, जहां एक जांच चल रही थी। उन्होंने ईडी के अधिकारियों को धमकाया और कागजात छीनकर ले गईं। गत 14 वर्षों से मुख्यमंत्री रहने के कारण उन्हें शासन के तौर-तरीकों की अच्छी जानकारी है। वे अतीत में केंद्रीय मंत्री के रूप में भी कार्य कर चुकी हैं। प्रसाद ने आरोप लगाते हुए सवाल किया, इसका मतलब है कि वह कोई संवेदनशील चीज बचाने की कोशिश कर रही थीं, जो उन्हें और उनके दल को फंसा सकती थी। उन्हें किस बात का डर था? ईडी ने आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री कोयला तस्करी से जुड़े मामले में छापेमारी के दौरान आई-पैक के निदेशक प्रतीक जैन के आवास में जबरन दाखिल हुईं और दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित महत्वपूर्ण सबूत अपने साथ ले गईं। भाजपा नेता ने कहा कि हम ममता बनर्जी के गैरजिम्मेदाराना आचरण की निंदा करते हैं। जांच में बाधा डालना और फाइलें छीन लेना गंभीर अपराध हैं।

आतंक के खिलाफ नई पीढ़ी की ढाल एनआईडीएमएस

गुरुग्राम, एजेंसी

- शाह ने एनएसजी के राष्ट्रीय आईईडी डेटा मंच की शुरुआत की
- देश में होने वाले बम विस्फोटों के खिलाफ होगा व्यापक प्रतिरोधक

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय डिजिटल आईईडी डेटा प्रबंधन मंच की शुरुआत की, जो आतंकवाद के खिलाफ अगली पीढ़ी के सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करेगा। देश में होने वाले सभी प्रकार के बम विस्फोटों के खिलाफ व्यापक प्रतिरोधक होगा। राष्ट्रीय आईईडी डेटा प्रबंधन प्रणाली (एनआईडीएमएस) को संघीय आतंकवाद-रोधी कमांडो बल राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) द्वारा गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-दिल्ली, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की मदद से विकसित किया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये लिंक के माध्यम से मंच का उद्घाटन किया। यह केंद्र मानेसर स्थित राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) छावनी में स्थित है। मंत्री ने कहा कि एनआईडीएमएस आतंकवादी घटनाओं के खिलाफ एक ढाल और राष्ट्रीय संपत्ति के रूप में काम करेगा क्योंकि यह पुलिस, विभिन्न जांच एजेंसियों, राज्य आतंकवाद-रोधी दस्तों, एनआईए जैसी संघीय एजेंसियों तथा केंद्रीय बलों को विभिन्न प्रकार के बम विस्फोटों के तौर-तरीके और कार्यप्रणाली का विश्लेषण करने के लिए व्यापक डेटा प्रदान करेगा। शाह ने कहा कि यह मंच आईईडी विस्फोटों के लिए एक राष्ट्र एक डेटा भंडार के रूप में कार्य करेगा।

राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय मान्यता देने के खिलाफ दायर याचिका रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय पार्टियों के रूप में मान्यता दिए जाने के खिलाफ दायर याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति नितिन वी सांब्रे और न्यायमूर्ति अनीश दयाल की पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के पिछले फैसलों में इस मुद्दे को संबोधित किया जा चुका है। याचिकाकर्ता हिंद साम्राज्य पार्टी ने चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) आदेश 1968 की वैधता को चुनौती दी थी, जिसके तहत

- हिंद साम्राज्य पार्टी ने चुनाव चिह्न आदेश 1968 को दी थी चुनौती
- दलील दी कि निर्वाचन आयोग मान्यता देने के लिए अधिकृत नहीं

राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय पार्टियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

उसने दलील दी थी कि निर्वाचन आयोग किसी राजनीतिक दल को राष्ट्रीय या राज्य स्तर की पार्टी के रूप में मान्यता प्रदान करने के लिए अधिकृत नहीं है। हिंद साम्राज्य पार्टी ने कहा था कि चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) आदेश के उपभाग 6ए, 6बी और 6सी इस तरह का दर्जा देने के लिए निर्धारित मानदंड अनुचित और बिना किसी आधार के थे। पार्टी ने कहा था कि उसे चुनाव के हर चरण में भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि मौजूदा राजनीतिक दल, जिन्हें अवैध रूप से राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के रूप में मान्यता दी गई है, विशेष अधिकारों और सुविधाओं का लाभ उठाते हैं।

आप के चार विधायक विस सत्र से निलंबित

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए आप के चार विधायकों को निलंबित कर दिया। गुप्ता ने कहा कि सदन की कार्यवाही में लगातार बाधा डालने और इसकी मर्यादा का उल्लंघन करने के कारण विपक्षी सदस्य (आप) सोम दत्त, जरनैल सिंह, संजीव झा और कुलदीप कुमार को शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए सदन से निलंबित किया जाता है। इससे पहले झा, सिंह और कुमार को कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में शीतकालीन सत्र से तीन दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया था।

ये कानून-व्यवस्था का मुद्दा, पहले प्राथमिकी दर्ज कराएं

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह कुत्तों को खाना खिलाने और उनकी देखभाल करने वाली महिलाओं को परेशान करने के आरोपों पर विचार नहीं करेगा, क्योंकि यह कानून-व्यवस्था का मुद्दा है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने कहा कि पीड़ित इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज करा सकती हैं।

आवारा कुत्तों से जुड़े मामले में दलीलें सुनने के दौरान, उच्चतम न्यायालय ने मुद्दे में महिलाओं पर की अपमानजनक टिप्पणियों के दावों पर भी विचार करने से मना कर दिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की विशेष पीठ ने पाया कि उसके समक्ष पेश की गईं दलीलें वास्तविकता से कोसों दूर थीं तथा आवारा कुत्तों द्वारा बच्चों और बुजुर्गों पर हमला करने के कई वीडियो हैं। न्यायालय उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिनमें कुत्ता प्रेमियों द्वारा दायर याचिकाएं भी हैं,

- कुत्तों को खाना खिलाने वाली महिलाओं को परेशान करने के आरोपों पर सुनवाई से न्यायालय का इन्कार

जिनमें पहले के आदेशों में संशोधन करने और निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के लिए निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता महालक्ष्मी पावनी ने कुत्तों को खाना खिलाने और उनकी देखभाल करने वाली महिलाओं की दशा का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसकी आड़ में वे महिलाओं को परेशान कर रहे हैं और उनकी पिटाई कर रहे हैं। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराइए। आपको कौन रोकता है? यदि कोई महिलाओं को परेशान कर रहा है या छेड़छाड़ कर रहा है, तो यह अपराध है, और पीड़ित प्राथमिकी दर्ज करा सकता है। पीठ ने कहा कि यह सब आपराधिक मामला है। आप इसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराएं। न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, हम ऐसे व्यक्तिगत मामलों को नहीं ले सकते, जहां कहीं कुछ गलत हो रहा हो।

बार चुनाव लड़ने के इच्छुकों के लिए नैतिक मूल्यों के मानदंड उच्च

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वकीलों के लिए नैतिक मूल्यों के मानदंड उच्च हैं। न्यायालय ने यह टिप्पणी तेलंगाना के वकील की याचिका खारिज करते हुए की जिसे लंबित आपराधिक शिकायतों के कारण आगामी राज्य बार काउंसिल चुनाव लड़ने से रोका गया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने टिप्पणी की कि वह ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसे तेलंगाना राज्य बार काउंसिल चुनाव लड़ने की अनुमति दी जानी चाहिए।

एजेंसियों की सहायता करना ट्रंप की वैधानिक जिम्मेदारी : संयुक्त राष्ट्र

● कई निकायों से अमेरिकी समर्थन वापसी पर बोले संरा महासचिव

न्यूयॉर्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि विश्व निकाय द्वारा संचालित 30 से अधिक पहलों से समर्थन वापस लेने की व्हाइट हाउस की घोषणा के बाद भी अमेरिका की यह वैधानिक जिम्मेदारी है कि वह संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों को वह धन दे जिसका वादा किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा कि उन्हें विश्व निकाय से संबंधित 31 एजेंसियों से अमेरिका को बाहर निकालने संबंधी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले पर खेद है। दरअसल ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र के कई निकायों और भारत-फ्रांस नीत अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) समेत 60 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से अमेरिका को बाहर निकालने का फैसला किया है।

ट्रंप ने इन संस्थाओं को अनावश्यक और अमेरिका के हितों के विरुद्ध बताया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान में कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अनुमोदित संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट और शांति स्थापना बजट के लिए आकलित योगदान सभी सदस्य देशों का कानूनी दायित्व है, जिसमें अमेरिका भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इस घोषणा के बावजूद संयुक्त राष्ट्र की वे संस्थाएं अपना काम करती रहेंगी। संयुक्त राष्ट्र की जिम्मेदारी है कि वह उन लोगों के लिए काम करे जो हम पर निर्भर हैं। दुजारिक ने बताया कि ट्रंप प्रशासन ने कोई औपचारिक सूचना नहीं दी।

मजबूत होगी आंतरिक सुरक्षा

नेशनल आईईडी डेटा सिस्टम

आईईडी जिसे इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस के नाम से भी जाना जाता है। आतंकवादियों और नक्सलियों ने इस अपरंपरागत विस्फोटक का इस्तेमाल करके देश में नागरिकों और सुरक्षाबलों के जवानों की जानें ली हैं। इससे पार पाने के लिए सुरक्षा एजेंसियां अपने स्तर पर प्रयास करती रही हैं लेकिन पहली बार नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) की ओर से एक कॉमन प्लेटफार्म बनाया गया, नेशनल आईईडी डेटा मैनेजमेंट सिस्टम (एनआईडीएमएस) को शुक्रवार को लांच किया गया। यह कदम देश की काउंटर-आईईडी और आतंरिक सुरक्षा संरचना को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। एनएसजी द्वारा विकसित इस प्लेटफार्म से सुरक्षा एजेंसियों को लाभ मिलेगा।

अपरंपरागत विस्फोटक

आईईडी का पूरा नाम इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस है। यह एक प्रकार का अपरंपरागत बम है जिसे किसी सैन्य मानक के बजाय स्थानीय स्तर पर उपलब्ध रसायनों या सामग्रियों का उपयोग करके जुगाड़ से बनाया जाता है। इसका मुख्य उपयोग किसी व्यक्ति या वाहन को नष्ट करने, घायल करने या ध्यान भटकाने के लिए किया जाता है। इसमें आमतौर पर पांच मुख्य भाग होते हैं, स्विच : विस्फोट को सक्रिय करने वाला बटन। फ्यूज/इनिशिएटर : विस्फोटक को शुरू करने वाला तंत्र। कंटेनर : वह मुख्य बॉडी जिसमें विस्फोटक भरा होता है। विस्फोटक पदार्थ : वह सामग्री जो धमाका करती है। पावर स्रोत : जैसे कि बैटरी, जो स्विच को बिजली देती है।

एजेंसियों को लाभ

● एनआईडीएमएस के माध्यम से राज्य पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और अन्य केंद्रीय एजेंसियां डेटा को एक्सेस, विश्लेषण और साझा कर सकेंगी। इससे आतंकवाद और विद्रोही हमलों की रोकथाम में तेजी आएगी और जांच प्रक्रियाओं को सरल बनाया जा सकेगा। इस प्लेटफॉर्म से फोरेंसिक विश्लेषण, ट्रेनिंग मॉड्यूल और ऑपरेशन योजना में सुधार होगा। आईईडी अक्सर आतंकवादी और विद्रोही समूहों द्वारा सुरक्षा बल और आम जनता को निशाना बनाने के लिए उपयोग किए जाते हैं। एनआईडीएमएस के जरिए तेजी से प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी।

हालिया घटनाएं

● लाल किला मेट्रो धमाका : 10 नवंबर 2025 को दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में आईईडी विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम 8-13 लोगों की मौत हो गई।

● बीजापुर हमला : 6 जनवरी 2025 को छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने आईईडी प्लांट किया था, जिसकी चपेट में आने से 9 की जान चली गई।

● रामेश्वरम कैफे धमाका : 1 मार्च 2024 के बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में आईईडी से विस्फोट में 10 घायल हुए थे।

ऐतिहासिक बड़ी घटनाएं

● पुलवामा हमला : 14 फरवरी 2019 में एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटक से लदी गाड़ी को सीआरपीएफ के काफिले से टकरा दिया था, जिसमें 40 जवान शहीद हुए थे।

● मुंबई लोकल ट्रेन धमाके : 11 जुलाई 2006 में लोकल ट्रेनों में 7 आईईडी बम रखे गए, 189 लोगों की मौत हुई थी।

● दिल्ली सीरियल ब्लास्ट : वर्ष 2008 में कनॉट प्लेस और करोल बाग में पांच धमाकों में 26-30 की जान गई थी।

● हैदराबाद ट्विन ब्लास्ट : 21 फरवरी 2013 में दिल सुखनगर में दो आईईडी धमाके में 18 लोग मारे गए थे।

वर्ल्ड ब्रीफ

गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में लगे भूकंप के झटके

राजकोट। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में बृहस्पतिवार रात से शुक्रवार अपराह्न के बीच भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटकों की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.6 से 3.8 के बीच रही। भूकंप के कम से कम 12 झटके महसूस किए गए। भूकंप के कारण राजकोट जिले के तीन तालुकों के लोगों में दहशत फैल गई, जिसके चलते कई लोगों ने एहतियात के तौर पर खेतों में शरण ली। राजकोट के जिलाधिकारी ओम प्रकाश ने कहा कि अभी तक जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

फिलीपीन में कचरे का ढेर ढहा, एक की मौत

मनीला। फिलीपीन में कचरे का विशाल ढेर ढहने से वहां काम कर रहे मजदूर दब गए, जिससे एक महिला की मौत हो गयी तथा कई लोग घायल हो गए और 38 अन्य लापता हैं। पुलिस के अनुसार, सेबू शहर के बिनालिव गांव में स्थित लैंडफिल स्थल (कचरे के ढेर) पर कचरे और मलबे का एक बहुत बड़ा हिस्सा गुरुवार दोपहर को अचानक ढह गया, जिससे वहां मौजूद लोग उसकी चपेट में आ गए। राहतकर्मियों ने 13 लोगों को जीवित बाहर निकाला है।

इजराइल के हमले में गाजा में 13 की मौत

दीर अल बलाह। इजराइल द्वारा गाजा पर किए गए हमले में कम से कम 13 फलस्तीनियों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह हमला ऐसे समय किया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्धविराम सुनिश्चित कराने के लिए 'शांति बोर्ड' की घोषणा किए जाने की उम्मीद है।

ईरान में महंगाई को लेकर आक्रोश बढ़ा, कई शहरों में विरोध प्रदर्शन

सरकार ने इंटरनेट और अंतर्राष्ट्रीय टेलीफोन सेवाओं पर लगाया प्रतिबंध

● हिंसात्मक विरोध प्रदर्शनों में कई लोगों के घायल होने की आशंका

दुबई, एजेंसी

ईरान में महंगाई को लेकर जनाक्रोश और बढ़ गया है। देश के निर्वासित युवराज द्वारा प्रदर्शनों के आह्वान के बाद ईरानी प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार सुबह सड़कों पर नारे लगाते हुए मार्च किया, हालांकि ईरान सरकार ने देश में इंटरनेट और अंतर्राष्ट्रीय टेलीफोन सेवाएं बंद कर दी हैं। प्रदर्शनकारियों द्वारा साझा किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि राजधानी तेहरान और अन्य क्षेत्रों की सड़कों पर मलबा बिखरा हुआ है और प्रदर्शनकारी अलाव जलाकर ईरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। हिंसा में कुछ लोगों के घायल होने की भी आशंका है।

ईरानी सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को इन प्रदर्शनों पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए आरोप लगाया कि अमेरिका और इजराइल के आतंकवादी एजेंटों ने आग लगाई और हिंसा भड़काई। उसने यह भी कहा कि कुछ लोग हताहत हुए हैं, लेकिन इसके बारे में विस्तार से नहीं बताया। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में अब तक कम से कम 42 लोग मारे गए हैं, जबकि 2,270 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। पहलवी ने गुरुवार रात को विरोध प्रदर्शनों का आह्वान किया था और उन्होंने शुक्रवार रात 8 बजे भी प्रदर्शनों का आह्वान किया।

वाशिंगटन इंस्टीट्यूट फॉर नियर ईस्ट पॉलिसी की वरिष्ठ फेलो होली डैग्रेस ने कहा कि विरोध प्रदर्शनों का रुख बदलने वाला कारक पहलवी का ईरानियों से सड़कों पर उतरने का आह्वान था। सोशल मीडिया पोस्ट से यह स्पष्ट हो गया कि ईरानियों ने इस आह्वान को गंभीरता से लिया और इस्लामी गणराज्य के विरोध में प्रदर्शन किया। कहा कि इंटरनेट को बंद करने का मकसद था, दुनिया को विरोध प्रदर्शन देखने से रोकना।

खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति पर साधा निशाना

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश प्रदर्शनों के आगे नहीं झुकेगा। सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक संबोधन में खामेनेई ने विदेशी समर्थित तत्वों पर देश को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। खामेनेई ने कहा कि सभी को यह जान लेना चाहिए कि इस्लामी गणतंत्र हजारों सम्मानित लोगों के खून के दम पर सत्ता में आया है और यह उपद्रवियों के सामने पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी अमेरिकी राष्ट्रपति को खुश करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर उन्हें देश चलाना आता होता तो वे अपना देश ठीक से चलाते।

प्रदर्शनकारी मारे गए तो हमला करेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बेहद सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर ईरान में प्रदर्शनकारियों को मारा जाएगा तो इसका बहुत कड़ा जवाब दिया जाएगा। द हू हेविट शो को दिए एक साक्षात्कार में ट्रंप ने ईरान में चल रहे सरकार विरोधी प्रदर्शनों में हिंसा की ओर इशारा करते हुए कहा कि अगर वे लोगों को मारना शुरू करते हैं जैसा कि वे अक्सर दंगों के दौरान करते हैं, तो उन पर बहुत जोरदार हमला करेंगे। उन्होंने कहा कि तेहरान को यह संदेश बहुत स्पष्ट शब्दों में दे दिया गया है कि अगर उन्होंने ऐसा किया तो उन्हें भारी कीमत चुकानी होगी। ट्रंप के अलावा उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया और इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका उन लोगों के साथ खड़ा है, जो शांतिपूर्ण तरीके से अपने अधिकारों के लिए विरोध कर रहे हैं। वेंस ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि ईरान के लिए आगे बढ़ने का सबसे अच्छा रास्ता उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर वाशिंगटन के साथ गंभीर बातचीत करना है। वेंस ने कहा कि बातचीत करना तेहरान के लिए समझदारी होगी।

प्रदर्शनकारियों को सजा देगा ईरान

दुबई। ईरान के न्यायपालिका प्रमुख ने शुक्रवार को संकल्प लिया कि प्रदर्शनकारियों को निर्णायक, अधिकतम और कोई भी कानूनी रियायत दिए बिना सजा दी जाएगी। ईरान के सरकारी टेलीविजन चैनल ने बताया कि न्यायपालिका प्रमुख गुलामहुसैन मोहसनी-एजेई के सजा देने के इस बयान से यह संकेत मिलता है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ और कड़ी कार्रवाई होगी।

रणनीतिक स्वायत्तता बढ़ाने में फ्रांस भारत की साझेदारी का विशेष महत्व

● मैक्रों से मिले विदेशमंत्री एस जयशंकर, सकारात्मक भाव की सराहना की

पेरिस, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और समकालीन वैश्विक घटनाक्रमों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को लेकर मैक्रों की सकारात्मक भावनाओं की सराहना की। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि बहुध्रुवीयता और रणनीतिक स्वायत्तता को बढ़ावा देने में भारत-फ्रांस साझेदारी का विशेष महत्व है।

छह दिन की फ्रांस और लक्जमबर्ग यात्रा पर आए जयशंकर ने गुरुवार को फ्रांस के राजदूत सम्मेलन को भी संबोधित किया। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि आज फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात कर प्रसन्नता हुई और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि समकालीन वैश्विक विकास पर उनके विचारों और हमारी रणनीतिक साझेदारी के प्रति उनकी सकारात्मक भावना की गहराई से सराहना करता हूं। एक्स पर एक अन्य पोस्ट में विदेश मंत्री ने कहा कि फ्रांस के राजदूत सम्मेलन को संबोधित करना उनके लिए सम्मान की बात थी। उन्होंने कहा कि व्यापार, वित्त, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, संसाधन और संपर्क से प्रेरित समकालीन वैश्विक परिवर्तनों को रेखांकित किया। सोच में बदलाव एक अहम कारक रहा है।

बुधवार को जयशंकर ने अपने फ्रांसीसी समकक्ष ज्यां-नोएल बैरोट से वार्ता के बाद कहा था कि भारत, यूरोप के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है और दोनों पक्ष अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था व वैश्विक राजनीति में अधिक स्थिरता ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक राजनीति में यूरोप एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है और भारत के लिए उसके साथ संबंध मजबूत करना आवश्यक है।

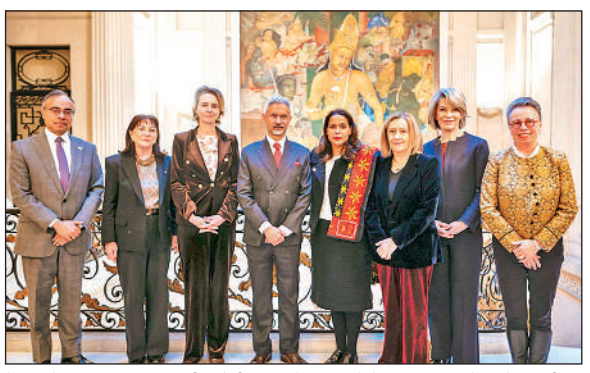

पेरिस में भारत-फ्रांस संसदीय मैत्री समूह के सदस्यों के साथ भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर।

जयशंकर के लिए अमेरिका ने किए थे विशेष प्रबंध

न्यूयॉर्क। अमेरिका के विदेश विभाग ने नवंबर में सरकार के शटडाउन के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर की अमेरिका यात्रा के दौरान आई एक मिशन संबंधी चुनौती को रेखांकित करते हुए कहा कि भारतीय मंत्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक साहसिक वैकल्पिक योजना लागू की गई थी। पर्यवेक्षक विशेष एजेंट गेब्रियल मैसियास द्वारा 30 दिसंबर 2025 को लिखे गए एक लेख में कहा गया है कि पिछले वर्ष अमेरिकी सरकार के शटडाउन के कारण जब हजारों वाणिज्यिक उड़ानें रद्द कर दी गई थीं, तब डिप्लोमैटिक सिक्योरिटी सर्विस के गणमान्य व्यक्ति सुरक्षा प्रभाग, न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस और बफेलो रेजिडेंट ऑफिस के विशेष एजेंटों के सामने एक मिशन संबंधी चुनौती खड़ी हो गई थी। शटडाउन का मतलब है कि अमेरिका की संघीय सरकार का आंशिक या पूर्ण रूप से कामकाज बंद हो जाना। यह स्थिति तब पैदा होती है जब अमेरिकी संसद समय पर बजट पारित नहीं कर पाती।

पाकिस्तान के रूख में बदलाव तक निलंबित रहेगी सिंधु संधि

नई दिल्ली, एजेंसी

● भारतीय विदेश मंत्रालय ने जल संधि पर स्पष्ट किया अपना रूख

भारत ने पाकिस्तान की सिंधु जल संधि को भारत के लिए बाध्यकारी बताने की टिप्पणी को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि यह संधि निलंबित है और सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान के रूख में बदलाव नहीं होने तक निलंबित ही रहेगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां साप्ताहिक ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में कहा कि सिंधु जल संधि पर भारत अपनी स्थिति कई बार स्पष्ट कर चुका है। यह संधि स्थगित है और तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद की गतिविधियों को बंद नहीं कर देता। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने कहा है कि सिंधु जल संधि भारत के लिए बाध्यकारी है और वह चिनाब तथा झेलम नदी पर भारत की विकास परियोजनाओं के मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठायेगा। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था।

कांतारा समेत 4 भारतीय फिल्में सर्वश्रेष्ठ की दौड़ में

लॉस एंजिलिस, एजेंसी

● ऑस्कर के लिए 201 फिल्मों के बीच होगा मुकाबला

एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने घोषणा की कि कन्नड़ ब्लॉकबस्टर कांताराः ए लीजेंड- चैप्टर 1 और हिंदी फिल्म तन्वी द ग्रेट सहित चार भारतीय फिल्में ऑस्कर 2026 की सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार की दौड़ में शामिल है। इस श्रेणी में कुल 201 फिल्मों के बीच मुकाबला है।

अकादमी ने गुरुवार को 98वें पुरस्कारों के लिए पात्र फिल्मों की प्रारंभिक सूची जारी की। यह सूची सर्वश्रेष्ठ फिल्म समेत सामान्य श्रेणियों में विचार के लिए पात्र फिल्मों की है और नामांकन की घोषणा से पहले का चरण है। नामांकन की घोषणा 22 जनवरी को की जाएगी।

ऋषभ शेट्टी अभिनीत कांतारा और अनुपम खेर के निर्देशन में बनी तन्वी द ग्रेट के अलावा सूची में शामिल अन्य भारतीय फिल्मों में बहुभाषी एनिमेटेड फिल्म महावतार नरसिम्हा और अभिशान जीविंत की तमिल फिल्म टूरिस्ट फैमिली शामिल हैं। इसके अलावा, ब्रिटेन और भारत के सहयोग से निर्मित राधिका आप्टे अभिनीत हिंदी भाषी फिल्म सिस्टर मिडनाइट भी इस सूची में जगह बनाने में सफल रही है। एकेडमी के अनुसार, कुल 317 फिल्में 98वें अकादमी पुरस्कारों के लिए पात्र हैं, जिनमें से 201 फिल्में सर्वश्रेष्ठ फिल्म श्रेणी में विचार के लिए आवश्यक अतिरिक्त पात्रता मानदंडों को पूरा करती हैं।

सामान्य श्रेणियों में पात्रता के लिए फिल्मों का एक जनवरी से 31 दिसंबर 2025 के बीच अमेरिका के छह महानगरीय क्षेत्रों लॉस एंजिलस काउंटी, न्यूयॉर्क सिटी, बे एरिया, शिकागो, डलास-फोर्ट वर्थ और अटलांटा में से किसी एक में सिनेमाघर में प्रदर्शित होना जरूरी है।

जन नायकन को सेंसर प्रमाणपत्र देने का निर्देश

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को विजय की आगामी फिल्म जन नायकन को सेंसर प्रमाणपत्र देने का निर्देश दिया और मामले को समीक्षा समिति को भेजने के बोर्ड के निर्देश को रद्द कर दिया। फिल्म का निर्माण करने वाली केवीएन प्रोडक्शंस की याचिका को स्वीकार करते हुए न्यायमूर्ति पी टी आशा ने कहा कि अगर बोर्ड ने प्रमाणपत्र देने का निर्णय ले लिया है तो अध्यक्ष के पास मामले को समीक्षा समिति के पास भेजने का अधिकार नहीं है। याचिका में सेंसर प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। बोर्ड ने तुरंत अपील दायर की और मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इसे स्वीकार कर लिया।

रूस ने यूक्रेन पर चलाई थी नई ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल

कीव, एजेंसी

● राजधानी कीव में मारे गए थे 4 नागरिक, 16 हुए थे घायल

रूस ने शुक्रवार को कहा कि उसने यूक्रेन पर भीषण हमले में अन्य हथियारों के साथ नई ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूसी हमले में राजधानी कीव में चार लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए।

रूस ने यह नहीं बताया कि ओरेश्निक ने कहां हमला किया। लेकिन रूसी मीडिया और सैन्य ब्लॉगरों ने कहा कि इसने यूक्रेन के पश्चिमी ल्वीव क्षेत्र में एक विशाल भूमिगत प्राकृतिक गैस भंडारण को निशाना बनाया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह हमला पिछले महीने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर कथित तौर पर यूक्रेन द्वारा किए गए ड्रोन हमले के जवाब में किया गया। हालांकि, यूक्रेन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन के आवास पर ड्रोन हमले के रूस के दावे को खारिज कर दिया है। ल्वीव के महापौर आंद्रिय सादोवी ने कहा कि रूस ने एक बैलेस्टिक मिसाइल से अहम ढांचे को निशाना बनाया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 10 जनवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, सप्तमी 08.23 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

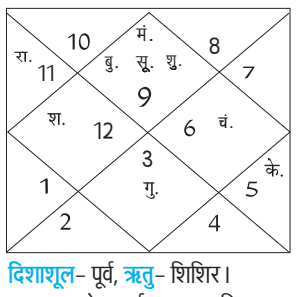

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- हस्त 03.40 तक तत्पश्चात चित्रा।

मेष — आज अचल संपत्ति में निवेश कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन सराहनीय रहेगा। कानूनी मामलों में आपको सफलता मिल सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों के ऊपर कुछ दबाव हो सकता है। शरीर में थोड़ी थकावट रहेगी।

वृष — आज किसी नए प्रोजेक्ट्स में भागीदारी करनी पड़ेगी। नई जॉब में समस्या आ सकती है। बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में आप नये प्रयोग कर सकते हैं। महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखें।

मिथुन — आज सरकारी कार्यों में आपको लापरवाही नहीं करनी चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। आपको अपने खर्चों को कम करना पड़ेगा। व्यापार में नवप्रयोग करने से आपको बचना चाहिए। दांपत्य जीवन में कुछ अशांति हो सकती है।

कर्क — आज सामाजिक संस्थाओं को आप अत्यधिक सहयोग दे सकते हैं। आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। आपको उत्साहवर्धक सूचना मिल सकती है। आप लोगों को शुभ कार्यों के लिए प्रोत्साहित करेंगे। ऑफिस में सभी कार्य आसानी से पूर्ण हो जायेंगे।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र में कुछ अस्थिरता हो सकती है। आपको किसी के साथ भी अभद्रता नहीं करनी चाहिए। अपने से बड़ों की बात न टालें। माता-पिता की सलाह से नया काम शुरू करना आपके लिए शुभ होगा। सर्दी और कफ बढ़ने से समस्या हो सकती है।

कन्या — आज नौकरीपेशा लोगों को नई जॉब का ऑफर मिल सकता है। आय की स्थिति बेहतर रहने वाली है। पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर रहने वाले हैं। कार्यक्षेत्र में आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। आपको उसका बेहतरीन परिणाम मिलेगा।

तुला — आज आर्थिक मामलों के लिए समय अच्छा नहीं है। मित्रों के साथ टकराव हो सकता है। ऑफिस के माहौल पर नजर बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में नई तकनीकों का प्रयोग उचित नहीं होगा। भावनाओं में बहकर अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक — आज परिजनों के साथ सार्थक समय बितायेंगे। उच्च अधिकारियों के माध्यम से आपको लाभ मिलेगा। सबके सामने आपकी प्रशंसा भी होगी। बेरोजगार लोगों को अच्छी कंपनी में जॉब मिल सकती है। व्यवसाय में उच्च आर्थिक लाभ होगा।

धनु — आज अपनी कार्यशैली में संदेह न करें। आज आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। जिसके लिए शायद आप तैयार न हों। नई संपत्ति खरीदना चाह रहे हैं तो दिन बहुत शुभ है। रुका हुआ काम अचानक बनने की सम्भावना बन रही है। व्यवसाय में आपकी गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

मकर — आज जीवनसाथी के साथ थोड़ी नोक-झोंक हो सकती है। यदि आप किसी जिम्मेदार पद पर हैं तो आपके पास आज दोहरी जिम्मेदारी रहेगी। आपको अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखना चाहिए। डायबिटीज के रोगियों को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

कुंभ — आज धन संबंधी मामलों को लेकर सावधानी रखें। आप बच्चों के भविष्य को लेकर चिन्तित रहेंगे। पुरानी उलझनों में आप दोबारा उलझ सकते हैं। विवादों से आपको दूर रहना चाहिए। जल्दबाजी में आपको नौकरी बदलने का निर्णय नहीं करना चाहिए।

मीन — आज किसी उत्सव और मांगलिक कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। बिगड़ी हुई बात या डील को आप समझदारी से संभाल लेंगे। किसी प्रोजेक्ट में आ रही आर्थिक बाधा दूर होगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आपको शानदार सफलता मिल सकती है। अपना काम आपको स्वयं ही करना चाहिए।

सुडोकू-28

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			2	7			3	
	8	3	4		6	1		
7	9					2		6
3			9			8	7	
	6	1			5			9
9		8					1	5
		2	3		7	4	9	
	4			1	9			

सुडोकू - 27 का हल

2	5	6	8	1	4	7	9	3
9	8	1	3	6	7	2	4	5
7	3	4	9	2	5	6	1	8
3	4	9	1	5	6	8	2	7
8	7	2	4	9	3	1	5	6
6	1	5	7	8	2	4	3	9
5	6	3	2	4	8	9	7	1
1	2	8	5	7	9	3	6	4
4	9	7	6	3	1	5	8	2

जब मैं चार साल की थी तो खेलों में मेरा सफर शुरू हुआ। जैसा कि आप सभी जानते हैं, मेरे पिता एक ज्योतिषी हैं। उन्होंने मेरी कुंडली देखी और कहा कि मुझे या तो खेलों में जाना चाहिए या चिकित्सा के क्षेत्र में।
–वैष्णवी शर्मा

स्टेडियम

कानपुर नगर, शनिवार, 10 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

विश्व कप के लिए फीफा का वीडियो कंटेंट पार्टनर बना टिकटॉक

जिनेवा। फुटबॉल की संचालन संस्था फीफा ने 11 जून से 19 जुलाई तक चलने वाले पुरुष फुटबॉल विश्व कप में सोशल मीडिया पर वीडियो कंटेंट के लिए टिकटॉक को अपना प्रमुख प्लेटफॉर्म चुना है। इस साझेदारी के अंतर्गत 'कंटेंट क्रिएटर्स' को 48 टीम वाले विश्व कप में विशेष अनुमति मिलेगी। यह टूर्नामेंट 16 शहरों में आयोजित होगा। इनमें अमेरिका के 11, मेक्सिको के तीन और कनाडा के दो शहर शामिल हैं। फीफा ने बताया कि विश्व कप के प्रसारण अधिकार रखने वाले ब्रॉडकास्टर टिकटॉक ऐप पर बने एक विशेष 'हब' के जरिए 104 मैच के कुछ हिस्सों का लाइव प्रसारण कर सकेंगे। अमेरिका में टिकटॉक के 17 करोड़ से अधिक यूजर हैं।

किस्मत में लिखा था क्रिकेटर बनना : वैष्णवी

नई दिल्ली। वैष्णवी शर्मा ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज में टी20 अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में भारत के लिए पदार्पण किया था और ग्वालियर की 20 साल की बाएं हाथ की स्पिनर का कहना है कि उनके ज्योतिषी पिता नरेंद्र शर्मा ने उनके भविष्य के बारे में बता दिया था कि वह क्रिकेटर बनेंगी। उनका कहना है कि खिलाड़ी बनना उनकी किस्मत में लिखा था। उन्होंने कहा उसके बाद, यह सवाल था कि मेरी दिलचस्पी किसमें है। कुछ समय बाद, उन्हें समझ आया कि मेरी दिलचस्पी खेलों में है। जब मैं सात साल की थी तो मैंने और गंभीरता से खेलना शुरू किया जैसे शाम को अभ्यास सत्र के लिए जाना।

मैराथन में 60,000 से ज्यादा धावक भाग लेंगे

मुंबई। टाटा मुंबई मैराथन (टीएमएम) के 21वें सत्र का आयोजन यहां 18 जनवरी को होगा जिसमें भाग लेने के लिए 60,000 से अधिक धावकों ने पंजीकरण कराया है। आयोजकों के अनुसार, विश्व एथलेटिक्स 'गोल्ड लेबल' दौड़ में रिकॉर्ड 69,100 प्रतिभागी शामिल होंगे। इसमें 65,400 से अधिक प्रतिभागी प्रत्यक्ष रूप से और 3,700 वर्चुअल (ऑनलाइन) रन में भाग लेंगे। पहली बार रिकॉर्ड 14,059 धावक पूर्ण मैराथन में प्रतिस्पर्धा करेंगे। हाफ मैराथन और ओपन 10 किमी दौड़ में भी भागीदारी में भारी वृद्धि हुई है।

जादुमणि सिंह, पवन बर्तवाल फाइनल में

ग्रेटर नोएडा। बॉक्सिंग वर्ल्ड कप फाइनल के सिल्वर मेडलिस्ट जादुमणि सिंह ने शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा की गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में एलीट पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में पुरुषों की 50-55किग्रा कैटेगरी के सेमीफाइनल में 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट अमित पंघाल को हराकर पवन बर्तवाल के साथ एक रोमांचक फाइनल मुकाबले के लिए जगह बनाई। यह पहली बार है जब पुरुष और महिला नेशनल चैंपियनशिप एक ही जगह पर एक साथ हो रही हैं और देश भर से 600 बॉक्सर पुरुष और महिलाओं के लिए 10-10 वेट कैटेगरी में हिस्सा ले रहे हैं। सेमीफाइनल में, जादुमणि ने अमित पर 5:0 से शानदार जीत दर्ज की।

डी क्लार्क के हरफनमौला खेल से बेंगलुरु की मुंबई पर रोमांचक जीत

महिला प्रीमियर लीग : चार विकेट झटकने के बाद नडिन ने 63 रनों की बेहतरीन पारी खेली

नवी मुंबई, एजेंसी

नडिन डी क्लार्क के हरफनमौला खेल से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मौजूदा सत्र के बेहद रोमांचक शुरुआती मैच में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को तीन विकेट से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया।

प्लेयर ऑफ द मैच डी क्लार्क ने चार विकेट झटकने के बाद दबाव के क्षणों में 44 गेंद में नाबाद 63 रन की पारी से टीम को जीत दिलाई। आरसीबी को आखिरी ओवर में जीत के लिए 18 रन की जरूरत थी और नैट सिवर-ब्रंट की शुरुआती दो गेंद पर चुकने के बाद उन्होंने दो छक्के और दो चौके लगाकर टीम को यादगार जीत दिला दी। प्रेमा रावत चार गेंद पर आठ रन के साथ नाबाद रही। मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सजीवन सजना की 25 गेंद में 45 रन की पारी के दम पर छह विकेट पर 154 रन बनाये। आरसीबी ने 25 साल की डि क्लर्क की सात चौके और दो छक्के जड़ित पारी से आखिरी ओवर में जीत दर्ज कर सत्र का शानदार आगाज किया।

मुंबई की तरफ से निकोला कैरी और अमेलिया केर ने दो-दो विकेट लिए, जबकि स्किवर-ब्रंट, शबनिम इस्माइल और अमनजोत कौर ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले सजना ने सात चौके और एक छक्का जड़ने के अलावा पांचवें विकेट के लिए निकोला कैरी (40 रन) के साथ 49 गेंद में 82 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। कैरी ने 29 गेंद की पारी में चार चौके जड़े। यह साझेदारी ऐसे समय आई जब पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर मुंबई की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवा रही थी और 11वें ओवर में टीम का स्कोर चार विकेट पर महज 67 रन था। शीर्ष क्रम में गुनालन कमलिनी ने 28 गेंदों में 32 रन बनाए, जबकि मुंबई और भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 20 रनों का योगदान दिया। आरसीबी को कप्तान स्मृति मंधाना और ग्रेस हैरिस ने अच्छी शुरुआत दी लेकिन टीम इसका ने जल्दी-जल्दी विकेट गंवाकर अपनी मुश्किलें बढ़ा ली। हैरिस (25 रन और मंधाना (18 रन) ने पहले ओवर में सिवर-ब्रंट की गेंद पर चौके लगाए और फिर दूसरे ओवर में इस्माइल के खिलाफ भी वही किया। तीसरे ओवर में दोनों ने निकोला कैरी से 20 रन जोड़े। हैरिस ने एक छक्का और चौका लगाया, जबकि मंधाना ने दो चौके मारे। मंधाना चौथे ओवर में आउट हो गईं, उसके बाद हैरिस भी सिवर-ब्रंट की गेंदबाजी पर आउट हुईं। टीम का स्कोर पांचवें ओवर में दो विकेट पर 47 रन से आठवें ओवर में पांच विकेट पर 65 रन हो गया। दयालन हेमलथा (सात), ऋचा घोष (छह) और राधा यादव (एक) के सस्ते में पवेलियन लौटने से टीम की मुश्किलें बढ़ गयी। दक्षिण अफ्रीका की क्लर्क ने अपनी पारी से आरसीबी की उम्मीदें जिंदा रखीं। अरुंधती रेड्डी (20) उनके साथ अच्छी साझेदारी की जिससे वह टीम को लक्ष्य के करीब ले जाने में सफल रही। डब्लयूपीएल 2026 की शुरुआत लॉरेन बेल के मेडन ओवर से हुई, जिसमें मुंबई की सलामी बल्लेबाज अमेलिया केर खाता नहीं खोल सकीं। कमलिनी ने हालांकि दूसरे ओवर में लिंडसे स्मिथ की गेंदों पर दो चौके जड़ते हुए 10 रन बटोरकर पहले ओवर की भरपाई की। केर संघर्ष करती नजर आईं और 11वीं गेंद पर अपना खाता खोल सकीं।

आखिरी ओवर में तूफानी पारी के दौरान शॉट लगातीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की नडिन डी क्लार्क। एजेंसी

यूपी और गुजरात की नजरें लय हासिल करने पर

नवी मुंबई। यूपी वॉरियर्स और गुजरात जायंट्स की टीम शनिवार को यहां अपने महिला प्रीमियर लीग अभियान की शुरुआत करेंगी और पिछले सत्र में विपरीत प्रदर्शन के बाद दोनों टीमें पहले खिताब की तलाश में होंगी। यूपी वॉरियर्स नई कप्तान मेग लैनिंग पर बहुत अधिक निर्भर रहेगी क्योंकि उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स लगातार तीन फाइनल में पहुंची थी। टीम पिछले तीन सत्र में तीसरे, चौथे और फिर तालिका में निचले स्थान पर रही थी और उसकी निगाहें इस लगातार गिरावट को रोकने की है। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के आने से टीम में स्पष्टता आने की उम्मीद है। टीम पिछले साल कप्तान एलिसा हीली की गैरमौजूदगी में संतुलन और निरंतरता के लिए संघर्ष कर रही थी।

मुकाबले के लिए तैयार

दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले शुक्रवार को यहां हुए अभ्यास सत्र में शानदार लय में नजर आए। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार से तीन मैचों की वनडे और फिर पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। कोहली और रोहित ने भारतीय तेज गेंदबाजों, स्पिनरों और थ्रो-डाउन विशेषज्ञों के खिलाफ लगभग डेढ़ घंटे तक बल्लेबाजी का अभ्यास किया। ● एजेंसी

फाइनल में आमने-सामने होंगी पाइपर्स और बंगाल

रांची, एजेंसी

महिला हॉकी इंडिया लीग

एसजी पाइपर्स और श्राची बंगाल टाइगर्स दो हफ्तों तक चले 12 मुकाबलों के बाद शनिवार को यहां होने वाले महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के फाइनल में आमने सामने होंगी।

लीग जीतने वाली टीम को 1.50 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी जबकि उप विजेता को एक करोड़ रुपये दिए जाएंगे। तीसरे स्थान पर रहने वाली रांची रॉयल्स को 50 लाख रुपये मिलेंगे। फाइनल में पहुंची इन दोनों टीमों ने इस सत्र में अपना दबदबा बनाए रखा और दोनों का खेलने का तरीका काफी हद तक एक जैसा ही रहा है। एसजी पाइपर्स ने तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि श्राची बंगाल टाइगर्स ने दूसरा स्थान पक्का किया। दोनों टीमें लीग चरण में दो बार आमने-सामने हुईं और दोनों ही मौकों पर श्राची बंगाल टाइगर्स ने पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की।

जीत के साथ अवध का सफर समाप्त

नोयडा, एजेंसी

उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग सीजन-2 के करो-या-मरो सप्ताह के अंतिम दिन की शुरुआत अवध रामदूत्स के प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ हुई। नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अवध रामदूत्स ने पूर्वांचल पैंथर्स को 47-33 से पराजित किया।

चूंकि दोनों टीमें पहले ही टॉप-4 की दौड़ से बाहर हो चुकी थीं, इसलिए यह मुकाबला सम्मान, लय और लीग चरण को सकारात्मक अंदाज में समाप्त करने को लेकर अहम था। मैच की शुरुआत सतर्कता के साथ हुई, जहां दोनों टीमों ने शुरुआती मिनटों में एक-दूसरे को परखने की कोशिश की। अवध रामदूत्स ने धीरे-धीरे अपनी लय हासिल की, जिसमें कप्तान अभिमन्यु रघुवंशी की भूमिका अहम रही। उनकी सटीक और तेज रेड्स ने लगातार पूर्वांचल की डिफेंस को परेशान किया। वहीं दूसरी ओर, अवध की रक्षात्मक इकाई ने भी मजबूती दिखाई और समय पर किए गए टैकल्स के जरिए पूर्वांचल के स्कोरिंग मौकों को सीमित रखा। पहले हाफ का निर्णायक मोड़ तब आया, जब अवध रामदूत्स ने अपनी डिफेंस को और सख्त किया और पूर्वांचल पैंथर्स को ऑल-आउट कर स्कोरबोर्ड पर बड़ा अंतर बना लिया। इसी बढ़त को आगे बढ़ाते हुए अवध ने हाफटाइम से पहले एक और ऑल-आउट किया, जिससे उनकी बढ़त 20 अंकों तक पहुंच गई और मुकाबले पर उनका पूरा नियंत्रण हो गया। दूसरे हाफ में पूर्वांचल पैंथर्स ने अधिक आक्रामक रुख अपनाया और अवध रामदूत्स को एक बार ऑल-आउट कर वापसी की हल्की उम्मीद जगाई।

अवध रामदूत (लाल ड्रेस) और पूर्वांचल पैंथर्स के खिलाड़ी। एजेंसी

फ्रांस व क्रोएशिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगा ब्राजील

साओ पाउलो। ब्राजील फुटबॉल टीम इस साल होने वाले विश्व कप की तैयारी के अंतर्गत अमेरिका में फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगी।

पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील 11 जून से 19 जुलाई के बीच होने वाले विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत 13 जून को मोरक्को के खिलाफ करेगी। फिर टीम का सामना छह दिन बाद फिलेडेल्फिया में हैती से होगा। ब्राजील 24 जून को फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में स्कॉटलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण का समापन करेगी। प्रमोटरों ने घोषणा की कि ब्राजील की टीम 26 मार्च को मैसाचुसेट्स के फॉक्सबोरो में फ्रांस से भिड़ेगी और फिर पांच दिन बाद फ्लोरिडा के ऑरलैंडो में क्रोएशिया से दोस्ताना मैच खेलेगी। क्रोएशिया 26 मार्च को ऑरलैंडो में कोलंबिया से भिड़ेगा और कोलंबिया 29 मार्च को मैरीलैंड के लैंडोवर में फ्रांस का सामना करेगा।

तमीम इकबाल को भारतीय एजेंट कहने पर बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने जताई नाराजगी

ढाका, एजेंसी

पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के एक बड़े अधिकारी द्वारा 'भारतीय एजेंट' कहे जाने पर देश के खिलाड़ियों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

बीसीबी की वित्त समिति के अध्यक्ष नजमुल ने फेसबुक पोस्ट में बाएं हाथ के इस बल्लेबाज़ को भारतीय एजेंट' करार देते हुए कहा इस बार बांग्लादेश की जनता अपनी आंखों से एक भारतीय एजेंट को उभरते हुए देख रही है।

इस पोस्ट के सामने आते ही मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई। तस्कीन अहमद, मोमिनुल हक और ताइजुल इस्लाम समेत कई खिलाड़ियों ने इसका विरोध किया। 'बांग्लादेश क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन (सीडब्ल्यूएबी)' ने भी नजमुल की टिप्पणी पर रोष व्यक्त किया। सीडब्ल्यूएबी ने कहा, बीसीबी निदेशक एम नजमुल इस्लाम द्वारा पूर्व राष्ट्रीय कप्तान तमीम इकबाल को लेकर की गई टिप्पणी हमारे संज्ञान में आई है। हम इससे स्तब्ध, आहत और बेहद आक्रोशित हैं।

उन्होंने कहा तमीम ने 16 वर्षों तक देश का प्रतिनिधित्व किया है और वह देश के इतिहास के सबसे सफल सलामी बल्लेबाज है। उनके बारे में बोर्ड के एक अधिकारी द्वारा ऐसी टिप्पणी पूरी तरह निंदनीय है। यह केवल तमीम से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि किसी भी बांग्लादेशी क्रिकेटर के बारे में इस तरह की टिप्पणी अस्वीकार्य है और पूरे क्रिकेट समुदाय का अपमान है। छत्तीस साल के तमीम ने अंतरराष्ट्रीय करियर में बांग्लादेश के लिए 70 टेस्ट, 243 वनडे और 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। सीडब्ल्यूएबी ने कहा हम इस टिप्पणी का कड़ा विरोध करते हैं। जब बोर्ड का कोई जिम्मेदार निदेशक सार्वजनिक मंच पर इस तरह के बयान देता है, तो यह बोर्ड अधिकारियों की आचार संहिता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। हमने बीसीबी अध्यक्ष को एक विरोध पत्र सौंप दिया है, जिसमें संबंधित निदेशक से सार्वजनिक माफी की मांग की गई है। बांग्लादेश ने इस बीच आईसीसी को पत्र लिखकर अपने टी20 विश्व कप मैच भारत से बाहर कराने का अनुरोध किया है।

भविष्य को ध्यान में रखने की अपील की थी पूर्व कप्तान ने

ढाका। बांग्लादेश के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाजों में शामिल पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने हाल ही में बीसीबी को सलाह दी थी कि भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी को लेकर कोई भी फैसला भावनाओं में बहकर नहीं, बल्कि सोच समझकर लिया जाना चाहिए।

मलेशिया ओपन : सिंधु सेमीफाइनल में पहुंचीं, सात्विक और चिराग हारे

कुआलालंपुर, एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शुक्रवार को यहां जापान की अकाने यामागुची के चोट के कारण क्वार्टरफाइनल से रिटायर होने के बाद मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली जबकि पुरुष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी क्वार्टर फाइनल हार गए। सिंधु ने पहला गेम 21-11 से जीत लिया था लेकिन इसके बाद तीन बार की विश्व चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त यामागुची ने मैच से हटने का फैसला किया। वह घुटने में ब्रेस पहने हुए थीं।

इससे विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज सिंधु का यामागुची के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 15-12 हो गया। चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद सिंधु अपना

पहला टूर्नामेंट खेल रही हैं। अब सेमीफाइनल में उनका सामना चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झीयी से होगा जिन्होंने इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वरदानी को 21-17, 21-18 से हराया। वहीं दो बार विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक विजेता भारत के सात्विक और चिराग पुरूष युगल में इंडोनेशिया के फजर अल्फेन और मुहम्मद फिकरी की निचली रैंकिंग वाली जोड़ी से 10-21, 21-23 से हार गए।

पिछले साल हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स में फाइनल तक पहुंचे तीसरी वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग पहले गेम में ही दबाव में नजर आए। इंडोनेशिया की जोड़ी ने लगातार पांच अंक बनाये जिसके बाद भारतीय जोड़ी ने खाता खोला।

इंडोनेशियाई जोड़ी ने जल्दी ही 12-4 से बढत बना ली और फिर आखिरी पांच अंक लेकर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने वापसी की कोशिश की और दो बार बढत भी बनाई। स्कोर एक समय 19-19 से बराबरी पर था लेकिन इंडोनेशियाई जोड़ी ने आखिरी दो अंक लेकर जीत दर्ज की।

साक्षात्कार

भारतीय पहलवान की जापानी युई सुसाकी से भिड़ंत तय, जिन्हें माना जाता है दुनिया की सबसे दमदार पहलवान

प्रो कुश्ती लीग की चुनौती के लिए तैयार अंतिम पंघाल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल आगामी प्रो कुश्ती लीग (पीडब्ल्यूएल) के लिए तैयारियों में जुटी हैं और उनके फोन पर हर दिन दो बार की ओलंपिक पदक विजेता युई सुसाकी के मैच चल रहे हैं ताकि उन्हें रणनीति बनाने में मदद मिले।

अंतिम का पीडब्ल्यूएल में जापानी पहलवान से भिड़ना तय है जिन्हें दुनिया की सबसे दमदार पहलवान माना जाता है। अंतिम ने कहा वह दुनिया की सर्वश्रेष्ठ पहलवान हैं। उनके पास मुझसे ज्यादा अनुभव है लेकिन वह 50 किग्रा वर्ग की हैं और मैं 53 किग्रा वर्ग की हूं। मैं उनसे छोटी हूं। इसलिए मैं उनके मुकाबले बहुत ध्यान से देख रही हूं कि वह कैसे खेलती हैं, कैसे बचाव करती हैं, किस तरह की गलतियां नहीं करती।

चार बार की विश्व चैंपियन सुसाकी को महिला 53 किग्रा वर्ग में हरियाणा थंडर ने 60 लाख रुपये में खरीदा जिससे वह हाल में हुई पीडब्ल्यूएल नीलामी में बिकने वाली सबसे महंगी खिलाड़ी बन गईं।

उन्होंने कहा आप इस लीग में ज्यादा देर तक शांत नहीं रह सकते। अगर आपके दो या चार अंक हैं तो विरोधी को सिर्फ एक चाल की जरूरत होती है। इसलिए रणनीति अलग होनी चाहिए। भारतीय पहलवान मानती हैं कि नीलामी में मिली रकम उनकी कल्पना से कहीं ज्यादा थी। यूपी डोमिनेटर्स का मालिकाना हक रूबिक्स ग्रुप के पास है। उन्होंने कहा मुझे इतनी उम्मीद नहीं थी। मुझे लगा था कि यह करीब 30 लाख रुपये होगी। मुझे लगा था कि यह उससे थोड़ा ऊपर जा सकती है, लेकिन इतनी ज्यादा नहीं। जब बोली लग रही थी, तब अंतिम एक मंदिर से घर लौट रही थीं। उन्होंने कहा बोली करीब सात बजे शुरू हुई। मैं खाटू श्याम मंदिर से घर लौटी थी। किसी ने नहीं सोचा था कि मेरे लिए इतनी ज्यादा बोली लगेगी। विनेश ने हाल में संन्यास से वापसी की घोषणा की है और जब बात सीनियर पहलवान की आती है तो अंतिम प्रतिद्वंद्विता के बजाय सहानुभूति से बात करती हैं। विनेश सबसे सफल भारतीय पहलवानों में से एक हैं। उन्हें पेरिस ओलंपिक में 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण 50 किग्रा फाइनल से डिस्क्वालिफाई कर दिया गया था।

अंतिम ने कहा विनेश के पास मुझसे कहीं ज्यादा अनुभव है। वह वापसी कर रही हैं तो इसका मतलब है कि वह बहुत कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार हैं। जब कोई खिलाड़ी इस मानसिकता के साथ वापसी करता है तो वापसी हमेशा जोरदार होती है। अंतिम जूनियर चैंपियन से सीनियर दावेदार बनने तक के सफर में काफी परिपक्व हुई हैं।

प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ रणनीति पर कर रहीं काम

यूपी डोमिनेटर्स ने अंतिम को 52 लाख रुपये में खरीदा था और 21 साल की भारतीय पहलवान जानती हैं कि इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीतना आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा उनका डिफेंस बहुत मजबूत है। वह आसानी से पैर से मिलने वाले अंक नहीं देतीं। ज्यादातर वह हमला करती हैं और इंतजार करती हैं। इसलिए मुझे अच्छा बचाव करना होगा और ज्यादा हमले करने होंगे। मुझे पक्का करना होगा कि उन्हें मुझ पर हावी होने का मौका नहीं मिले। सुसाकी का दबदबा सीनियर स्तर पर सिर्फ एक बार 2024 पेरिस ओलंपिक के दौरान विनेश फोगाट के खिलाफ कम हुआ और अंतिम ने उस मुकाबले को फ्रेम दर फ्रेम देखा है। अंतिम ने कहा वह शानदार मुकाबला था।